हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 99, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 7 अक्टूबर, 2023 दिन शनिवार गाजीपुर/वाराणसी

सिक्किम में जल प्रलय से हाहाकार, अब तक 40 लोगों की मौत, लापता जवानों की तलाश जारी

सेना के लापता जवानों को खोजने की लगातार कोशिशें जारी

सिक्किम। सिक्किम में बादल फटने की वजह से तीस्ता नदी में अचानक आई बाढ़ से सेना के 6 जवानों समेत 19 लोगों की मौतें हो गई है। वहीं, बाढ़ में अबतक 23 सेना के जवानों के साथ में 100 से ज्यादा लोग लापता हो गए हैं। बाढ़ से राज्य में भारी पैमानें पर नुकसान हुआ है। इस बीच सेना के लापता जवानों को खेजने की लगातार कोशिशें की जा रही हैं। गुवाहाटी में डिफेंस के पीआरओ ने बताया कि लापता भारतीय सेना के जवानों की तलाश जारी है। पीआरओ ने कहा, " खोज अभियानों में मदद के लिए टीएमआर दल (तिरंगा माउंटेन रेस्क्यू), ट्रैकर कुत्ते, विशेष राडार जैसे अतिरिक्त संसाधन लाए गए हैं। लापता सेना के जवानों को खोजने के अलावा भारतीय सेना उत्तरी सिक्किम में फंसे लोगों और पर्यटकों को भोजन, चिकित्सा सहायता और संचार सुविधाओं में मदद कर रही है। पीआरओ डिफेंस ने बताया, "हम तीस्ता बैराज के निचले इलाकों में लापता सैनिकों की तलाश कर रहे हैं। सिंगताम के पास बुरदांग में घटना

स्थल पर सेना की गाड़ियों को खोदकर निकाला जा रहा है और सामानों को बरामद किया जा रहा है। खोज अभियान में मदद के लिए तिरंगा माउंटेन रेस्क्यू, ट्रैकर कुत्तों, विशेष राडार की टीम और अतिरिक्त संसाधन लाए गए हैं।" पीआरओ ने आगे बताया, "इस बीच, त्रिशक्ति कोर भारतीय सेना के जवान लाचेन-चाटन, लाचुंग और चुंगथांग के क्षेत्रों में मौजूद 1471 पर्यटकों का पता लगाया है। 6 अक्टूबर को मौसम में सुधार के साथ, हेलीकॉप्टरों द्वारा फंसे हुए पर्यटकों को निकालने का अवसर मिल सकता है। इसकी योजना राज्य सरकार, भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना द्वारा संयुक्त रूप से बनाई जा रही है।" उन्होंने कहा कि नुकसान का आकलन करने और सड़क संपर्क की बहाली की योजना के लिए सभी एजेंसियों द्वारा सर्वेक्षण किया जा रहा है। वाहनों के आवागमन के लिए सिंगल लेन की सफाई के साथ सिंगतम और बुरदांग के बीच सड़क संपर्क बहाल कर दिया गया है।

महंगाई से करोड़ों परिवार परेशानी का सामना कर रहे हैं

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शुक्रवार (6 अक्टूबर) को केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा। सरकार पर निशाना साधते हुए कांग्रेस ने कहा कि मुद्रास्फीति पर चिंताएं गंभीर बनी हुई हैं। साथ ही पार्टी ने दावा किया कि आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी से करोड़ों परिवारों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मोदी सरकार पर ताजा हमला भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा शुक्रवार को लगातार चौथी बार नीतिगत दर को अपरिवर्तित रखने के फैसला के बाद किया है। रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा,"आरबीआई ने रेपो दर- वाणिज्यिक बैंकों द्वारा उससे उधार लेने पर ली जाने वाली ब्याज दर को 6.5 फीसदी पर बनाए रखा है। इसका सीधा सा मतलब है कि मुद्रास्फीति को लेकर चिंताएं गंभीर बनी हुई हैं।" पूर्व केंद्रीय मंत्री रमेश ने कहा, "47 महीनों से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आरबीआई के अपने मध्यम अवधि के लक्ष्य 4 फीसदी से काफी ऊपर बना हुआ है। अगस्त 2023 में सीपीआई 6.83 फीसदी थी।"

वाणिज्यिक कर विभाग ने बेंगलुरु में 100 से अधिक व्यापारिक प्रतिष्ठानों और गोदामों पर की छापेमारी

बेंगलुरु। वाणिज्यिक कर विभाग को अघोषित गोदामों में बेहिसाब स्टॉक जमा करने और कर चालान जारी किए बिना उन्हें बेचने को लेकर जानकारी मिली थी। जिसके बाद चिकपेट और आस-पास के इलाकों में 100 से अधिक व्यापारिक प्रतिष्ठानों और गोदामों पर छापेमारी की गई है। वाणिज्यिक कर आयुक्त (कर्नाटक) सी शिखा के अनुसार, ये प्रतिष्ठान कपड़ा, रेडीमेड परिधान, बिजली के सामान, घरेलू सामान और विभिन्न अन्य सामानों के व्यापार में शामिल थे। उन्होंने इसे कर चोरी पर एक महत्वपूर्ण कार्रवाई बताया और कहा कि गुरुवार को मारे गए छापे की सावधानीपूर्वक योजना बनाई गई थी। कुछ गोदाम अघोषित थे। शिखा ने एक बयान में कहा, विभाग कर दमन की मात्रा का पता लगाने के लिए व्यवसायों के वित्तीय रिकॉर्ड और अन्य सबूतों की जांच कर रहा है। बयान में कहा गया है कि यह जांच विश्वसनीय जानकारी के आधार पर शुरू की गई है कि इस क्षेत्र में और इसके आसपास स्थित कुछ व्यवसाय अज्ञात गोदामों में बेहिसाब स्टॉक जमा करने और कर चालान जारी किए बिना उन्हें बेचने में लिप्त हैं, जिसके परिणामस्वरूप सरकारी खजाने को नुकसान होता है। शिखा ने कहा कि जीएसटी नियमों के अनुसार, उन व्यवसायों पर जीएसटी से संबंधित जानकारी की प्रदर्शन आवश्यकताओं का अनुपालन न करने, जैसे कि उनके व्यावसायिक परिसरों और अतिरिक्त व्यावसायिक परिसरों पर साइनबोर्ड और जीएसटी पंजीकरण प्रमाणपत्रों की अनुपस्थिति के लिए जुमार्ना लगाया गया था।

एयर फोर्स डे : जोश, जुनून और जज्बे के साथ की कदमताल, पहले दिन हुआ फुल ड्रेस रिहर्सल

प्रयागराज। भारतीय वायु सेवा की 91वें वर्षगांठ के मौके पर आयोजित एयर शो के पहले दिन शुक्रवार को फुल ड्रेस रिहर्सल हुआ। बमरौली स्थित वायु सेवा के मध्य वायु कमान मुख्यालय में वायु सेना योद्धाओं की परेड हुई। कार्यक्रम की शुरूआत पैरा हैंड ग्लाइडर विंग कमांडर अशोक ने हवा में 360 डिग्री पर करतब दिखाते हुए परेड में एंट्री की। उसके बाद दो वायु योद्धा पैरा मोटर्स हवा में उड़ते हुए परेड में आए। हवा में उनके द्वारा किए गए करतब पर वहां मौजूद स्कूली बच्चों ने तालियां बजाकर उत्साहवर्धन किया। इस दौरान एएन 32 विमान से 10 पैराजंपर 8 हजार मीटर की ऊंचाई से कूदे। कलरफुल पैराजंपर दर्शकों के सामने उतरे तो लोग रोमांचित हो गए। लोगों ने उनका तालियों से जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम के आकर्षण का केंद्र गरुण कमांडो की परेड रही। इस बीच पांच गरुड़ कमांडो हेलीकॉप्टर के नीचे बंधी रस्सी के सहारे लटकत क भी नजर आए। परेड के दौरान तीन सूर्य किरण हेलीकॉप्टर वहां से तिरंगा धुआं छोड़ते हुए निकले। इन विमान के निकलते ही वहां बैठे हर एक शख्स ने ताली बजाकर अभिवादन किया। वायु योद्धाओं ने अपनी राइफल से भी तमाम करतब दिखाए। उन्होंने

दिखाया कि अनुशासन और ड्रिल भारतीय वायु सेवा की जीवन शैली है। इसके पूर्व वायु योद्धाओं ने परेड भी कि। उनके सलामी एयर मार्शल मध्य वायु कमान मुख्यालय ने ली। खास बात यह रही की परेड में महिला अग्नि वीर भी शामिल हुई। इनकी संख्या 31 रही। परेड में वायु सेवा की झंडा बदलने की भी परंपरा इस बार शुरू हुई। अब 8 तारीख को आयोजित एयर शो में वायु सेवा अध्यक्ष भी इस परंपरा का निर्वाहन करेंगे।

सिक्किम के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है केंद्र, आपदा प्रभावित राज्य की मदद को खोला सरकारी खजाना

नई दिल्ली। सिक्किम में तीस्ता नदी में बाढ़ आने से सेना के छह जवानों समेत 19 लोगों की मौत हो गई, जबकि 100 से ज्यादा लोग लापता बताए जा रहे हैं। इस आपदा के समय में केंद्रीय गृह मंत्री

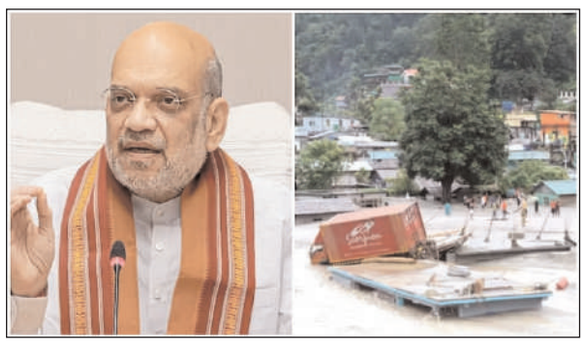

अमित शाह ने राज्य की मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाए हैं। उन्होंने बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद करने के लिए राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) के केंद्रीय हिस्से से 44.8 करोड़ रुपये की अग्रिम राशि जारी करने की मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही, एक अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय दल (आईएमसीटी) का गठन किया गया है। यह टीम बादल फटने और अचानक आई बाढ़ के कारण हुए नुकसान का आंकलन करने के लिए जल्द ही सिक्किम के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेगी। बयान के मुताबिक, केंद्र ने सिक्किम को एसडीआरएफ के केंद्रीय हिस्से की दोनों किस्तें यानी 44.8 करोड़ रुपये जारी करने की मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही, केंद्र ने सिक्किम को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार सिक्किम के साथ कंधे से कंधे मिलाकर खड़ी है। इतना ही नहीं, आईएमसीटी के आकलन के आधार पर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सिक्किम के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) से अतिरिक्त केंद्रीय सहायता स्वीकृत की जाएगी। गौरतलब है कि चार अक्टूबर को बादल फटने से तीस्ता नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया। इससे कई पुल, नेशनल हाईवे-10 के कुछ हिस्से और चुंगथांग बांध बह गए। बाढ़ से कई विकास परियोजनाएं भी प्रभावित हुई हैं। केंद्र राज्य की स्थिति पर निगरानी रखे हुए है।

देवरिया नरसंहार में घायल मासूम से मिलने बीआरडी पहुंचे डिप्टी सीएम, बोले- ऐसी कार्रवाई करेंगे पीढ़ियां याद रखेंगी

गोरखपुर। समीक्षा बैठक के बाद उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक बीआरडी मेडिकल कॉलेज पहुंचे। वहां ट्रामा सेंटर के आईसीयू में वीआईपी बेड नंबर दो पर भर्ती देवरिया की घटना में घायल बच्चे अनमोल दुबे से मुलाकात की तथा उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। सोमवार की सुबह देवरिया के फतेहपुर गांव में पिता सत्यप्रकाश दुबे सहित पूरे परिवार की हत्या देखने वाले इस मासूम को रुद्रपुर पुलिस ने यहां मरणासन्न हालत में भर्ती कराया था। पास में खड़े अनमोल के भाई देवेश दुबे को उन्होंने गले लगा लिया और आश्वासन दिया कि उपचार में किसी तरह की दिक्कत नहीं होने पाएगी। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि देवरिया में घटी घटना मन को द्रवित करने वाली है। इस घटना को जिन लोगों ने अंजाम दिया है उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी ताकि उनकी पीढ़ियां भी याद रखें और दूसरे लोग इस तरह की घटना को अंजाम देने की हिम्मत न कर सके। उन्होंने बताया की अनमोल की तबीयत ठीक है। वह बात कर रहे हैं। उनके साथ सदर सांसद रवि किशन भी रहे। इसके थोड़ी देर के बाद देवेश दुबे को घबराहट होने लगी तो डॉक्टरों ने उनका बीपी चेक किया और आराम करने की सलाह दी।

नीतीश के विधायक बोले- लहराएंगे पिस्टल, मेरे बाप हो क्या?; फिर गाली देते हए जदयू दफ्तर में जा घुसे

पटना। पिछले दिनों भागलपुर के अस्पताल में इलाज के लिए पिस्टल लहराते हुए आने वाले जनता दल यूनाईटेड के विधायक और सत्तारूढ़ दल के पूर्व मुख्य सचेतक नरेंद्र नीरज उर्फ गोपाल मंडल अब पटना स्थित पार्टी दफ्तर में भी पिस्टल लेकर आ रहे हैं। उन्होंने शुक्रवार को पार्टी दफ्तर के गेट पर यह स्वीकार किया कि वह पिस्टल लेकर अब भी आए हैं। अस्पताल में पिस्टल लहराए जाने पर बात शुरू हुई तो बोलने लगे- लहराएंगे पिस्टल। तुम रोकने वाले कौन? मेरे बाप हो क्या? इसके बाद वह लगातार गालियां देने लगे। मीडियाकर्मी सवाल पूछने लगे कि क्या जदयू में यही ट्रेनिंग मिल रही है? इसपर माहौल गरम होते देख सुरक्षाकर्मी उन्हें अंदर लेते गए। जाते हुए भी वह लगातार अपशब्द बोल रहे थे। भाजपा प्रवक्ता अजय आलोक ने जदयू और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि यह नया बिहार है। न्यू बिहार अंडर मिस्टर नीतीश

कुमार। एक विधायक हाथ पिस्टल लहरा रहा है। पत्रकारों को गोली दे रहा है। पूछने पर कह रहा है कि क्या कर लोगे, तुम मेरे बाप हो गया। नीतीश जी अब आप इस सुशासन के लिए जाने जाएंगे। शर्म आती है कि ऐसे ऐसे विधायक बिहार में है। और, हमारे राजा बैठ कर देख रहे हैं। बिहार में बहार हैं क्योंकि नाश कुमार है। दरअसल, तीन दिन पहले जदयू के दबंग और वरीय विधायक गोपाल मंडल हाथ में अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर लेकर हॉस्पिटल में दिख थे। मीडिया ने जब सवाल पूछा कि आप खुले आम रिवॉल्वर लेकर क्यों घूम रहे हैं तो उन्होंने अंगिका भाषा में कहा, "हाथ म लैय के नय चलबै त भीतरी म लैय के चलबै।" कहने का मतलब यह था कि रिवाल्वर को हाथ नहीं रखेंगे तो क्या कमर में रखेंगे। इतना ही नहीं गोपाल मंडल ने यह भी कहा कि "पेहले चोर-बदमाश लगलो रहै छलै आब राजनीतिक लोग लागलो छै कि गोपाल मंडल एमपी नय बनै।" उनका कहना था कि जान के पीछे चोर-बदमाश लगे हुए थे और अब नेता लगे हुए है कि गोपाल मंडल सांसद नहीं बने।

जाति जनगणना को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने आंकड़ों पर रोक लगाने से किया इनकार, बिहार सरकार को भेजा नोटिस

नई दिल्ली। बिहार में जाति जनगणना को लेकर दायर याचिका पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने शुक्रवार को बिहार सरकार को उसके जाति सर्वेक्षण के और आंकड़े प्रकाशित करने से रोकने से इनकार कर दिया और कहा कि वह राज्य को कोई भी नीतिगत निर्णय लेने से नहीं रोक सकता। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और एसवीएन भट्टी की पीठ ने पटना हाईकोर्ट के एक अगस्त के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर एक औपचारिक नोटिस जारी किया, जिसमें बिहार में जाति सर्वेक्षण को मंजूरी दी गई थी। इसने मामले में अगली सुनवाई जनवरी में होगी। दरअसल, याचिकाकर्ता ने जातिगत जनगणना का विरोध किया है। तीन अक्तूबर को याचिकाकर्ता ने अदालत से कहा था कि बिहार सरकार ने जाति सर्वेक्षण के आंकड़े प्रकाशित कर दिए हैं। ऐसे में इस पर जल्द सुनवाई की जानी चाहिए। इस पर अदालत ने सुनवाई के लिए छह अक्तूबर की तारीख दी थी। बता दें, पहले बिहार सरकार की ओर से सर्वे से जुड़ा आंकड़ा प्रकाशित नहीं करने की बात की गई थी। इसके बाद इसे प्रकाशित कर दिया गया। इसे लेकर अब कोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया है। मामले को लेकर आज सुनवाई हुई। अदालत ने बिहार सरकार को जाति सर्वेक्षण के और आंकड़े प्रकाशित करने से रोकने से इनकार कर दिया है। शीर्ष अदालत ने याचिकाकताओं की उन आपत्तियों को खारिज कर दिया, जिसमें मांग की गई थी कि राज्य सरकार आगे और आंकड़े जारी न करे। पीठ ने कहा, ह्यहम इस समय कुछ भी नहीं रोक रहे हैं। हम राज्य सरकार या किसी भी सरकार को नीतिगत निर्णय लेने से नहीं रोक सकते। यह गलत होगा। याचिकाकताओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अपराजिता सिंह ने कहा कि मामले में गोपनीयता का उल्लंघन है और हाईकोर्ट का आदेश गलत है। इस पर पीठ ने कहा कि चूंकि किसी भी व्यक्ति का नाम और अन्य पहचान प्रकाशित नहीं की गई है, इसलिए यह तर्क कि गोपनीयता का उल्लंघन हुआ है, सही नहीं हो सकता है।

झूठा है शराब घोटाला : सीएम केजरीवाल बोले- केस में पार्टी को फंसाने की कोशिश, संजय सिंह के करीबियों से पूछताछ

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने संजय सिंह के करीबियों को समन जारी किया है।तो वहीं सीएम केजरीवाल ने एक बार फिर भाजपा और पीएम मोदी पर निशाना साधा। संजय सिंह के करीबी सर्वेश मिश्रा, कंवरबीर सिंह और विवेक त्यागी को तलब किया गया है। ताकी आमने-सामने बैठाकर पूछताछ की जा सके। खबर के मुताबिक, संजय सिंह ने सर्वेश को एक करोड़ रुपये दिए थे। संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद आप और भाजपा में बयानबाजी का सिलसिला लगातार जारी है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गाजीपुर लैंडफिल साइट पर पहुंच कर भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि झूठे केस लगाकर पार्टियों को फंसाने की कोशिश हो रही है। ये हालात लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं। शराब घोटाला फर्जी है। एक पैसे का लेनदेन नहीं हुआ। एक सबूत नहीं है। थोड़े दिन में शराब घोटाला बंद हो जाएगा। फिर एक और ले आएंगे। तंग और टॉर्जर करके जबरदस्ती बयान लिए हैं। इन लोगों की नीयत खराब है। दिल्ली में इतने काम हो रहे हैं। केजरीवाल ने 1000

स्कूल बनाए, आप 2000 स्कूल बनाओ। इसमें बड़प्पन है। आप खुद काम नहीं करते हैं। 24 घंटे एजेंसी भेज रहे हैं। किसी की पार्टी तोड़ रहे हैं। सीएम केजरीवाल ने कहा कि वे हमारी खिलाफ जांच कर रहे हैं। अभी तक कुछ भी सामने नहीं आया है। आपने कल सुप्रीम कोर्ट को सुना। पूरे का पूरा शराब घोटाला फर्जी है। एक पैसे का लेन देन नहीं हुआ। जज ने कोर्ट में ईडी से सबूतों के बारे में पूछा। लेकिन उनके पास कुछ भी नहीं था। प्रवर्तन निदेशालय की ओर से जारी हुए समन के बाद संजय सिंह के सहयोगी सर्वेश मिश्रा दिल्ली में ईडी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने कहा कि सच्चाई की जीत होगी। ईडी ने संजय सिंह के तीन सहयोगियों विवेक त्यागी, सर्वेश मिश्रा और कंवरबीर सिंह को जांच में शामिल होने के लिए बुलाया है। मीडिया से बातचीत के दौरान भाजपा प्रवक्ता और बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि हमारा मानना है कि यह देश के उन लोगों के लिए विचार का भोजन है जो प्रयोगात्मक राजनीति की बात करते हैं। यह प्रयोगात्मक राजनीति का समय नहीं है। प्रयोगात्मक राजनीति के परिणाम देश के लिए खतरनाक हो सकते हैं। अन्ना आंदोलन से निकली आप के चरित्र ने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। गिरफ्तार राज्यसभा सांसद संजय सिंह को 10 अक्तूबर तक प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत में भेज दिया गया। मामले में ईडी ने 10 दिन के हिरासत की मांग की थी। हालांकि, अदालत ने सुनवाई के दौरान ईडी के समक्ष कई सवाल उठाए। राउज एवन्यू कोर्ट में विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल के समक्ष संजय सिंह को कड़ी सुरक्षा में पेश किया गया। ईडी ने संजय सिंह का 10 दिन का रिमांड मांगते हुए कहा कि वह मामले में पूरी तरह से लिप्त हैं।

भर्ती प्रक्रिया में अहम बदलाव, 67 हजार पदों पर भर्ती के लिए होगा वन टाइम रजिस्ट्रेशन

लखनऊ। यूपी पुलिस के 67 हजार पदों पर भर्ती होने के इच्छुक युवाओं के लिए वन टाइम रजिस्ट्रेशन की सुविधा शुरू की जाएगी। उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने वन टाइम रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था बनाने के लिए कंपनियों से आवेदन (एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट) मांगा है। इस सुविधा के बाद अभ्यर्थी अलग-अलग पदों पर भर्तियों का बार-बार आवेदन करने के झंझट से मुक्त हो जाएंगे।

डीजी भर्ती बोर्ड रेणुका मिश्रा ने बताया कि प्रदेश पुलिस में 52,699 सिपाहियों की सीधी भर्ती के अलावा 2469 उप निरीक्षक, 2430 रेडियो आपरेटर, 927 कंप्यूटर ऑपरेटर, 2833 जेल वार्डर समेत 67 हजार पदों पर भर्ती होनी है। सिलसिलेवार तरीके से होने वाली इन भर्तियों में अभ्यर्थियों को अलग-अलग पदों के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना पड़ता, लिहाजा वन टाइम रजिस्ट्रेशन की सुविधा शुरू की जा रही है। इसके लागू होने पर अभ्यर्थी को बार-बार अपना विवरण नहीं देना होगा। अपना फोटो और हस्ताक्षर भी केवल एक बार ही अपलोड करना होगा। इस संबंध में भर्ती बोर्ड द्वारा दी गयी जानकारी के मुताबिक वन टाइम रजिस्ट्रेशन का काम जिस कंपनी को सौंपा जाएगा, उसे साफ्टवेयर विकसित करना होगा। साथ ही, डिजिलॉकर के साथ प्रमुख बैंकों से लिंक, बल्क मैसेज भेजने की सुविधा होनी चाहिए। इसके अलावा भर्ती बोर्ड ने ई-टीआरपी (ई-ट्रांसपेरेंट रिक्रूटमेंट सिस्टम) की व्यवस्था स्थापित करने की दिशा में भी कदम बढ़ाया है। इसके लिए ऐसी कंपनियों से आवेदन मांगे गये हैं, जिन्होंने संघ लोक सेवा आयोग, उप्र लोक सेवा आयोग, इंजीनियरिंग, मेडिकल, मैनेजमेंट, पीएसयू और पुलिस बलों में भर्तियों का काम किया है। कंपनी को अपने कर्मचारी बोर्ड के मुख्यालय में तैनात करने होंगे और भर्तियों से जुड़े समस्त डाटा का विश्लेषण करने के साथ उसे सत्यापित करना होगा।

संपादकीय

सिक्किम के ल्होनक झील के ऊपर बादल फटने से तीस्ता नदी में आई बाढ़, मची तबाही

उत्तरी सिक्किम में तीस्ता नदी में अचानक बाढ़ आने से मची तबाही चिंतित करने वाली है। वहां ल्होनक झील के ऊपर बादल फटने से काफी नुकसान हुआ है। सड़कें तो टूटी ही हैं, सैन्य प्रतिष्ठानों को भी नुकसान पहुंचने की खबरें हैं। तीन-चार अक्तूबर की दरमियानी रात में दक्षिण ल्होनक झील पर बादल फट गया था जिससे तीस्ता नदी बेसिन में बाढ़ आ गई। बाढ़ में बह गए लोगों में से 14 की मौत हो गई और 22 सैन्य कर्मियों समेत 102 लोग लापता हो गए। स्वाभाविक रूप से अभी सबसे ज्यादा ध्यान लापता सैनिकों व अन्य की तलाश करने और यह सुनिश्चित करने पर दिया जा रहा है कि जहां भी जरूरी हो जल्द से जल्द मदद पहुंचाई जाए। ऊपरी इलाकों में लगातार बारिश से जलस्तर बढ़ रहा है। राहत एवं बचाव अभियान में दिक्कत आ रही है। कई जगह रास्तों में पर्यटक फंसे हुए हैं। उत्तरी सिक्किम का यह प्रभावित इलाका भारत-नेपाल सीमा के करीब पड़ता है। भौगोलिक तौर पर इस जगह को संवेदनशील बताया जाता रहा है। दो साल पहले एक अध्ययन में चेताया गया था कि भविष्य में सिक्किम में दक्षिण ल्होनक झील फट सकती है। वर्ष 2021 में हुआ अध्ययन जर्नल ह्यजियोमोफोर्लाजीह्व में प्रकाशित हुआ था। इसमें रेखांकित किया गया था कि दक्षिण ल्होनक झील का स्तर हिमनद के पिघलने की वजह से बीते एक दशक में खासा बढ़ा है और हिमनद झील के फटने से बाढ़ (जीएलओएफ) का खतरा बढ़ गया है। हिमनद झील के फटने से बाढ़ तब आती है जब हिमनद के पिघलने से बनी झील में अचानक बाढ़ आ जाए। अध्ययन के मुताबिक, 1962 से 2008 के बीच 46 साल में हिमनद करीब दो किलोमीटर पीछे हट गए हैं और यह 2008 से 2019 के बीच तकरीबन चार सौ मीटर और पीछे चले गए हैं। हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (एनआरएससी) के मुताबिक, सिक्किम में 733 हिमनद झीलें हैं और 288 झीलें 5000 मीटर से अधिक की ऊंचाई पर स्थित हैं। दक्षिण ल्होनक झील समुद्र तल से 5200 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह झील ल्होनक हिमनद के पिघलने से बनी है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की और भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलुरू के शोधार्थियों ने पाया है कि ये झीलें मुख्यतः सुदूर और पर्वतीय घाटियों में स्थित हैं लेकिन निचले बहाव क्षेत्र में 10 किलोमीटर तक जान और माल का नुकसान कर सकती हैं। शोध रिपोर्टों में लगातार चेतावनी दी जाती रही है कि वर्तमान और भविष्य में हिमनद टूटने से होने वाले परिवर्तनों से जुड़े खतरे का मूल्यांकन करना जरूरी है। इसी साल मार्च महीने में संसद में पेश की गई एक रपट में बताया गया था कि हिमालय के तमाम हिमनद अलग-अलग दर से, लेकिन तेजी से पिघल रहे हैं और इस वजह से हिमालय की नदियां किसी भी समय बड़ी प्राकृतिक आपदा का कारण बन सकती हैं। यह सही है कि जलवायु परिवर्तन वैश्विक मसला है और किसी एक देश की सरकार अकेले ज्यादा कुछ नहीं कर सकती। फिर भी बड़े और संवेदनशील हिमनदों की स्थिति पर लगातार नजर रखते हुए संभावित हादसों से निपटने की तैयारी जरूर की जा सकती है। लोगों को अपेक्षाकृत ज्यादा जागरूक रखा जा सकता है। हादसे भले न टाले जा सकें, लेकिन नुकसान जरूर कम किया जा सकता है। लेकिन सिक्किम की आपदा के मामले में जाहिर है ऐसा नहीं हो सका।

राजनीति के पथ पर धूमिल पड़ते जा रहे संसदीय परंपरा के मानक

संसद जैसी लोकतांत्रिक संस्था की विश्वसनीयता को बनाए रखना सांसदों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी होती है। उनकी बेदाग छवि एवं सुचितापूर्ण व्यवहार लोकतंत्र की सफलता की एक शर्त माना जाता है। विशेषकर जब वे जनता के बीच हों, तो उनके आचरण को लेकर ऐसी अपेक्षा की जाती है कि वह दूसरों के लिए भी मिसाल बनें। संसदीय परंपरा के ये मानक राजनीति के पथ पर अब धूमिल पड़ते जा रहे हैं। बेदाग राजनीति का दम भरते हुए सार्वजनिक जीवन में कदम रखने वाले आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह की शराब नीति घोटाले में गिरफ्तारी लोकतांत्रिक व्यवस्था में आचरण संबंधी मानकों पर नए सिरे से विचार की मांग करती है। आखिर नीतिगत स्तर पर ऐसा क्या हुआ कि जनप्रतिनिधियों को भी जेल जाना पड़ रहा है। दूसरी ओर, महाराष्ट्र के हिंगोली से शिवसेना सांसद हेमंत पाटिल ने जिस तरह डाक्टर शंकरराव चव्हाण शासकीय चिकित्सकीय महाविद्यालय एवं अस्पताल के कार्यवाहक डीन से शौचालय साफ कराया, वह निहायत ही आपत्तिजनक तो है ही, सांसद जैसे पद की गरिमा के बिल्कुल विपरीत है। होना तो यह चाहिए था कि बा-हैसियत सांसद अस्पताल प्रशासन के साथ बैठकर उन कमियों को दूर करने पर विचार-विमर्श करते, जिनकी वजह से अस्पताल में नाहक दर्जनों लोगों की जान चली गई। लेकिन उन्होंने सड़कछाप हेकड़ी दिखाने का रास्ता चुना और वरिष्ठ चिकित्सक को नीचा दिखाया। चिकित्सक की शिकायत पर पाटिल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने भी इस मामले में मुख्यमंत्री शिंदे से सांसद के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। सांसद के आचरण के कारण अस्पताल में व्यवस्थागत मुद्दा पीछे छूट गया। यह बात अकेले सांसद हेमंत की नहीं है। पिछले दिनों संसद में भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी की बसपा के सांसद के खिलाफ बहुत ही आपत्तिजनक टिप्पणियों को लोकसभा की कार्यवाही से निकालना पड़ा था। संसदीय जीवन की सर्वोच्च परम्परा को बनाए रखने के लिए सांसदों से सदन के अंदर और बाहर दोनों ही जगह सम्मानपूर्ण आचरण की अपेक्षा की जाती है। सांसदों का व्यवहार तो ऐसा होना चाहिए, जिससे संसद की गरिमा बढ़े और आम लोगों पर उसका सकारात्मक असर हो। लेकिन हमारी संसद में ऐसे सांसदों की फेहरिस्त लंबी होती जा रही है, जिनका व्यवहार सवालों के घेरे मेंहोता है। पिछले दिनों आई एडीआर की रपट इसका जीता-जागता उदाहरण है। क्या ऐसा सांसद अपने मतदाताओं की उम्मीदों पर खरा उतर सकता है, जिसका व्यवहार ही उनके प्रति सम्मानजनक न हो। संसद सदस्य जैसे प्रतिष्ठित पद पर बैठे व्यक्ति की जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने और संसदीय शासन व्यवस्था में उनके विश्वास को मजबूत करने की महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है। यदि इन मानकों का पालन नहीं होता है तो यह लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं कहा जा सकता। चारित्रिक नैतिकता, उत्तरदायित्व और औचित्यपूर्ण आचरण किसी भी जनप्रतिनिधि के व्यक्तित्व को निखारने का काम करता है, उस पर जनता का भरोसा बढ़ाता है। जनप्रतिनिधियों के आचरण का स्तर जिस प्रकार गिरता जा रहा है, उससे तो जनता का भरोसा लोकतंत्र से उठता जाएगा। द्योगिकी संस्थान, रुड़की और भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलुरू के शोधार्थियों ने पाया है कि ये झीलें मुख्यतः सुदूर और पर्वतीय घाटियों में स्थित हैं लेकिन दूरगामी जीएलओएफ निचले बहाव क्षेत्र में 10 किलोमीटर तक जान और माल का नुकसान कर सकती हैं।

भाजपा में पुराने नेताओं को राजनीतिक रूप से निबटाने का बड़ा खेल चल रहा है

रमेश सर्राफ धमोरा

कभी चाल, चरित्र व चेहरा की बात करने वाली भाजपा में अब बड़े बदलाव की बयार चल रही है। इन दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक नई भाजपा बन रही है। पार्टी के सभी पुराने छत्रपों को एक-एक कर किनारे लगाया जा रहा है। प्रदेशों में भाजपा के बड़े नेताओं को सक्रिय राजनीति से दूर कर घर बैठा दिया गया है। जो थोड़े बहुत पुराने नेता अभी सक्रिय हैं उनको भी अगले लोकसभा चुनाव तक राजनीति से आउट कर दिया जाएगा।

2014 में जब नरेंद्र मोदी पहली बार देश के प्रधानमंत्री बने थे। तब पार्टी में बड़ी संख्या में बुजुर्ग नेताओं का दबदबा कायम था। लाल कृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, सुषमा स्वराज जैसे बड़े नेताओं की पार्टी में तूती बोलती थी। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद सबसे पहले लाल कृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी जैसे बड़े नेताओं को सक्रिय राजनीति से दूर किया गया था। उसके बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में भी बड़ी संख्या में पुराने नेताओं के टिकट काटकर उनके स्थान पर नए लोगों को आगे लाया गया था। कई प्रदेशों के विधानसभा चुनाव में भी वर्षों से जमे वरिष्ठ नेताओं को दरकिनार कर नए लोगों को मुख्यमंत्री बनाया गया। अब ऐसा लगता है कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा पूरी तरह से बदल जाएगी। पार्टी नेतृत्व में ऐसे लोगों की बहुलता होगी जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना नेता मानते हैं। कभी भाजपा में संगठन का बहुत महत्व होता था। संगठन से जुड़े लोगों को ही राजनीति में आगे बढ़ने का अवसर मिलता था। मगर अब स्थिति उसके एकदम उलट हो गई है। आज पार्टी में संगठन का महत्व पहले की तुलना में कम हो गया है। भाजपा का अब एक ही ध्येय रह गया है कि जिताऊ प्रत्याशी को मैदान में उतार जाए। दूसरे दलों से आने वालों को पार्टी में महत्व मिल रहा है। इससे पार्टी के मूल कार्यकर्ता खुद को उपेक्षित महसूस करने लगे हैं।

देश के पूर्वोत्तर में स्थित असम, त्रिपुरा, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री के पदों पर पार्टी ने दूसरे दलों से आए नेताओं को बैठा रखा है। हालांकि राजनीति के बदलते दौर में सभी दलों की यही स्थिति है। मगर भाजपा में ऐसा खेल कुछ ज्यादा ही चल रहा है। पंजाब में कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए सुनील कुमार जाखड़ को तुरंत ही प्रदेश अध्यक्ष बना दिया गया है। वहीं झारखंड में बाबूलाल मरांडी को विधायक दल का नेता बना दिया गया है। हालांकि बाबूलाल मरांडी मूलतः भाजपा से ही जुड़े रहे थे। मगर पिछले कई वर्षों से वह भाजपा विरोध की राजनीति करते थे। यही स्थिति पश्चिम बंगाल में है। पहले कांग्रेस फिर तृणमूल कांग्रेस की राजनीति करने वाले शुभेंदु अधिकारी वहां पार्टी के मुख्य चेहरे व विधायक दल के नेता हैं।

कर्नाटक में भाजपा ने कांग्रेस व जनता दल एस की राजनीति कर चुके बसवराज बोम्मई को मुख्यमंत्री बनाया था। जिनके शासन ने वहां भ्रष्टाचार के पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। कर्नाटक में भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार सहित कई वरिष्ठ नेताओं के टिकट काटे थे। जिससे नाराज होकर कई नेताओं ने पार्टी से बगावत कर चुनाव लड़ा। फलस्वरूप भाजपा को वहां अपनी सरकार तो गंवानी ही पड़ी साथ ही पार्टी विधानसभा में 66 सीटों पर सिमट कर रह गई। कर्नाटक में पहले बीएस येदयुरप्पा के नेतृत्व में भाजपा की सरकार चल रही थी। मगर उन्हें हटाकर दूसरे दल से आए बसवराज बोम्मई को मुख्यमंत्री बनाने का खामियाजा भाजपा को सत्ता गंवा कर चुकाना पड़ा। आज कर्नाटक में भाजपा हाशिये पर पहुंच गई है। इसी तरह महाराष्ट्र में शिवसेना को सत्ता से हटाने के लिए भाजपा ने जो हथकंडे अपनाये हैं उसका खामियाजा उन्हें आगे आने वाले चुनाव में उठाना पड़ेगा। महाराष्ट्र में शिवसेना को तोड़कर भाजपा ने सरकार तो बना ली मगर वहां मुख्यमंत्री शिवसेना के बागी नेता एकनाथ शिंदे को बनाकर अपने ही पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को तगड़ा झटका दिया है। फिर से मुख्यमंत्री बनने का सपना देख रहे फडणवीस को उपमुख्यमंत्री बनाकर पार्टी ने उनका कद कम कर दिया है। रही सही कसर वहां अजीत पवार को भी गठबंधन में शामिल करने से पूरी हो गई है। भाजपा के जो विधायक मंत्री बनने का सपना देख रहे थे। गठबंधन बनने से अब उनका सपना कभी पूरा नहीं होगा। अगले लोकसभा व विधानसभा चुनाव में भाजपा कर्नाटक की तरह महाराष्ट्र में भी बहुत कमजोर हो जाएगी। कांग्रेस से भाजपा में आए असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा अपनी आक्रामक शैली को लेकर भाजपा नेताओं के बहुत प्रिय हो रहे हैं। मगर जिस तरह से वह भाजपा का कांग्रेसीकरण कर रहे हैं। उससे असम भाजपा के पुराने नेताओं में गहरी नाराजगी व्याप्त हो रही है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री राजेन गोहेन ने नगांव लोकसभा क्षेत्र के परिसीमन के विरोध में असम खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। जिसका उन्होंने चार बार प्रतिनिधित्व किया है। असम भाजपा में पुराने नेताओं और हाल ही में दूसरी राजनीतिक पार्टियों से शामिल हुए नेताओं के बीच खींचतान तेज हो गई है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री राजेन गोहेन, असम भाजपा के पूर्व अध्यक्ष और विधायक सिद्धार्थ भट्टाचार्य, पूर्व विधायक अशोक सरमा और मोरीगांव के विधायक रमाकांत देवरी ने भाजपा छोड़ने की धमकी दी है। राज्य में पार्टी के नए और पुराने कार्यकताओं के बीच मतभेद के कारण असम भाजपा एक गंभीर संकट का सामना कर रही है। काफी दिनों से भाजपा के पुराने कार्यकर्ता और पार्टी के वफादार आरोप लगाते रहे हैं कि नए कार्यकर्ता और जो अन्य दल छोड़कर भाजपा में शामिल हुए हैं। वे पार्टी पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं और पुराने कार्यकताओं को उचित सम्मान नहीं दे रहे हैं। मध्य प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, राजस्थान में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया, कैलाश मेघवाल, देवीसिंह भाटी, त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री विप्लव कुमार देव, पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद मेनका गांधी, महाराष्ट्र में पंकजा मुंडे, हरियाणा में पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी वीरेंद्र सिंह, दिल्ली में पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल जैसे कई प्रभावशाली नेता पार्टी में लगातार हो रही अपने उपेक्षा से नाराज हैं। मध्य प्रदेश में उमा भारती ने तो खुलेआम ऐलान कर दिया है कि वह अभी राजनीति में पूरी तरह से सक्रिय रहेंगी तथा अगला चुनाव भी लड़ेंगी।

आओ साहित्य में ऐसी धार लगाऐं कि नोबेल पुरस्कार को चलकर भारत आना पड़े

एडवोकेट किशन भावनानीं

वैश्विक स्तर पर यह सर्वविदित है कि भारत आदि अनादि काल से संस्कृत,साहित्य आध्यात्मिकता का गढ़ रहा है, जो हम हमें हमारे हजारों वर्षों पूर्व के इतिहास में भी देखा जा सकता है। पारंपरिक कलाओं में तो भारत को महारत हासिल है, इसीलिए ही भारतीय,भारतीय मूल, निवासी, अनिवासी अपनी अभूतपूर्व बौद्धिक क्षमता का प्रतीक माने जाते हैं, यही कारण है कि वैश्विक स्तरपर मुख्य पदों पर अधिकतम मूल भारतीय ही दिखते हैं। परंतु मेरा मानना है के यह गहराई से सोचनीय विषय है कि दुनियां में अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कारों से हम वंचित क्यों रहे हैं,जोअनेक क्षेत्रों में दिए जाते हैं, जिनमें से एक नोबेल पुरस्कार भी है जिसमें विजेताओं की घोषणा करने का क्रम 2 से 9अक्टूबर 2023 तक शुरू है, जिसमें मेडिसिन भौतिक रसायन और आज दिनांक 5 अक्टूबर 2023 को देर शाम साहित्य, जो हम सब साहित्यकारों का विषय है, के नोबेल पुरस्कार की घोषणा की गई जिसमें नार्वे के 64 वर्षीय लेखक जॉन फैंस को के नाम की घोषणा की गई है, क्योंकि कमेटी ने माना है कि उन्होंने नाटकों और कहानियों से उन लोगों कोआवाज दी है जो अपनी बात कहने में सक्षम नहीं थे,उन्होंने ड्रामा के जरिए उन इंसानों की भावनाओं को जाहिर किया है जो आमतौर पर जाहिर नहीं कर सकते,जिन्हें समाज में तब्बू समझा जाता है। उन्होंने पहले ही उपन्यास रेड एंड स्लेक में आत्महत्या जैसे गहरे संवेदनशील मुद्दे पर लिखा।उनकी मशहूर किताबों में पतझड़ का सपना भी शामिल है।वे नॉर्वे के चौथे साहित्यकार हैं जिन्हें नोबेल पुरस्कार प्राप्त हुआ है हालांकि इन्हें वर्ष 1928 से लंबी गैप के बाद 2023 में यह पुरस्कार प्राप्त हुआ है। बता दें साहित्य में अब तक 120 लोगों को नोबेल पुरस्कार दिया गया है जिसमें महिलाएं केवल 17 हैं,जिनके लिए नोबेल कमेटी की काफी आलोचना भी हुई है। बता दें नोबेल पुरस्कार 6 क्षेत्र मेडिसिन भौतिक रसायन साहित्य शांति और आर्थिक क्षेत्र में दिए जाते हैं। प्रत्येक क्षेत्र के विजेता को 8.33 करोड रुपए, नगद प्रमाण पत्र और गोल्ड मेडल दिया जाता है। यह पुरस्कार वैश्विक स्तर पर एक बहुत ही उच्च स्तर का प्रतिष्ठित पुरस्कार है जो अभी तक भारत को केवल 10 क्षेत्रों में ही पुरस्कार मिले हैं।सबसे ज्यादा नोबेल पुरस्कार जीतने वाले, फरवरी 2021 तक आर्थिक विज्ञान में पुरस्कार सहित 603 बार पुरस्कार दिए जा चुके हैं. कुल 962 व्यक्तियों और 28 संगठनों को यह पुरस्कार मिला है. व्यक्तिगत रूप से सबसे ज्यादा नोबेल पुरस्कार जीतने वालों में क्यूरी फैमिली का नाम आता है। वहीं देश की बात करें तो संयुक्त राज्य अमेरिका 368 के साथ पहले नंबर पर, यूके 132 के साथ दूसरे नंबर पर और जर्मनी 107 के साथ तीससरे नंबर पर है। भारत साहित्य क्षेत्र में पूर्वजों से ही महारत हासिल है, फिर भी हम इस क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार हासिल नहीं कर सके हैं अभी 2023 का साहित्य नोबेल पुरस्कार भी नॉर्वे को गया है। हालांकि कई वर्षों से भारतीय मूल के ब्रिटिश निवासी प्रसिद्ध लेखक सलमान रश्मि को मिलने की संभावना व्यक्ति की जा रहीथी इसलिए, आओ साहित्य में ऐसी धार लगाऐं कि नोबेल पुरस्कार को चलकर भारत आना पड़े।इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, आओ अपनीं लेखन शैली कहानियों के जरिए उन इंसानी भावनाओं को जाहिर करें जो अपनी बात को उचित फोरम पर करने में समर्थ नहीं है।

साथियों बात अगर हम साहित्य का नोबेल पुरस्कार विजेता नार्वे के जॉन फॉसे को जानने की करें तो, 29 सितबंर, 1959 को जन्में फॉसे को नार्वे के सबसे प्रसिद्ध नाटककारों में गिना जाता है। उन्होंने लगभग 40 नाटकों के साथ कई उपन्यास, लघु कथाएं, बच्चों की किताबें, कविता और निबंध भी लिखे हैं।वे नॉर्वेजियन भाषा के लिखित मानक नाइनोर्स्क लिपि में लिखते हैं।

दुनिया भर की 40 से अधिक भाषाओं में उनकी कृतियों का अनुवाद हुआ है।उनका पहला उपन्यास राउड्ट, स्वार्ट साल 1983 में प्रकाशित हुआ था। फॉसे बोले- पुरस्कार पाकर अभिभूत हूं। कहा, मैंने पिछले एक दशक से खुद को सावधानी पूर्वक मानसिक रूप से तैयार किया है कि ऐसा हो सकता है। जब फोन आया तो बहुत खुशी हुई। पुरस्कार पाकर मैं अभिभूत और कुछ हद तक भयभीत' भी हूं।नॉर्वे के पीएम ने कहा,एक अद्वितीय लेखक की एक बड़ी मान्यता, जो दुनियाभर के लोगों पर प्रभाव डालती है। पूरा नॉर्वे बधाई देता है और आज गर्व महसूस कर रहा है। नोबेल पुरस्कार के आधिकारिक पेज के मुताबिक नोबेल पुरस्कार विजेता जॉन फॉसे को एक नाटककार के रूपमें सफलता 1999 मेंउनके नाटक नोकोन केजेम टिल आ कोमे के बनने के साथ मिली। वह आज दुनिया में सबसे अधिक प्रदर्शन किए जाने वाले नाटककारों में से एक हैं।उनके कलेक्शन में नाटक,उपन्यास कविता, निबंध, बच्चों की किताबें और अनुवाद शामिल हैं. जॉन फॉसे का जन्म नॉर्वे के हौगेसुंड में हुआ था जॉन फॉसे की टार्जेई वेसास के साथ समानताजॉन फॉसे और नॉर्वेजियन नाइनोर्स्क साहित्य के भीष्म पितामह कहे जाने वाले टार्जेई वेसास के साथ बहुत कुछ समानता है। फॉसे आधुनिकतावादी कलात्मक तकनीकों के साथ भाषाई और भौगोलिक दोनों तरह के मजबूत स्थानीय संबंधों को जोड़ते हैं।उन्होंने अपने वॉल्वरवांड शाफ्टन में सैमुअल बेकेट,थॉमस बर्नहार्ड और जॉर्ज ट्राकल जैसे नाम शामिल किए हैं। वहीं, वे अपने पूर्ववर्तियों के नकारात्मक दृष्टिकोण को साझा करते हैं, उनकी विशेष ज्ञानवादी दृष्टि को दुनिया की शून्यवादी अवमानना के परिणाम के रूप में नहीं कहा जा सकता है।

साथियों बात अगर हम नोबेल पुरस्कार 2023 विजेता की लेखनी की करें तो, उनकी लेखनी में भावनाओं का जिक्र उन्होंने उपन्यासों को एक ऐसी शैली में लिखा हैजिसे फॉसे मिनिमलिज्मह्व के नाम से जाना जाता है। इसे उनके दूसरे उपन्यास स्टेंग्ड गिटार (1985) में देखा जा सकता है। वे अपनी लेखनी में उन कष्टप्रद भावनाओं को शब्दों में जिक्र करते हैं, जिसे सामान्य तौर पर लिखना मुश्किल होता है। स्टेंग्ड गिटार में उन्होंने लिखा कि एक नौजवान मां कूड़ा कचरा नीचे फेंकने के लिए अपने फ्लैट से बाहर निकलती है, लेकिन खुद को बाहर बंद कर लेती है, जबकि उसका बच्चा अभी भी अंदर है। उसे जाकर मदद मांगनी है, लेकिन वह ऐसा करने में असमर्थ है क्योंकि वह अपने बच्चे को छोड़ नहीं सकती। ऐसा कहा जाता है कि फॉसे उन्हें आवाज देते हैं, जिन्हें व्यक्त नहीं किया जा सकता। उनके नाटकों में काफी इनोवेशन होता है, जिसे काफी पसंद भी किया जाता है। यही वजह है कि इस अवॉर्ड के लिए इस साल उन्हें चुना गया है।

नए भारत में जनसंख्यकिय संरचना में बहुसंख्यक आबादी मध्यम वर्ग की होगी

वैश्विक स्तरपर भारत जिस तरह विकास की बुलंदियों के नए-नए आयाम गढ़ रहा है वैसे-वैसे इसका रिजल्ट व दूरदर्शी संभावनाएं आना शुरू हो गई है। कुछ दिन पूर्व संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि पिछले 15 वर्षों में भारत में 37.5 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आ गए हैं। वहीं भारतीय नीति आयोग के रिपोर्ट में भी आया के पिछले 5 वर्षों में 13.5 करोड लोग गरीबी रेखा के ऊपर आए हैं जिसका उल्लेख पिछले कुछ दिनों से माननीय पीएम महोदय अपने हर संबोधन में करते हैं और इस रिजल्ट को गरीबी अनुकूल नीतियों रणनीतियों को तेजी से लागू करने का कारण बताते हैं, इसमें मध्यम वर्ग की जनसंख्या के ढांचे में बेतहाशा वृद्धि हो जाएगी क्योंकि गरीबी रेखा से आया वह वर्ग अब नए मध्यम वर्ग के माध्यम से इस मध्यम वर्ग में जुड़ जाएंगे और भारत में सबसे बड़ा वर्ग मध्यम वर्ग हो जाएगा। अभी हाल ही में प्रकाशित द राइस ऑफ इंडियन मिडल क्लास शीर्षक नाम से प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार भारत की आजादी को 100 वर्ष पूर्ण होने पर 2047 में देश में 100 करोड़ से अधिक लोग मध्यम वर्ग में शामिल हो जाएंगे। मध्यम वर्ग की आबादी 2004-05 में जहां 30 प्रतिशत गरीब परिवार हुआ करते थे उनकी आबादी 2030 तक 6 प्रतिशत के नीचे आ जाएगी और 2047 तक मात्र 2 प्रतिशत के भी नीचे चली जाएगी और मध्यम वर्ग की आबादी 2004-05 के 14 प्रतिशत से बढ़कर 2030 तक 46 प्रतिशत तक हो जाएगी और 2047 तक यह आबादी 63 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद हैऐसा रिपोर्ट में कहा गया है जिसे जी-20 के शेरिफ द्वारा जारी किया गया था। मेरा मानना है कि जिस प्रकार अभी 13.5 करोड लोग या संयुक्त राष्ट्र के अनुसार 37.5 करोड लोग गरीबी रेखा के ऊपर आए हैं तो उन्हें अब कलमबद्ध करना जरूरी हो गया है, उनका रिकॉर्ड अब गरीबी रेखा से मध्यम वर्ग में तब्दील करना जरूरी हो गया है, ताकि उनको मिलने वाली शासकीय सुविधा, आरक्षण, शासकीय सहायता, हित अब उनसे नीचे वास्तविक गरीबों को मिले ताकि वह भी तेजी से मध्यम वर्ग में आए। मेरे सुझाव को शासकीय प्रशासकीय व माननीय पीएम द्वारा रेखांकित करना समय की मांग है, क्योंकि अब भारत की आबादी अधिकतम मध्यम वर्गीय होने की ओर अग्रसर हो रही है जो 2030 तक 40 प्रतिशत और 2047 तक 63 प्रतिशत होगी। अब सरकारों को मध्यम वर्गीय को अधिक ध्यान में रखना होगा क्योंकि सत्ता की चाबी इन्हीं 63 प्रतिशत मध्यम वर्गीय परिवारों से होकर ही गुजरेगी, जिसे रेखांकित करते हुए लोकसभा चुनाव 2024 में मध्यम वर्ग के परिवारों को नजरंदास करने की भूल शायद ही कोई राजनीतिक दल करेगा? परंतु अब गरीबी रेखा से ऊपर उठ चुके 37.5 करोड लोगों को शासकीय सुविधा से वंचित करना समय की मांग है क्योंकि अब 80 करोड़ नागरिकों को फ्री राशन सेवा पर प्रश्न चिन्ह लग गया है जिसे अब जनता रेखांकित कर रही है? और चुनाव में इसका जवाब मताधिकार का प्रयोग करके देने का मन बना लिया है? इसीलिए शीघ्रता से इन 37.5 या 13.5 करोड़ को मध्यम वर्गीय में हस्तांतरित कर शासकीय सुविधाओं पर बैन लगाना समय की मांग है। चूंकि पीएम ने बी-20 शिखर सम्मेलन में गरीबी रेखा से मध्यम वर्गीय क्रम में पहुंचने की वजनदार बात कही है इसलिए शासन प्रशासन को पीएम के इन शब्दों को ध्यान देना बहुत जरूरी है, ध्यान देकर, अमल कर रिकॉर्ड चेंज करना समय की मांग है। इस विषय पर मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से हम चर्चा करेंगे,नए भारत में बहुसंख्यक आबादी मध्यम वर्ग की होगी, हमनें गरीबी को पीछे छोड़े हैं, आओअब शासकीय सुविधाएं छोड़ें।

साथियों बात अगर हम इस दशक के अंत तक आबादी की संरचना बदलने की संभावना की करें तो, रिपोर्ट के अनुसार कुल क्रय शक्ति में बढ़ोतरी से भारत दुनियां के सबसे बड़े बाजारों में शुमार हो जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है, इस दशक के अंत तक देश की आबादी की संरचना बदल जाएगी। देश की आबादी की नई संरचना कुछ इस तरह होगी कि निम्न आय वर्ग मध्य वर्ग का हिस्सा बन जाएगा। इस तरह, एक ऐसा ढांचा खड़ा होगा जिसमें सबसे नीचे कमजोर आय वर्ग के लोग रहेंगे और बीच में मध्य वर्ग की भारी भरकम मौजूदगी होगी। सबसे ऊपर धनाढ्य लोगों का एक बड़ा समूह होगा। मध्य वर्ग पर पड़ने वाले असर पर रिपोर्ट में कहा गया है कि धनी लोगों में पूर्ण आय से अधिक रह सकती है, मगर मध्य वर्ग की बढ़ती आबादी भारतीय अर्थव्यवस्था को तेजी देनेवाला एक प्रमुख घटक बनजाएगा वर्ष 2047 तक मध्यम वर्ग का आकार बढ़कर 1.02 अरब तक पहुंच जाएगा। वर्ष 2047 तक भारत की अनुमानित कुल आबादी 1.66 अरब में मध्यम वर्ग का आकार बढ़कर 1.02 अरब तक पहुंच जाएगा। वर्ष 2020-21 में तब देश की कुल आबादी में मध्य वर्ग का हिस्सा 43.2 करोड़ था। हालांकि, इसे लेकर कोई सार्वभौम परिभाषा नहीं है कि कौन मध्य वर्ग में आते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए प्राइस ने 2020-21 की कीमतों के आधार पर सालाना 1.09 लाख से 6.46 लाख रुपये अर्जित करने वाले लोगों को भारतीय मध्य वर्ग के रूप में परिभाषित किया है। पारिवारिक आय के आधार पर यह आंकड़ा सालाना 5 लाख रुपये से 30 लाख रुपये तक माना गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार अगर देश की आर्थिक वृद्धि दर अगले ढाई दशकों के दौरान 6 से 7 प्रतिशत के बीच बनी रही तो देश में मध्य वर्ग का आकार 2020-21 के 31 प्रतिशत से बढ़कर 2046-47 में 61 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा। भारत की उपभोक्ता अर्थव्यवस्था एवं नागरिक हालात से संबद्ध गैर-लाभकारी संस्था ह्यप्राइसह्व की जारी एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। द राइज ऑफ इंडियाज मिड्ल क्लास शीर्षक नाम से प्रकाशित रिपोर्ट प्राइस द्वारा जुटाए गए आंकड़ों पर आधारित है। प्राइस ने आईसीई के 360 के जरिये पूरे देश में सर्वेक्षण कर ये आंकड़े जुटाए हैं। यह नवीनतम रिपोर्ट देश के 25 राज्यों के 40, हजार परिवारों की प्रतिक्रिया पर आधारित हैं।

साथियों बात अगर हम वर्तमान समय में निम्न और अधिक आय वाले परिवारों में भारी अंतर की करें तो, रिपोर्ट के अनुसार निम्न आय वर्ग वाले परिवारों और अधिक आर्थिक संसाधन वालों परिवारों में भारी अंतर है। रिपोर्ट के अनुसार 2020-21 में भारत में परिवारों की औसत आय 5.43 लाख रुपये थी। इसकी तुलना में अति पिछड़े एवं आर्थिक तरक्की की चाह रखने वाले लोगों की आय क्रमशः सातवां एवं आधा था। एक गरीब परिवार की आय की तुलना में मध्यम वर्ग और धनी परिवार क्रमशः 13 गुना और 50 गुना अधिक कमाते हैं। सालाना 2 करोड़ रुपये से अधिक कमाने वाले परिवारों की संख्या 2016 से 2021 के बीच बढ़कर दोगुना हुई।

मोदी सरकार में व्यवस्था का चौथा खम्भा खतरे में, पत्रकारिता और पत्रकार दोनों पर हो रहे हमले शर्मनाक " : डा.राजेश मिश्र (पूर्व सांसद)

प्रखर वाराणसी। देश के कई वरिष्ठ पत्रकारों और इंडिया गठबंधन से जुड़े नेताओ के खिलाफ जांच एजेंसियों की कार्रवाई के विरोध में गुरुवार को लहुराबीर आजाद पार्क से मलदहिया स्थित सरदार पटेल की मूर्ति तक प्रतिरोध मार्च निकालकर विरोध जताया गया।बनारस के नागरिक समाज की पहल पर इंडिया गठबंधन से जुड़े लगभग सभी राजनैतिक दलों समेत जनसंगठनो के लोग बनारस में आज लामबंद हुए।

अरविंद सिंह (पूर्व एम एल सी) ने कहा कि भारत में आज प्रजातंत्र की हत्या हो रही है। जैसे-जैसे 2024 आ रहा है भाजपा के नेता डर रहे हैं। जो स्वतंत्र और निडर पत्रकार हैं, उनके खिलाफ दमनात्मक कार्रवाई की जा रही है। यह एक तरीके से अघोषित आपातकाल जैसा है। कांग्रेस प्रवक्ता संजीव सिंह ने कहा कि गजानन माधव मुक्तिबोध ने लिखा था- अब अभिव्यक्ति के सारे खतरे उठाने ही होंगे, तोड़ने होंगे मठ और गढ़ सब। तो अभिव्यक्ति के क्या खतरे उठाने होंगे, यह बीजेपी सरकार के कुकृत्यों से सीखना होगा हमे। न्यूज-क्लिक से जुड़े कई पत्रकारों, लेखकों की गिरफ्तारी, सीताराम येचुरी जी के यंहा छापे और सांसद संजय सिंह जी की गिरफ्तारी ने मोदी सरकार की नीयत को साफ बता दिया है।प्रतिरोध मार्च में अभिव्यक्ति के आजादी के समर्थन में नारे लगाए गए। मीडिया से जुड़े लोगों से मुखातिब होते हुए वरिष्ठ समाजवादी बुद्धिजीवी समाजवादी चिंतक कुंवर सुरेश सिंह ने कहा कि पत्रकारों को नागरिकों के साथ कंधा से कंधा मिलाकर मोदी सरकार द्वारा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर लगातार किये जा रहे हमलों के खिलाफ राष्ट्रव्यापी आवाज बुलंद करनी होगी। इलेक्टोरल बॉन्ड के सहारे पूंजीपतियों से पैसे लिए जा रहे है। पीएम केयर फंड का संग्रह सार्वजनिक नही है। सरकार के काम और बीजेपी का प्रचार कार्यक्रम आपस मे गड्डमड्ड हो गया है। पूंजीपतियों को संरक्षण देने के काम मे मीडिया जगत के ये लोग लगातार सवाल उठा रहे हैं। जनता को जागरूक कर रहे हैं। और मोदी जी की सरकार जनता के जागरूक होने से ही डर रही है। इसीलिए ये सारी कवायद है। सपा नेता अतहर जमाल लारी ने कहा- देश की जनता डेंगू वायरल बुखार से तप रही है। अस्पतालों में हाहाकार मचा हुआ है। मोदी सरकार अपना पीठ ठोंक रही है। पढाई लिखाई को आरएसएस के जिम्मे देकर संस्कृति सभ्यता का मंत्र पढा जा रहा है स्कूल कॉलेजों में। रोजगार के आंकड़े धराशाई है। स्किल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत का नारा अब सुनाई नही दे रहा है। पढाई दवाई कमाई सब चौपट है। इन सबके बीच अडाणी जी को कमाने की खुली छूट दिए रहना है।प्रतिवाद मार्च में प्रमुख रूप से डा.ए.एन सिंह,अब्दुल्लाह खान, राकेश पाठक, प्रहलाद तिवारी, डा. रवीन्द्रनाथ द्विवेदी, वरूण सिंह बिसेन, दयाशंकर पाण्डेय, मो. सईद, नन्हे खान, निर्भय यादव, विश्वजीत सिंह बृजमोहन, धनंजय त्रिपाठी, प्रतीक शर्मा, डा. आरिफ, पारस यादव, आकिब खान, विनोद जायसवाल, बबलू मौर्य, अमीन भाई ,शैलेश श्रीवास्तव, आफताब आलम के साथ सैकड़ो की संख्या में लोग शामिल रहे।

मिलेट्स महोत्सव रोड शो को हरी झंडी दिखाकर जिलाधिकारी ने किया श्री अन्न का प्रमोशन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शुक्रवार को कृषि विभाग द्वारा जनपद स्तरीय मिलेट्स महोत्सव एवं रोड-शो का आयोजन स्थान राईफल क्लब से मुख्य अतिथि जिलाधिकारी आर्यका अखौरी द्वारा झण्डा दिखाकर शुभारम्भ किया गया। जिलाधिकारी ने श्री अन्न के उत्पादन पर जोर दिया

तथा बताया कि श्री अन्न मे आवश्यक खनिज व पोषक तत्व मौजूद होते है, जो कुपोषण को दूर करता है, इसकी खेती बिना रासायनिक उर्वरक के भी सुगमता पूर्वक की जाती है। जनपद में 16000 हेक्टेयर मे बाजरा का उत्पादन किया जाता है। जिलाधिकारी द्वारा बताया गया कि पूरे विश्व में मिलेट्स ईयर मनाया जा रहा है। मिलेट्स का मुख्य उत्पादक देश भारत है। प्रधानमंत्री मोदी जी का सपना है कि इस महत्वपूर्ण अनाज का प्रचार-प्रसार पूरे विश्व में किया जाए इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य श्री अन्न का उत्पादन बढाना तथा भोज्य पदार्थों में शामिल किया जाय। मोटे अनाज सेहत के लिए बेहद उपयोगी है, फाईबर व खनिज प्रचुर मात्रा में पाये जाते है, गत वर्ष जनपद मे बाजरा खरीद हेतु दो क्रय केन्द्र करण्डा एवं मुहम्मदाबाद में खोला गया है जहाँ पर किसान 2500.00 रू0 प्रति कु० पर बिक्री की गयी। उक्त रोड-शो मे बाल विकास परियोजनाओं की महिलाओ, पी०जी० कालेज गाजीपुर के छात्रो एवं सुसुण्डी कृषक फार्मर प्रोड्यूसर से बड़ी संख्या में महिलाओ द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर उप कृषि निदेशक ने बताया कि जनपद में रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग मानक से अधिक हो रहा है, जिसका दुष्प्रभाव मृदा एवं मानव स्वास्थ्य पर पड रहा है, जिसको कम कर जैविक खेती अपनाने पर जोर दिया जाय। श्री अन्न बिना रासायनिक उर्वरक के भी उगाया जा सकता है। उक्त रोड-शो राईफल क्लब से रौजा, मिरनपुर , सैनिक चौराहा, हेतिमपुर, पी०जी० कालेज गाजीपुर होते हुये विकास भवन गाजीपुर पर समाप्त हुआ।

पुत्र की दिघार्यु के लिए माताओं ने रखा ज्युतपुत्रिका व्रत

प्रखर पराऊगंज जौनपुर। क्षेत्र के छातीडीह गाँव में स्थित छतेवलडीह बाबा तालाब के किनारे गाँव व आसपास के क्षेत्र की महिलाएं अपने पुत्र की लम्बी उम्र के लिए ज्युतपुत्रिका व्रत रखते हुए पूजन अर्चन किया वही गांव की एक दर्जन महिला उक्त पूजन में एक साथ गोला बनाकर गोट में बैठकर एक साथ पूजा करती है । इसी तरह से महिलाएं अलग अलग कई गोट बनाकर समूह के साथ पूजा करती है । इस व्रत में महिलाएं निर्जल रहकर ही पूजा करती है और आपस में माताजी से सम्बंधित तरह तरह की कहानियां सुनाती है । और पूजा समाप्ति के बाद महिलाएं हाथ में मिट्टी का जलता दीपक लेकर रास्ते में चना गिराते हुए घर जाती है । इस व्रत व पूजा के कारण एक दिन पहले से ही बाजारों में फल फूल तथा मिष्ठान्नों की दुकान सज जाती है । और दुकानों पर इतना भीड़ हो जाता है कि फल व मिठाई लेने के लिए लाईन में खड़ा होना पड़ता है

। पुत्र की दीघार्यु के लिए माताओं का सबसे महत्वपूर्ण व्रत तथा पूजा का नाम ज्युतपुत्रिका व्रत है । शुभ अवसर पर श्रीमती सरोज देवी, दमयंती देवी, सुमन मिश्र बंदना देवी पिहू रुही राघव आरोही मुस्कान रुची समेत तमाम महिलाएं उपस्थित रही।

पटना में हिन्दू जनजागृति समिति द्वारा जिलाधिकारी को निवेदन !

सनातन धर्म पर अत्यंत आक्षेपजनक वक्तव्य करने वाले मंत्री उदयनिधि स्टालिन, मंत्री प्रियांक खडगे तथा सांसद ए. राजा इन्हें तत्काल गिरफ्तार करके उनका मंत्रीपद छीन लिया जाए ! - हिन्दू जनजागृति समिति

प्रखर पटना। तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन, कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खडगे और सांसद ए. राजा इन्होंने सनातन धर्म पर आक्षेपजनक वक्तव्य कर समाज में धार्मिक तनाव एवं संघर्ष की स्थिति निर्माण की है । उन्होंने अपने आक्षेपजनक वक्तव्य के लिए क्षमा भी नहीं मांगी । वे अपनी बात पर दृढ हैं । इससे हिन्दू समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं तथा पूरे देश में रोष का वातावरण है । इसलिए इन तीनों पर हेटस्पीच के प्रकरण में अपराध प्रविष्ट कर उन्हे तत्काल गिरफ्तार किया जाए ऐसी मांग लेकर आज हिन्दू जनजागृति समिति द्वारा जिलाधिकारी को निवेदन दिया गया ।

हमारा देश धर्मनिरपेक्ष है लेकिन यहां बहुसंख्यक समाज के धर्म पर अत्यंत निचले स्तर की निंदा की जा रही है और इसे अभिव्यक्ति स्वतंत्रता के

रूप में देखा जा रहा है, यह दुर्भाग्यपूर्ण है । यदि उपरोक्त तीन आरोपियों पर अपराध प्रविष्ट कर उन्हें दंड नहीं दिया गया, तो देश की शांति, एकता और अखंडता संकट में पड जाएगी । देश में दंगे कराने का इन आरोपियों का उद्देश्य सफल होगा । इनके कारण स्थितियां नियंत्रण के बाहर चली गईं, तो इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी पुलिस और प्रशासन की होगी । इसलिए इनपर कठोरतम कार्रवाई की जाए, ऐसी मांग इस समय निवेदन द्वारा की गयी ।

इस समय की गयी अन्य मांगें :

1. तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन, कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खडगे, और सांसद ए. राजा इन सभी पर आपराधिक दंड संहिता 1973 की धारा 196 के अंतर्गत मुकदमा चलाया जाए । साथ ही उनपर भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 153(अ), 153(इ), 295(अ), 298, 505 तथा आय.टी. एक्ट के अंतर्गत अपराध तत्काल प्रविष्ट किए जाएं ।

2. ऐसे द्वेषमूलक वक्तव्य (हेट स्पीच) करनेवालों को किसी भी संवैधानिक पद पर रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है । उनका मंत्रीपद छीन लिया जाए तथा उन्हें विधानसभा और संसद से हटा दिया जाए ।

वैदिक विद्वानों ने किया जगतगुरु शंकराचार्य का अभिनंदन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। मूलाम्नाय सर्वज्ञपीठ कांची कामकोटि पीठाधिश्वर जगतगुरु शंकराचार्य श्री शंकर विजयेन्द्र सरस्वती जी महाराज ने गुरुवार कों काशी के वैदिक विद्वानों द्वारा आयोजित स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि वेदों के द्वारा ही संपूर्ण मानव जाति का कल्याण निहित है वेद ही भारतीय संस्कृति की प्राण शक्ति है ` कार्यक्रम संयोजक वैदिक विद्वान के वेंकटरमण घनपाठी ने बताया कि जगतगुरु शंकराचार्य के चातुर्मास्य व्रत संकल्प पूर्ण होने के पश्चात काशी में अनेक स्थानों पर जगद्गुरु शंकराचार्य का स्वागत कार्यक्रम किया जा रहा है इसी क्रम में गुरुवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के सदस्य वैदिक विद्वान के वेंकटरमण घनपाठी के हनुमान घाट स्थित आवास पर स्वागत समारोह का आयोजन किया गया ` जगतगुरु शंकराचार्य का स्वागत आर शिवकुमार शास्त्री एवं आर शंकर नारायण ने पूर्ण कुंभ देकर किया इस अवसर पर महिला भक्तो एस अन्नपूर्णी , अर्चना रमन, राधिका शंकर सहित अनेक श्रद्धालुओं ने जगतगुरु शंकराचार्य की आरती उतारी जय जय शंकर ,हर हर

शंकर के उद्घोष के साथ जगतगुरु शंकराचार्य का स्वागत किया गया। स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए जगतगुरु शंकराचार्य ने कहा की हमारे पूर्वजों द्वारा वेदों का संरक्षण होता आया है जिस परंपरा को हम सभी को वेदों का नियमित अध्ययन करके आगे बढ़ना चाहिए और आने वाली युवा पीढ़ी को भी अपनी संस्कृति और परंपराओं के प्रति प्रेरित करना चाहिए। जगतगुरु शंकराचार्य ने वैदिक विद्वान के वेंकटरमण घनपाठी को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास का सदस्य एवं महर्षि सांदीपनि वेद विद्या संस्थान में मानस सदस्य बनाने पर सरकार का आभार व्यक्त किया जगतगुरु शंकराचार्य को अंगवस्त्रम, स्मृति चिन्ह, फल फूल आदि भेंटकर सम्मानित किया गया जगतगुरु शंकराचार्य ने सभी भक्तों को प्रसाद देकर आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शहर दक्षिणी के विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी ,कांची मठ के प्रबंधक वीएस सुब्रमण्यम मणि, वी एस चंद्रशेखर, वैदिक विद्वान चंद्रशेखर घनपाठी ,चक्रवर्ती विजय नावड सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन के वेंकटरमण घनपाठी एवं धन्यवाद ज्ञापन आर शंकर नारायण ने किया।

एन एफ आई आर नई दिल्ली की डिमांड पर रेलवे बोर्ड ने सभी महाप्रबंधक से मांगा लेडीज कर्मचारियों की संख्या

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी । एन एफ आई आर नई दिल्ली की डिमांड पर रेलवे बोर्ड ने सभी महाप्रबंधक से लेडीज कर्मचारियों की संख्या मांगा है जिससे उचित स्थान पर पोस्ट किया जाये` महिला ट्रैक मेंटेनर व महिला लोको पायलटों को उनके अनुकूल विभाग के चयन हेतु उन्हे एक विकल्प देने के NFIR/PRKS की माँग को रेलवे बोर्ड(नई दिल्ली) ने स्वीकार करते हुए सभी जोन के महाप्रबंधक (का0) से - उनके जोन में कार्यरत महिला ट्रैक मेंटेनर्स और महिला लोको पायलटों की संख्या` महिला ट्रैक मेंटेनर्स या महिला रनिंग स्टाफ द्वारा विभाग परिवर्तन हेतु अभी तक के लंबित आवेदनों की संख्या` अविलंब उप्लब्ध कराने हेतु निर्देशित किया है,जिससे रेलवे बोर्ड संबंधीत मुद्दे पर यथाशीघ्र व उचित ऐक्शन ले सके।

श्रीमद भागवत कथा - द्वितीय दिवस जीवन की गांठे खोलती है भागवत की कथा : वैष्णवी भारती

प्रखर वाराणसी। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के तत्वावधान में नरिया, सुंदरपुर रोड स्थित रामनाथ चौधरी शोध संस्थान में चल रही साप्ताहिक श्रीमद भागवत कथा के दूसरे दिन कथा व्यास आशुतोष महाराज की शिष्या साध्वी सुश्री वैष्णवी भारती जी ने कहा कि भारतीय सनातन संस्कृति रिश्तों की अहमियत को

समझाती है, वह रिश्तों को जोड़े रखने में विश्वास रखती है। आज जिस तरह से परिवार में विघटन हो रहा है, लिव इन रिलेशन का चलन बढ़ रहा है, रिश्ते ऑनलाइन निभाये जा रहे है यह सब पाश्चात्य संस्कृति का बढ़ता प्रभाव ही है और इसका खामियाजा भी हमारे समाज को ही भुगतना पड़ रहा है। यह समाज को खोखला कर रहा है। आज जीवन सामाजिक पारिवारिक नही बल्कि सोशल मीडिया तक सीमित रह गया है जिसमे संवेदनाएं और भावनाएं समाप्त होती जा रही ग्स सिर्फ दिखावे के रिश्ते रह गए है। सब मित्रता सोशल मीडिया पर ही रह गयी है, जबकि मित्र बनाना है तो ईश्वर को अपना मित्र बनाये। भागवत वह कथा है जिसके माध्यम से जीवन की दिशा ठीक हो जाती है और जिसके जीवन की दिशा ठीक हो जाये तो उसके जीवन की दशा भी बदल जाती है। काशी की महिमा का वर्णन करते हुए साध्वी वैष्णवी भारती जी ने कहा कि काशी साधारण नगरी नही है, यह विश्वनाथ की प्रिय अविनाशी नगरी है। काशी में भागवत श्रवण करने का अलग ही महत्व है, जब पितृ पक्ष में भागवत कथा श्रवण करने का अवसर मिल जाये तो समझो पितरों की मुक्ति का मार्ग प्रशस्त हो जाता है। व्यासपीठ के पूजन से हुआ कथा का शुभारंभ दूसरे दिन की कथा का शुभारंभ समाजसेवी शान्ति देवी रूंगटा द्वारा व्यासपीठ के पूजन से हुआ। आरती मुख्य यजमान महेश चौधरी, कृष्णा चौधरी, अरविंद भालोटिया, अनीता भालोटिया, मीना अग्रवाल, आलोक बोरा, गणपत धानुका, किरण धानुका, सुरेश तुलस्यान, पीयूष अग्रवाल, तारा शर्मा, सविता पोद्दार, रश्मि लखानी आदि ने उतारी। संचालन स्वामी अर्जुनानंद ने किया।

बिटिया के असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयनित होने पर ग्रामीणों ने दी बधाई

प्रखर थानागद्दी जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र के बेहड़ा गांव के पुरवा रग्घुपुर निवासी प्रवक्ता विनय कुमार सिंह (मुन्ना) की पुत्री रक्षिता सिंह का उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग द्वारा असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में चयन होने पर परिवार सहित क्षेत्र के लोगो में हर्ष व्याप्त हो गया। ग्रामीणों ने रक्षिता के असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयनित होने पर बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की । रक्षिता ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट वाराणसी करने के बाद स्नातक, परस्नातक और पीएचडी काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी किया था। इस दौरान वह जहां परिश्रम करते हुए परास्नातक में विश्वविद्यालय द्वारा गोल्ड मेडल प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रौशन किया था । अपनी पढ़ाई के प्रति गंभीर रक्षिता का चयन उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग द्वारा असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में होने पर परिवार व क्षेत्र के लोगो ने बिटिया के असिस्टेंट प्रोफेसर बनने पर बधाई दी है। रक्षिता का चयन ढोढे राम पीजी कॉलेज फैजाबाद में हुआ है।

समाजवादी पार्टी सिकन्दरपुर की मासिक बैठक सम्पन्न, पास हुए कई प्रस्ताव

सिकन्दरपुर (बलिया) समाजवादी पार्टी सिकन्दरपुर की मासिक बैठक गुरुवार को स्थानीय डाकबंगले में सम्पन्न हुई। बैठक में संगठन प्रभारी श्री रमेश साहनी एवं जय प्रकाश यादव की उस्थिति में संगठन को मजबूत करने की रणनीति बनाई गई। आगामी 2024 लोक सभा चुनाव को देखते हुए पार्टी की नीतियों को जन तक पहुंचाने का निर्णय लिया गया। बैठक को सम्बोधित करते हुए संगठन प्रभारी रमेश साहनी ने कहा कि वर्तमान सरकार गरीब विरोधी है। यह सरकार सिर्फ अपने अमीर साथियों के लिए काम करती है। बैठक में सर्व सम्मति से विधानसभा क्षेत्र में व्याप्त समस्याओं के दृष्टिगत 6 सूत्रीय प्रस्ताव पारित किया गया कि प्रदेश में जातिगत सर्वे कराया जाय। घाघरा नदी से प्रतिदिन सैकड़ों एकड़ जमीन नदी में कटान से समाहित हो रही है, कटान रोकने की व्यवस्था की जाय। कटान से प्रभावित किसानों

को उचित मुवायजा दिया जाय। तहसील के अंतर्गत बिजली वितरण व्यवस्था ध्वस्त हो गई हैं। रोस्टर के अनुसार विधुत वितरण किया जाय। शासन के द्वारा छोटे बच्चो को दिए जाने वाले पुष्टाहार को संबंधित विभाग द्वारा हड़प लिया जा रहा हैं।बच्चो को मिलने वाले पुष्टाहार का मानक के अनुसार प्रतिमाह वितरण की व्यवस्था किया जाय। विधान सभा क्षेत्र में जर्जर हो चुकी सड़को की मरम्मत कराई जाय। उपरोक्त 6 सूत्रीय पारित प्रस्तावों पर शासन से त्वरित प्रभावी कदम उठाए जाने की अपेक्षा भी की गई। बैठक को मुख्य रूप से डा मदन राय, अनंत मिश्रा, भीष्म यादव, धनंजय सिंह, संतोष यादव, अरविंद तिवारी, प्रदीप कन्नौजिया, राजकुमार यादव, बबलू तिवारी, देवनारायण यादव, बबलू सिंह, हृदय यादव, राजकुमार वर्मा, रामकेवल प्रजापति, वीरु राय व विनोद राम आदि लोगो संबोधित किया। बैठक के अंत में समाजवादी के प्रमुख महासचिव प्रो० राम गोपाल यादव के बड़े भाई के निधन एवं छात्र नेता सुनील यादव के सड़क दुर्घटना में हुए निधन पर शोक व्यक्त किया गया। दो मिनट का मौन रखकर दिवगत आत्माओं को श्रद्धांजलि दी गई। बैठक की अध्यक्षता विधान सभा अध्यक्ष रामजी यादव एवम संचालन वीर बहादुर वर्मा ने किया।

संक्षिप्त खबरें

महिला कोटेदार व उसके देवर के खिलाफ मुकदमा दर्ज

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर थाना क्षेत्र के दल्लीपुर की महिला कोटेदार व उसके देवर के खिलाफ आपूर्ति निरीक्षक ने अनियमितता व खाद्यान्न बेचने समेत अनेक आरोपो के तहत मुकदमा दर्ज कराया। पूर्ति निरीक्षक प्रदीप कुमार मिश्रा ने पुलिस को दिए तहरीर में आरोप लगाया कि राशनकार्ड धारकों की शिकायत पर जांच की गई तो 327 कार्ड धारकों के सापेक्ष अगस्त माह में 50 फीसदी कार्डधारकों को खाद्यान्न वितरीत किये गए। अन्य ग्रामीणों को दौड़ाया जा रहा है। पूर्ति निरीक्षक ने बताया कि ग्रामीणों की शिकायत पर जब कोटेदार द्वार सुरसत्ती देवी को मौके पर बुलाया गया तो नही आई। अपने देवर सुरेंद्र को भेज दी। ग्रामीणों व कार्डधारकों द्वारा बताया गया है उक्त महिला कोटेदार के जगह उसका देवर ही खाद्यान्न का वितरण करता है।वही जांच के दौरान खाद्यान्न में कमी व वितरण में अनियमितता मिलने उच्चाधिकारियों के आदेश पर फूलपुर थाने में महिला कोटेदार व उसके देवर के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।

पत्रकार को फोन पर धमकी देने वाले के खिलाफ दर्ज हुआ केस

प्रखर घघसरा/गोरखपुर। गोरखपुर जनपद से हिंदी दैनिक समाचार पत्र देश प्रतिदिन के ब्यूरो चीफ व सहजनवां तहसील क्षेत्र के ग्राम नेवास के निवासी पत्रकार शैलेश त्रिपाठी अपनी जान की सुरक्षा को लेकर आशंकित हैं। जिसका उन्होंने शुक्रवार को सहजनवां थाने में तहरीर देकर सुरक्षा व कार्रवाई की मांग किया है। पत्रकार शैलेश त्रिपाठी ने पुलिस को लिखित तहरीर देकर मामले से अवगत कराया तहरीर में उन्होंने लिखा है कि 4 अक्टूबर 2023 बुधवार समय लगभग रात 8 बजे के करीब उनके पास एक अनजान मोबाइल नंबर से काल आया था। फोन करने वाले व्यक्ति ने कहा कि तुम पत्रकार शैलेश त्रिपाठी बोल रहे हो,हां का जवाब सुनकर उसने कहा कि तुम झूठी खबर लिखते हो जिस दिन तुम घघसरा बाजार में मिल गये उस दिन तुम्हारा हाथ पैर तोड़ कर तुम्हें तुम्हारी औकात दिखा देंगे। पत्रकार द्वारा सहजनवा थाने में तहरीर दे दी गई है इस मामले में थाना प्रभारी सहजनवां उप निरीक्षक इत्यानंद पांडेय ने कहा कि पत्रकार द्वारा तहरीर मिली है धमकी देने वाले के खिलाफ केस दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विद्युत उपभोक्ता ध्यान दे रविवार को बंद रहेगी विद्युत आपूर्ति

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। विद्युत उपभोक्ताओ के लिए आवश्यक सूचना विभाग द्वारा जारी की गई है। जिसके अनुसार 8 अक्टूबर 2023 दिन रविवार को 132 केवी विद्युत उपकेंद्र अंधऊ से निर्गत 33 केवी फीडर प्रकाश नगर ,कोर्ट ,मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल, रौजा ,पीरनगर ,जखनिया , हंसराजपुर महाराजगंज, जखनियां तहसील जंगीपुर, मरदह पंप कैनाल, 10 एमवीए फर्स्ट, सेकंड की विद्युत आपूर्ति सुबह 9:00 बजे से दोपहर के 12:00 बजे तक विद्युत उपकेंद्र पर 132 के वी मुख्य बस बार का मरम्मत कार्य के कारण पूर्ण रूप से बाधित रहेगी अपरिहार्य कारणों से शटडाउन निरस्त भी हो सकता है यह जानकारी उपखंड अधिकारी ट्रांसमिशन गाजीपुर एल ङ्क केङ्क प्रजापति द्वारा दी गई है। उपभोक्ता पेयजल या अन्य व्यवस्था पूर्व निर्धारित कर लेवे।

अपहरण का अपराध कारित करने के आरोप में 01 नफर वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रखर पूर्वांचल हरपुर-बुदहट गोरखपुर ।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर द्वारा महिला संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में, पुलिस अधीक्षक दक्षिणी के मार्गदर्शन में, क्षेत्राधिकारी खजनी के पर्यवेक्षण में व थानाध्यक्ष हरपुर बुदहट के नेतृत्व में उ0नि0 शरदेन्दु तिवारी मय हमराह का0 संदीप कुमार व म0का0 दीपिका सिंह द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 208/2023 धारा 363 भा0द0सं0 3(2)(5) एससी /एसटी एक्ट से संबंधित वांछित अभियुक्त रोहित गौड़ पुत्र रामअशीष गौड़ निवासी ग्राम मदनपुरा थाना हरपुर बुदहट जनपद गोरखपुर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

पिपरौली ब्लॉक के दो गावों में चौपाल का हुआ आयोजन

प्रखर पिपरौली,सहजनवा। ब्लॉक क्षेत्र के ग्रामसभा सीयर और बसुधा में गांव की समस्या गांव में समाधान के अंतर्गत शुक्रवार को जन चौपाल का आयोजन किया गया। एडीओ कृषि रक्षा देवव्रत सिंह की अध्यक्षता में चौपाल में जनसमस्याओं को सुनते हुए उनका निस्तारण किया गया। एडीओ देवव्रत सिंह ने कहा कि सरकार की मंशा है कि गांव की समस्याओं का गांव में ही निस्तारण हो। सीयर ग्रामसभा में पेंशन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, सोलर पंप, आयुष्मान कार्ड, वृद्धा विधवा, विकलांग पेंशन और नाली सहित कुल 13 मामले आए। जिसमें से 8 मामलों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। बसुधा में तीन मामले जिसमे एक जा निस्तारण मौके पर किया गया। इस दौरान आशुतोष दूबे, ग्राम प्रधान,ग्राम सचिव समीर यादव , प्रतिमा सिंह,मोनू कन्नौजिया,सहित आगनबाड़ी कार्यकत्री और ए एन एम सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

उपकरण पाकर दिव्यांग बच्चों के चेहरे खिले

प्रखर बदलापुर/जौनपुर। सर्व शिक्षा अभियान में समेकित शिक्षा के अन्तर्गत बीआरसी बदलापुर में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ गोरखनाथ पटेल जी व जिला समन्वयक समेकित शिक्षा शशिधर उपाध्याय जी के नेतृत्व में एलिमको कानपुर द्वारा उपकरण वितरण कैंप का अयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में माननीय विधायक बदलापुर रमेश मिश्रा जी के प्रतिनिधि गंगा प्रसाद सिंह जी व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ गोरखनाथ पटेल जी ने सरस्वती प्रतिमा पर दीपप्रज्वलन माल्यार्पण कर कार्यक्रम का सुभारंभ किया जिला समन्वयक समेकित शिक्षा शशिधर उपाध्याय ने बताया कि यह

उपकरण उन दिव्यांग बच्चों को दिया जा रहा है जो परिषदीय विद्यालयों में नामांकित है जिससे वे उपकरण के सहारे विद्यालय में आकर शिक्षा ग्रहण कर सके जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने कहा कि हर बच्चे को शिक्षा का अधिकार है अब ये दिव्यांग बच्चे इन उपकरण के सहारे विद्यालय में आकर शिक्षा ग्रहण करेंगे एलिमको कानपुर से आए ज्ञानेंद्र सिंह आडियो लाजिस्ट, आदर्श द्विवेदी, डाटा ऑपरेटर, विकास कुमार कैलीपर ने 67 दिव्यांग बच्चों को उपकरण दिया जिसमें 15 ट्राइसाइकिल,9 व्हीलचेयर 8 बैसाखी, 2सीपी चेयर 14 रोलेटर, 12ब्रेलकिट 7 कैलीपर 24 कान की मसीन वितरण किया गया बीआरसी बदलापुर खण्ड शिक्षा अधिकारी शैलेंद्र त्रिपाठी जी ने कार्यक्रम को संचालित कराया जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी व मुख्य अतिथि को माल्यार्पन व मोमेंटो देकर सम्मानित किया कार्यक्रम में जिले से अअड जितेंद्र कुमार जी विंध्यवासिनी उपाध्याय जी विशेष शिक्षक राजपति यादव अमित मिश्रा, गंगा प्रसाद, डॉ प्रमोद कुमार सैनी, प्रियंक द्विवेदी, अशोक गुप्ता लल्लन पाण्डेय

हार्ट अटैक से बचाव व सुरक्षा

■ डॉ. समीर गुप्ता

हार्ट अटैक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, जिसमें हृदय के रक्त प्रवाह में बंदिश हो जाती है, जिसके परिणामस्वरूप हृदय को पर्याप्त ऑक्सीजन पहुंचने में कठिनाइयाँ होती है। यह जीवन के लिए खतरनाक हो सकता है। इसलिए, हार्ट अटैक से बचाव और सुरक्षा के लिए कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए जा सकते है। यहाँ हम कुछ महत्वपूर्ण टिप्स देंगे, जो हार्ट अटैक से बचाव करने में मदद कर सकती हैः

आहार में सुधार करें

आहार में हृदय के लिए स्वस्थ खाद्य पदार्थों को शामिल करें, जैसे फल, सब्जियां, दालें, अखरोट, और अंडे तेल, घी, और मिठाइयों का सेवन कम करें और अनुशासन से खाएं।

व्यायाम करें

नियमित व्यायाम करने से हृदय स्वस्थ रहता है। योग, व्यायाम, जॉगिंग, या किसी भी फिजिकल एक्टिविटी को दिनचर्या में शामिल करें।

धूम्रपान और शराब का सेवन न करें

तंबाकू और शराब का सेवन हार्ट अटैक के खतरे को बढ़ाता है इसलिए इनका सेवन बंद करें।

स्ट्रेस पर नियंत्रण रखें

स्ट्रेस का सही तरीके से सामना करने के लिए मेडिटेशन, प्राणायाम, या अन्य ध्यान तकनीकों का अभ्यास करें।

चेकअप करवाएं

नियमित रूप से डॉक्टर के पास जाकर स्वास्थ्य जांच करवानी चाहिए।

दवाओं का सही सेवन

अगर हृदय संबंधित समस्याएँ है तो डॉक्टर के परामर्श से दिनचर्या के हिसाब से दवाएं लें।

वजन की निगरानी करें

अगर आपका वजन अधिक है तो उसे कम करने के लिए कदम उठाएं। यह हार्ट स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है।

नींद का पूरा समय लें

नींद की कमी हार्ट स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है इसलिए पर्याप्त नींद लेने का प्रयास करें।

नशा छोड़ें

किसी भी प्रकार के मादक पदार्थों का सेवन न करें।

हार्ट की स्क्रीनिंग

डॉक्टर की सलाह पर हार्ट की स्क्रीनिंग कराने हार्ट अटैक के खतरों को पहचानने में मदद कर सकता है।

हार्ट अटैक से बचाव के लिए उपरोक्त सुझावों का पालन करने से हार्ट स्वास्थ्य को सुरक्षित रखा जा सकता है। इन सभी सुरक्षा उपायों का पालन करके, जीवन को हार्ट अटैक से बचा सकते है और स्वस्थ और खुशहाल जीवन जी सकते है।

(मेट्रो ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स में डायरेक्टर, सीनियर इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट, ग्रुप डायरेक्टर - कैथ लैब) ■

स्तन कैंसर के उपचार के लिए अग्रणी भूमिका में

सहारा हॉस्पिटल

■ डॉ. फराह अरशद

स्तन कैंसर चिंता का विषय है क्योंकि कुछ सालो में ही भारत में कैंसर की जकड़ में आने वाले मरीजों में यह समस्या बहुत बढ़ गई है। विशेषकर कम आयु वर्ग की महिलाओं में भी पायी जा रही है। बड़ी संख्या 25 से 40 वर्ष के आयु वर्ग वाली ज्यादातर महिलाएं इसका शिकार हो रही है। कैंसर को लेकर जागरूकता की कमी का अंदाजा इससे लगा सकते है कि 60% रोगी यह नहीं जान पाते कि वह इस बीमारी से ग्रसित है। तीसरी व चौथी स्टेज में जब गंभीर रूप ले लेती है और खतरनाक हो जाती है, तब उन्हें पता चलता है। तब तक बहुत देर हो चुकी होती है।

स्तन कैंसर को रोक तो नहीं सकते पर जागरूकता से असमय होने वाली मौत को टाला जा सकता है। समय पर रोग का पता चलने से इलाज़ काफी आसान हो जाता है।

इसलिये किसी भी प्रकार के संकोच को छोड़कर कैंसर के लक्षणों पर ध्यान देना जरूरी है। युवतियों को चाहिये कि सप्ताह में एक बार नहाते समय स्तन का अच्छी तरह से जांच करे। अपने हाथ से देखे कि इसमे कोई गाँठ तो नहीं है। सूजन, आकार में बदलाव, निप्पल का अंदर धसना, गन्दा पानी आना, बगल में गाँठ होना, इन लक्षणों को अनदेखा न करे।

मरीजों को देसी दवाओं व झाड़फूंक से बचना चाहिये और समय पर इलाज़ करवाना चाहिए। समय से बीमारी का पता चलने में ऑपरेशन कीमोथेरेपी और रेडियोथेरपी सिकाई से उपचार संभव है।

सहारा हॉस्पिटल लखनऊ की स्तन/ब्रैस्ट रोग विशेषज्ञ डॉ.फराह अरशद ने बताया कि स्तन कैंसर का जल्द पता लगाने का तरीका है, स्तन जागरूकता कार्यक्रम जिसमे शिक्षा ,परीक्षण अल्ट्रासाउंड और मैमोग्राम जैसी जांच शामिल है। इसके साथ ही साथ जीवन शैली में सुधार करना, फास्ट फूड से दूर रहना आहार में ताजे फल सब्जियां लेना, शारीरिक श्रम और व्यायाम योग आदि करना। क्योंकि इसमें मोटापा भी अहम् भूमिका निभाता है। मातृत्व अवस्था शिशुओं को स्तनपान जरूर करायें। याद रखियें सावधानी ही बचाव है।

सहारा हॉस्पिटल लखनऊ की स्तन/ब्रैस्ट रोग विशेषज्ञ डॉ.फराह अरशद ने बताया कि स्तन कैंसर का जल्द पता लगाने का तरीका है, स्तन जागरूकता कार्यक्रम जिसमे शिक्षा ,परीक्षण अल्ट्रासाउंड और मैमोग्राम जैसी जांच शामिल है। इसके साथ ही साथ जीवन शैली में सुधार करना, फास्ट फूड से दूर रहना आहार में ताजे फल सब्जियां लेना, शारीरिक श्रम और व्यायाम योग आदि करना। क्योंकि इसमें मोटापा भी अहम् भूमिका निभाता है। मातृत्व अवस्था शिशुओं को स्तनपान जरूर करायें। याद रखियें सावधानी ही बचाव है।

सहारा इंडिया परिवार के सीनियर एडवाइजर श्री अनिल विक्रम सिंह जी ने कहा कि हमारे अभिभावक ''माननीय सहाराश्री'' जी ने सहारा हॉस्पिटल को हर आयु ,हर वर्ग की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर ही निर्मित करवाया है जिसमें हर प्रकार की बेहतर चिकित्सा उपलब्ध है, साथ ही जागरूक करने के उद्देश्य से समय समय पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित होते रहते है। इसी के क्रम में 4 अक्टूबर को सहारा हॉस्पिटल में शिविर लगाया जा रहा है, जहां लगभग छह हजार रूपये तक की जांचें जैसे मैमोग्राफी, छाती का अल्ट्रासाउंड, बी एम डी, सायटोलाजी/पैथोलॉजी, साथ ही छाती रोग महिला विशेषज्ञ द्वारा डाक्टर की सलाह पर बिल्कुल मुफ्त उपलब्ध होगा।

श्री सिंह ने बताया कि किसी भी लक्षण के प्रगट होने पर छिपाएं नहीं और न ही डरे बल्कि सही समय पर उपलब्ध चिकित्सा व शिविर सेवाओं का लाभ अवश्य ले।

(सहारा हॉस्पिटल लखनऊ में एंडोक्राइन एवं ब्रेस्ट सर्जन) ■

सहारा हॉस्पिटल लखनऊ की स्तन/ब्रैस्ट रोग विशेषज्ञ डॉ.फराह अरशद ने बताया कि स्तन कैंसर का जल्द पता लगाने का तरीका है, स्तन जागरूकता कार्यक्रम जिसमे शिक्षा ,परीक्षण अल्ट्रासाउंड और मैमोग्राम जैसी जांच शामिल है। इसके साथ ही साथ जीवन शैली में सुधार करना, फास्ट फूड से दूर रहना आहार में ताजे फल सब्जियां लेना, शारीरिक श्रम और व्यायाम योग आदि करना

सोशल मीडिया की लत

यही है जिंदगी

■ क्षमा शर्मा

कुछ दिन पहले माता-पिता और उनके बच्चों के बारे में बातचीत पढ़ रही थी। माता-पिता अपने बच्चों को लेकर परेशान थे। पांच में से तीन माता-पिता का कहना था कि उनके बच्चों को सोशल मीडिया का एडिक्शन हो गया है। वे उसके बिना रह नहीं सकते। मना करते है तो बहुत से बच्चे पढ़ना छोड़ देते है। लोगों से मिलना-जुलना बंद कर देते है। कई बार तो वे हिंसक भी हो जाते है। इसी समय एक और खबर आई। कर्नाटक हाईकोर्ट ने कहा कि बच्चों को सोशल मीडिया की लत लग गई है। इसे देखने की उम्र वैसे ही तय होनी चाहिए जैसे कि शराब पीने की उम्र तय है। आपको याद होगा कि तम्बाकू उत्पाद भी अठारह साल से कम उम्र के लोगों को नहीं बेचे जा सकते। उम्र अगर तय भी कर दी जाए तो कौन उसे मानता है। एक बार में मदर डेयरी से सामान खरीदने जा रही थी। रास्ते में चार, बारह-पंद्रह साल के बच्चे दिखे। वे पान वाले की दुकान से एक बोतल लेकर आए थे। शायद उसे उन्होंने वहां ठंडा करने को रखा था। ऐसा लगा कि वह किसी ठंडे पेय की बोतल है। वे सब एक-एक करके बोतल से मुंह लगाते और पीते। बाद में एक ने लगभग नाचते हुए कहा- यार, दारू का मजा ही कुछ और है। इसी तरह सिगरेट, बीड़ी पीते, गुटखा खाते बेशुमार किशोर दिखते है। वे छिपाकर ऐसा नहीं करते यानी उन्हें किसी का भय नहीं है। इसी तरह पॉलिथीन पर सरकार ने रोक लगाई हुई है। लेकिन पॉलिथीन का प्रयोग कम हुआ हो ऐसा दिखता तो नहीं है। सरकारी रोक का परिणाम तब तक कुछ नहीं होता, जब तक उस पर सख्ती से अमल न किया जाए। सख्ती दिखाई जाए तो लोग इसकी भी शिकायत करने लगते है। वैसे भी किशोर और बच्चों पर कितनी सख्ती दिखाई जा सकती है। सोशल मीडिया का भी यही हाल है। जब बच्चों को पढ़ने के लिए हमेशा कंप्यूटर, लैपटॉप, टेबलेट और मोबाइल चाहिए, पेपरलेस सोसाइटी की बातें की जा रही हों तो ऐसे में कितने समय तक बच्चों और किशोरों पर नजर रखी जा सकती है। अपने यहां दुनिया में सबसे अधिक बच्चे फेसबुक यूजर्स है। वे बड़ी संख्या में पोर्न भी देखते है। माता-पिता कब तक उनकी निगरानी करें।

अध्यापकों को देखने के लिए कोई एक बच्चा तो होता नहीं। क्लास में कम से कम तीस बच्चे होते हैं। ऐसे में अध्यापक भी क्या करें। कैसे वे हर बच्चे के बारे में जासूसी करें कि कौन क्या कर रहा है। यदि सोशल मीडिया देखने की उम्र तय भी कर दी जाए तो कौन हर वक्त सिर्फयही कर सकता है कि हर वक्त बच्चों के पीछे लगा रहे। आप उम्र तय भी कर दें तो बच्चों को रोकेंगे कैसे। जबकि हम जानते ही है कि अधिक स्क्रीन टाइम का मतलब है आंखों पर बुरा असर। चिड़चिड़ापन, तनाव, नींद का न आना, फोकस न रहना। साइबर अपराधों का भी शिकार होना। मना करने पर न केवल दोस्तों, अध्यापकों बल्कि घर वालों के प्रति भी रूखा व्यवहार। कई मामलों में तो किशोर हत्या करने से भी परहेज नहीं करते।

विशेषज्ञ इस ओर इंगित भी करते रहते है। लेकिन बात वही है कि बच्चों और किशोरों को कैसे इनसे दूर किया जाए। मनोविज्ञान का यह नियम भी है कि जिस बारे में किसी को रोका जाता है, मना किया जाता है, उस तरफ ज्यादा आकर्षण पैदा होता है और बार-बार ऐसा करने का मन करता है। आखिर ऐसे कौन से रास्ते निकाले जाएं कि हमारे किशोर और बच्चे सोशल मीडिया का उतना ही प्रयोग करें जितना जरूरी है। क्योंकि कोई भी लत या एडिक्शन हमें अकसर गलत राह पर ले जाता है। ■

सहमति पर असहमति

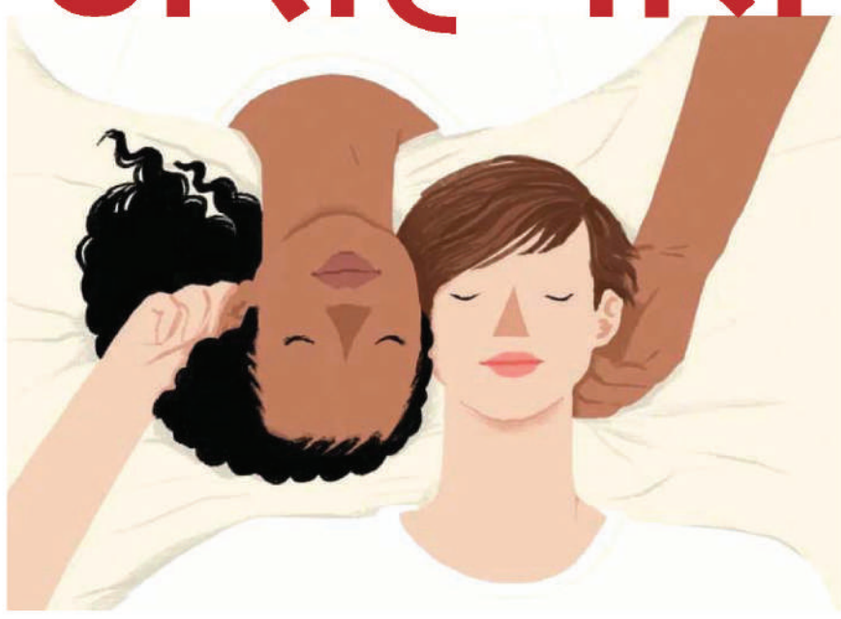

खरी खरी

■ मनीषा

अपने देश में 18 साल से कम उम्र वाले आपसी सहमति से दैहिक संबंध बनाते हैं, तो यह अपराध की श्रेणी में आता है। 2012 में बना पॉस्को यानी चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंस एक्ट यह कहता है 18 साल से नीचे के बच्चों के साथ यौन संबंध बनाना अपराध है। नाबालिगों को यौनहिंसा से बचाने वाले इस कानून में सहमति के लिए कोई स्थान नहीं है। भारतीय दंड संहिता भी कहती है कि 18 से कम की लड़की से बनाया गया यौन संबंध बलात्कार माना जाएगा। पर वह 16 पूरा कर चुकी है तो उसकी सहमति को साबित करने का प्रावधान है। जिसकी पॉस्को में छूट नहीं है। लेकिन 18 साल से नीचे की उम्र वाली पत्नी से दैहिक संबंध बनाने वाले पुरुष इस दायरे में नहीं आते। यह विरोधाभाष गजब का है। देश में अभी भी नाबालिगों के ब्याह हो रहे हैं, हालांकि वयस्क होने से पहले किया गया विवाह गैरकानूनी है। पिछले कुछ दिनों से आपसी सहमति से यौन संबंध बनाने की उम्र को लेकर चर्चा गरम है। बाइसवें लॉ कमीशन की रपट के अनुसार आपसी सहमति से संबंध बनाने की उम्र 18 से 16 नहीं की जानी चाहिए। क्योंकि इससे यौन हिंसा के कानून का दुरुपयोग हो सकता है। कर्नाटक हाईकोर्ट के पूर्व जस्टिस ऋतुराज अवस्थी के नेतृत्व में बनी कमेटी ने अपनी यह रपट कानून मंत्रालय को सौंप दी है। पिछले ही साल चीफ जस्टिस डीवाई चन्द्रचूड़ ने कि संसद को सहमति से सेक्स करने की उम्र को पॉस्को एक्ट के तहत विचार करना चाहिए। देश के विभिन्न हाई कोर्ट भी कई मामलों की सुनवाई के दरम्यान ऐसी बात कर चुके हैं। प्रेम प्रसंग, विपरीत लिंगी के प्रति आकर्षण या उन्माद में नाबालिगों के दरम्यान बने सेक्सुअल रिश्तों को लेकर अदालतें इस नतीजे पर पहुंचीं। यह सच है कि पॉस्को के तहत सजाओं को कम करने या दरम्याना करने से इस कानून की सख्ती समाप्त हो सकती है। कमीशन ने माना है कि बाल संरक्षण कानूनों,अदालती निर्णयों, बच्चों के शोषण-तस्करी व वेश्यावृत्ति जैसे कामों की समीक्षा के बाद पॉस्को एक्ट में सहमति की तय की गयी उम्र में छेड़छाड़ उचित नहीं है। हालांकि उन्होंने यह बात भी मानी है कि यदि लड़की की उम्र 16 से 18 के दरम्यान है और साबित हो जाए कि सेक्स सहमति से हुआ तो मामले को अदालत बलात्कार की श्रेणी से बाहर रख सकती है।

जर्मनी में सहमति से सेक्स की उम्र 14 है, जबकि थाईलैंड में 15। जापान में 16 व मैक्सिको में 17। जापान में पहले यह 13 साल थी, जिसे कुछ समय पहले ही बढा कर 16 किया गया। साथ ही रेप व जबरन बनाये गये सेक्स संबंध का भी प्रावधान लाया जापान। जिसकी सारी में दुनिया में आलोचना हुई है। जर्मनी में सहमति से होने वाले सेक्स की सबस; कम उम्र होने के बावजूद हर रोज औसतन आठ औरतों के बलात्कार की शिकायतें दर्ज होती हैं। वर्ल्ड पॉपुलेशन रिव्यू के अनुसार दुनिया भर की 35% औरतें जीवन में कभी ना कभी यौन हिंसा का शिकार होती हैं। यह सच है कि कम उम्र में सेक्स की खुली छूट देने का मतलब अनचाहे गर्भ व बिन बाप के बच्चों की पैदाइश बढ सकती है। जिन समाजों में सेक्स टैबू नहीं है, वहां कम उम्र की लड़कियां अनचाहे गर्भ से छुटकारा नहीं पाती। लेकिन इस हकीकत से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता कि खुलापन अपने समाज में लगातार बढता जा रहा है। इंटरनेट के बढते प्रभाव ने कम उम्र में ही बच्चों को संवेदनशील व गोपन ज्ञान परोसने का काम जबरदस्त रूप से किया है। जिज्ञासावश व अतिउत्साह में नाबालिग पोर्न साइट्स खूब देखते हैं। जिस पर पाबंदी लगाने में परिवार पूरी तरह असफल हैं। हमारी सामाजिक/ सांस्कृतिक स्थितियां कुछ ऐसी रही है, जिसमें लड़कियों पर देह की शुचिता बनाये रखने का दबाव रहा है। माना जाता है, विवाह से पहले लड़कियों को सेक्सुअली सक्रिय होने से खुद बचना चाहिए। परिवार भी यही चाहते हैं। इस सारी धींगामुश्ती के दरम्यान यह बात बहुत अच्छी तरह टुंसी हुई है। पुरातनपंथी सोच बेटियों की स्वच्छंदता पर लगाम लगाने को आतुर रहती है। पुरुषों का बड़ा वर्ग स्त्री की शुचिता को लेकर अभी भी संकीर्णताओं में जकड़ा हुआ है। यह मर्दवादी सोच है। जो स्त्री पर पीढियों से थोपी जा रही है। औरतें खुद को भी ससे मुक्त कर पाने में असमर्थ हैं। बावजूद इसके हमें स्त्री को अपनी देह के प्रति खुद जिम्मेदार बनाना होगा।

मैं मानती हूं कि अभियुक्त या अपराधी प्रवृत्ति के पुरुष बच्चियों को अपना निशाना बना कर, उन्हें ब्लैकमेल कर या डरा-धमका कर सहमति के लिए राजी कर सकते हैं। दिक्कत तो यह भी आ सकती है कि होमो सेक्सुअलिटी को सहमति का जामा पहनाने वाले कम उम्र के बच्चों को प्रलोभन देकर शिकार बनाने लगें। वास्तव में जब तक अपनी नयी जनेरेशन को उचित ढंग से सेक्स के विषय में जानकारी देने में हम सफल नहीं हैं, तब तक उन पर ये निर्णय छोड़ना खतरनाक भी साबित हो सकता है। परंतु बच्चे जिस तेजी से जल्दी वयस्क हो रहे हैं, उन पर बचपना लादने का हमारा खांटी तरीका उन्हें विद्रोही बना देता है। कम होती प्यूबिटी, पीरियड व वेटिंग की उम्र इसका प्राकृतिक संकेत है। हमें बहुत समझदारी से उन्हें मानव शरीर रचना, प्रजनन अंगों, उसकी कार्य प्रणाली, उर्वरकता, दैहिक संबंधों को विस्तार में और बार-बार बताना होगा। ये छिपाने वाली चीजें नहीं रहीं, यह पहले हमें खुद समझना है। लड़कियों को शुचिता का ज्ञान नहीं देना है। उन्हें अपनी ताकत को भी जानना है। नये लड़कों को स्त्री का सम्मान करना सिखाना है और उसकी मर्जी के बगैर उंगली भी नहीं छूनी है, जैसी बेहद बुनियादी बातें जेहन में बैठानी हैं। सहमति का दायरा बहुत बड़ा है और संवेदनशील भी। सेक्स एजूकेशन देने के साथ नयी पौध को कानूनी पाबंदियों, नियमों व सीमाओं से भी अवगत कराना होगा। हर बच्चे के कुछ अधिकार हैं, यह हमें नहीं भूलना चाहिए। एक्सीडेंट के भय से सड़क पर वाहन चलाना तो नहीं बन्द कर दिया हमने। यातायात नियमों का पालन करना सीख रहे हैं हम, वैसे ही सेक्सुअल रिलेशन के दरम्यान सहज रूल्स को स्वीकृति देना सीखना होगा। सहमति/ असहमति के दरम्यान के बारीक फर्क को सख्ती से बताना है। ■

स्वादिष्ट लौकी टिक्का

सामग्री- 1 लौकी, टमाटर 2 कद्दूकस किया हुआ, एक प्याज बारीक कटा हुआ, एक चम्मच अदरक लहसुन का पेस्ट, दही दो चम्मच, बेसन आधा कप, हरी मिर्च 2,जीरा 1/2 छोटी चम्मच, धनिया पाउडर एक चम्मच, हल्दी पाउडर एक चम्मच, लाल मिर्च पाउडर एक चम्मच, गरम मसाला पाउडर आधा छोटा चम्मच, कस्तूरी मेथी एक छोटा चम्मच, नमक स्वादानुसार, तेल आवश्यकतानुसार।

विधि- लौकी को छील कर गोल गोल कर काट कर धोने के बाद सूखा लें। अब लौकी को गोल-गोल मोटे-मोटे टुकड़ों में काट लीजिए। एक बड़े बाउल में दही, बेसन, नमक, हल्दी और लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, गरम मसाला पाउडर अच्छे से मिक्स करें। अब इस मिश्रण में कटे हुए बैंगन के टकड़े डाल कर अच्छे से मिक्स कर दें। 20 मिनट के लिए छोड़ दें। तय समय के बाद एक फ्राई पैन लेकर गैस पर रखें। 2-3 चम्मच तेल डालें। तेल गरम होने पर लौकी के टुकड़े को सेंकने के लिए रखें। एक तरफ अच्छे से सेंक जाने के बाद दूसरी तरफ भी सेंक लें। इस तरह से सभी लौकी को सेंक कर प्लेट में निकाल कर रख लें। अब बचे हुए तेल में प्याज डालकर सूनहरा होने तक भूनें। अब इसमें जीरा हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला पाउडर डाल दें। सभी मसालों को तब तक भूनें जब तक मसाला तेल से अलग न हो जाएं। जब मसाला अच्छे से भून जाए तब इसमें कस्तूरी मेथी और लौकी से बचे सारे मसालों को भी डाल दे। सब मसाला भून जाने के बाद एक कप पानी डाल दें। अंत में स्वाद भर नमक और कटे हुए धनिया के पत्ते मिला दें। ग्रेवी में एक दो उबाल आते ही सारा लौकी का टिक्का डाल दें। एक मिनट पकने दें। तैयार हो गया लाजबाब स्वादिष्ट लौकी टिक्का। चावल या रोटी के साथ परोसें।

टैरो

ऋचा श्रीवास्तव

(04 अक्टूबर–10 अक्टूबर)

मेष -(21मार्च-20अप्रैल)- कार्यकुशलता के लिए अधिक एकाग्रता की आवश्यकता होगी। कार्यक्षेत्र में ठोस और व्यवहारकुशल फैसले लेने की आवश्यकता पड़ेगी। जमीन जायदाद से सम्बंधित पारिवारिक मामला है तो उस्समे संयम और प्यार के साथ सुलझाने की कोशिश करें। पारिवारिक वातावरण सुखद होगा। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को सफलता के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ेगी।

वृषभ -(21अप्रैल -21मई)- पुराने व लम्बे समय से रुके हुए कार्यों से लाभ मिलना प्रारम्भ होगा। कारोबारी मामलों में सार्थक प्रयासों की सराहना की जाएगी। सहकर्मियों के साथ सम्बन्ध भी मधुर होंगे। मेहनत से कठिन कार्यों को भी आसानी से पूरा कर लेंगे। समय अनुकूल बना रहेगा। मित्रों एवं परिजनों के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे।

मिथुन -(22मई -21जून)- कुछ समस्याएं आ सकती है लेकिन समस्याओं को सकुशल संभाल लेंगे। भाग्योदय के अवसर मिलेंगे। खर्चों में बढ़ोतरी हो तो आपको हर कदम सोच समझकर उठाने की जरूरी है। आय और व्यय में संतुलन बनकलर रखें। आत्ममंथन करें और जो चूक हुई है, उसे सुधारने की सार्थक कोशिश करें। पति पत्नी के बीच संबंध मधुर होंगे.

कर्क - (22जून -22जुलाई)- कठिन हालात लेकर आ सकता है, जरुरत है तो बस धैर्य बनाये रखने की। दृष्टिकोण में बदलाव लाने से मानिसक शांति मिलेगी। लम्बी दूरी की यात्राओं का योग बन रहा है। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही ना बरतें। वाहन सावधानी से चलाएं। रिश्तों में टकराव दूर करने के लिए जीवन साथी की भावनाओं का सम्मान करें।

सिंह -(23जुलाई -21अगस्त)- लाभदायक रहेगा। भाग्योदय होगा। लम्बे आरसे से अटके कार्य बनेंगे। कई बेहतरीन मौके आएंगे, जिनसे आर्थिक लाभ प्राप्त होगा। रोजगार की तलाश करने वाले युवाओं को रोजगार के कई अवसर मोलेंगे। सामाजिक तौर पर आप सक्रिय रहेंगे। प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी।

कन्या -(22अगस्त -23सितम्बर)- सफलता पाने के लिए कड़ी मेहनत करने की जरूरत पड़ेगी। आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के लिए काम करते रहना होगा। बीच बीच में अचानक धन लाभ होने की सम्भावना जरूर बन रही है। नौकरीपेशा लोगों का कुछ वाद विवाद अपने उच्चाधिकारी से हो सकता है, जिससे बचना चाहिए क्योंकि हित में बिलकुल भी नहीं है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। योग एवं ध्यान अपनाएं।

तुला -(24सितम्बर -23अक्टूबर)- कई अवसर आएंगे लेकिन काम और निजी जीवन के बीच संतुलन स्थापित करना सीखना होगा। स्वास्थ सम्बन्धी परेशानियों से जूझना पड़ सकता है। खान पान में संयम बरतें और नियमित व्यायाम करें। आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के लिए अवसर मिलेंगे, परिवार में कभी कभी संशय की स्थिति आ सकती है, लेकिन संयम रखते हुए गुस्से पर काबू रखना बेहद जरूरी है। सूझबूझ से चुनौतियों और रुकावटों को दूर कर देंगे।

वृश्चिक -(24अक्टूबर-22नवंबर)- स्थान परिवर्तन का हो सकता है। राजनीति से परेशान होकर कार्यक्षेत्र भी बदलना चाहें। धैर्य से काम लें, सलाह अवश्य लें। व्यापार में भी निर्णय लेने में दुविधा बनी रहेगी। परिवार में छोटी मोटी बातों पर बातों पर बहस हो सकती है। निवेश करने से पूर्व अच्छे से विचार कर लें अन्यथा पैसा फंस सकता है। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही ना बरतें।

धनु -(23नवम्बर- 22दिसम्बर)- आनंद और खुशियों से भरा होगा। साथी के साथ फिर से जुड़ेंगे और परिवार जीवन के सभी पहलुओं में प्रयासों की सराहना करेगा। ऐसे क्षण भी आएंगे, जब काम करने और सोचने के तरीकों को बदलना पड़ सकता है। विश्वास बनाये रखें एवं हिम्मत ना हारे। सपनों और लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते है।

मकर -(23दिसम्बर-20जनवरी)- इच्छा शक्ति को मजबूत करें और आगे बढ़ें। यात्रा का भी योग है। योग्यता पर विश्वास करें और नई योजनाओं पर अमल करें। संगीत सुने, ऊर्जा बनी रहेगी। विवाह के योग बन रहे है। जीवन साथी के साथ संबंध मधुर होंगे।

कुम्भ -(21 जनवरी-19फ़रवरी)- उत्तम फलदायक है। व्यवसाय व साझेदार से लाभ मिलने की सम्भावना है। परिवार में सुख समृद्धि बनी रहेगी। निर्णय लाभदायक होंगे। जीवन साथी का सहयोग प्राप्त होगा। भूमि और संपत्ति खरीदने के योग है। परिवार में कोई मांगलिक कार्य अथवा उत्सव संभव है। स्वस्थ में सुधार होगा।

मीन -(20फरवरी-20मार्च)- कुछ वक्त लगेगा व्यवसाय हो या नौकरी दोनों ही छेत्र में उन्नति के द्वार खुलेंगे। आर्थिक निवेश करने के पूर्व अच्छे से जानकारी ले लें,अन्यथा हानि उठानी पड़ सकती है। ऐसा कोई काम न करें, जिसमे जोखिम हो अन्यथा परेशानी बढ़ सकती है। पारिवारिक जीवन में मतभेद की सम्भावना है ,समझदारी से काम लें। वैवाहिक जीवन में कटुता आ सकती है। धार्मिक कार्यों में मन लगाएं।

यौन संक्रमण की रोकथाम के लिए
एंटीबायोटिक जरूरी

न्यूयार्क (आईएएनएस)। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) ने बैक्टीरियल यौन संचारित संक्रमण (एसटीआई) की रोकथाम के लिए एक शक्तिशाली एंटीबायोटिक गोली की सिफारिश की है।

सीडीसी के प्रस्ताव में डॉक्टरों से क्लैमाइडिया, गोनोरिया और सिफलिस संक्रमण जैसे एसटीआई संक्रमणों के प्रसार को रोकने में मदद करने के लिए डॉक्सीसाइक्लिन (डॉक्सीसाइक्लिन पीईपी) के साथ पोस्ट-एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस (एचआईवी की दवाइयां) निर्धारित करने पर विचार करने का आह्वान किया गया। प्रस्तावित दिशानिर्देश पुरुषों और ट्रांसजेंडर महिलाओं के साथ यौन संबंध रखने वाले पुरुषों पर लागू होते हैं। इन संक्रमणों के बढ़ते जोखिम वाली आबादी में एसटीआई की रोकथाम को संबोधित करने के लिए एक नए दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करते हैं। सीडीसी ने अपनी मसौदा सिफारिशों में कहा, प्रस्तावित दिशानिर्देशों का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को बैक्टीरियल एसटीआई संक्रमण को रोकने के लिए डॉक्सीसाइक्लिन पीईपी के उपयोग के बारे में मार्गदर्शन प्रदान करना है।

सीडीसी के एचआईवी, वायरल हेपेटाइटिस, एसटीडी और टीबी रोकथाम के राष्ट्रीय केंद्र के प्रमुख जोनाथन मर्मिन ने कहा, एसटीआई महामारी को दूर करने के लिए हमारे लिए गेम-चेंजिंग इनोवेशन की आवश्यकता होगी। डॉक्सी-पीईपी दशक में एसटीआई के लिए हमारा पहला प्रमुख नया रोकथाम हस्तक्षेप है। सीडीसी अब 16 नवम्बर तक इच्छुक व्यक्तियों और संगठनों से प्रस्ताव पर सार्वजनिक टिप्पणी मांग रहा है। उन्होंने कहा, हमें लगता है कि यह अभी सही कदम है, भले ही विज्ञान अभी भी विकसित हो रहा है। यह कदम तब उठाया गया है जब अमेरिका में निसेरिया गोनोरिया (गोनोरिया का प्रेरक एजेंट), क्लैमाइडिया ट्रैकोमैटिस (क्लैमाइडिया का प्रेरक एजेंट), और ट्रेपोनेमा पैलिडम (सिफलिस का प्रेरक एजेंट) के कारण होने वाले एसटीआई के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। डॉक्सीसाइक्लिन, एक व्यापक स्पेक्ट्रम टेट्रासाइक्लिन एंटीबायोटिक, का उपयोग मलेरिया और लाइम रोग जैसे संक्रमणों को रोकने के लिए एक्सपोजर से पहले या बाद में प्रोफिलैक्सिस के रूप में किया जाता है। इस बीच, सीडीसी डॉक्सीसाइक्लिनपीईपी के वास्तविक दुनिया कार्यान्वयन को ट्रैक करने के लिए कई प्रयासों की योजना बना रही है, मर्मिन ने कहा, जिसमें दवा प्रतिरोध की निगरानी भी शामिल है।

- अमेरिका के सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने की सिफारिश

कहा, एसटीआई महामारी को दूर करने के लिए गेम-चेंजिंग इनोवेशन की आवश्यकता होगी

महिलाओं के मुकाबले
पुरुषों में कोरोना के गंभीर
संक्रमण के मामले अधिक

नई दिल्ली (भाषा)। वैज्ञानिकों ने इस बात के जैविक कारणों का पता लगाया है कि महिलाओं की तुलना में पुरुषों के कोरोना से गंभीर रूप से संक्रमित होने की आशंका अधिक क्यों होती है। वैज्ञानिकों के इस अध्ययन से अब कोरोना महामारी से निपटने के लिए प्रभावी एवं कारगर नई रणनीति बनाने में मदद मिल सकेगी। 'आई-साइंस' पत्रिका में एक शोध प्रकाशित हुआ है, जिसमें चूहों पर किए गए प्री-क्लिनिकल शोध के बारे में जानकारी दी गई है। इस प्री-क्लिनिकल शोध को अभी तक मनुष्यों में दोहराया जाना बाकी है, लेकिन शोध में पता चला है कि 'एसीई2' प्रोटीन महिलाओं के मुकाबले पुरुषों के कोरोना से गंभीर रूप से संक्रमित होने की प्रमुख वजह है। कोशिका की बाहरी सतह पर स्थित 'एसीई2' प्रोटीन रक्तचाप और सूजन को नियंत्रित करने तथा अंगों को अतिरिक्त सूजन से होने वाले नुकसान से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सार्स-कोव-2 संक्रमण के दौरान कोरोना वायरस स्पाइक प्रोटीन कोशिका में प्रवेश करने और उसे संक्रमित करने के लिए 'एसीई2' प्रोटीन पर चिपक जाता है। कनाडा के टोरंटो विश्वविद्यालय में इस शोध के वरिष्ठ लेखक हाइबो झांग ने कहा, महिलाओं की तुलना में पुरुषों में कोरोना की गंभीरता और मृत्यु दर बहुत अधिक है, लेकिन इसके कारणों को अब तक कम ही समझा जा सका है।

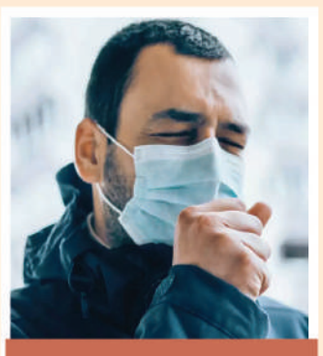

- शोध में पता चला, 'एसीई2' प्रोटीन संक्रमित होने की प्रमुख वजह

पति जावेद
ने अपने विश्वास को साथी बनाया

मुंबई (आईएएनएस)। अनुभवी अभिनेत्री शबाना आजमी ने मशहूर पटकथा लेखक, कवि और निर्देशक जावेद अख्तर के शुरुआती दिनों की कहानी साझा की। अपने पति के संघर्षों के बारे में उन्होंने कहा कि वह अपनी जेब में महज 27 पैसे लेकर मुंबई आए थे। उनके पास केवल सपनों और दृढ़ संकल्प से भरा दिल था, जिसने उन्हें सफल बनाया।एक्स पर एक्ट्रेस ने 1960 के दशक में मुंबई आए एक युवा व्यक्ति के रूप में जावेद अख्तर के शुरुआती दिनों का विवरण दिया और लिखा, 4 अक्टूबर 1964 को एक युवक अपनी जेब में 27 पैसे और सपनों से भरा दिल लेकर बॉम्बे सेंट्रल स्टेशन पर पहुंचा। उन्होंने कहा, वह रेलवे स्टेशनों और फुटपाथों पर सोते थे, कई दिनों तक बिना खाने के रहते थे, लेकिन खुद पर उनका विश्वास उनका निरंतर साथी बना था। वह खुद से कहते रहते, मैं यूं ही मरने के लिए नहीं पैदा हुआ हूं। उन्होंने लिखा, उनकी प्रतिभा, उनके लचीलापन, उनके दृढ़ संकल्प, उनकी भावना और उनके दोस्तों के समर्थन ने उन्हें वह आदमी बनाया जो वह आज हैं-जावेद अख्तर। बता दें कि शबाना आजमी जावेद अख्तर की दूसरी पत्नी हैं। जावेद की पहली शादी पटकथा लेखक हनी ईरानी से हुई थी। इस शादी से उन्हें दो बच्चे हैं-अभिनेता-निर्देशक-लेखक फरहान अख्तर और निर्देशक-निर्माता जोया अख्तर। शादी के कुछ सालों बाद दोनों अलग हो गए और फिर 1984 में शबाना और जावेद ने शादी कर ली। शबाना आजमी को हाल ही में फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' और 'घूमर' में देखा गया था।

- शबाना आजमी ने शेयर की जावेद अख्तर के संघर्षों की कहानी

गांधी परिवार में आया नया सदस्य

नई दिल्ली (भाषा)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने हाल ही में अपनी मां सोनिया गांधी को 'जैक रसेल टेरियर' नस्ल की 'पपी' उपहार में दी है जिसे उन्होंने 'नूरी' नाम दिया है। राहुल गांधी ने एक वीडियो में 'नूरी' को अपने परिवार का 'सबसे नया सदस्य' बताया। विश्व पशु दिवस पर अपने यूट्यूब चैनल पर साझा किए गए एक वीडियो में राहुल गांधी को गोवा की निजी यात्रा करते और उस 'पपी' से मिलते देखा जा सकता है जिसे बाद में दिल्ली लाया गया। राहुल गांधी ने कहा, मैं चाहता हूं कि आप सभी हमारे परिवार के सबसे नए और सबसे प्यारे सदस्य नूरी से मिलें। वह गोवा से सीधे हमारी बाहों में आई और हमारे जीवन की रोशनी बन गई। बिना शर्त प्यार और वफादारी-यह खूबसूरत जानवर हमें बहुत कुछ सिखा सकता है! उनका कहना है, हमें सभी जीवित प्राणियों की रक्षा करने और उनके साथ अपना प्यार साझा करने का संकल्प लेना चाहिए।

- राहुल ने सोनिया गांधी को तोहफे में दी 'नूरी'

मुंबई डायरीज 2
पर कोंकणा ने कहा, यह घर वापसी जैसा एहसास

मुंबई (आईएएनएस)। 'मुंबई डायरीज 2' सीरीज को लेकर अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा पूरी तरह से तैयार हैं। अभिनेत्री ने कहा है कि यह उनके लिए पहला सीक्वल होगा। आठ एपिसोड वाली सीरीज 6 अक्टूबर को प्राइम वीडियो पर आएगी। 'मुंबई डायरीज' सीरीज में कोंकणा डा. चित्रा दास की भूमिका निभाती नजर आएंगी। उनका किरदार अपने भीतर के राक्षसों से लड़ता है। वह चित्रा बॉम्बे जनरल हॉस्पिटल में सोशल सर्विसेज की निदेशक की भूमिका में हैं। शो में मोहित रैना मुख्य भूमिका में हैं, जो बॉम्बे जनरल अस्पताल में ट्रॉमा सर्जरी के प्रमुख डा. कौशिक ओबेरॉय की भूमिका निभाते हैं।

इस सीरीज के सीक्वल पर काम करने के अपने अनुभव के बारे में कोंकणा ने कहा, यह पहली बार है कि मैं किसी शो के सीक्वल पर काम कर रही हूं जो वास्तव में बहुत प्यारा है। यह घर वापसी की अनुभूति है, विशेषकर तब जब आप केवल चरित्र का निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने कहा, चूंकि हमारे पास वापस लौटने के लिए कुछ था, इसलिए इसकी शूटिंग में भी बहुत मजा आया। न केवल शो और उसके किरदारों में बल्कि कहानी की गहराई तक जाना भी अपने आप में अद्भुत अनुभव था। उन्होंने कहा, चूंकि हमारे पास वापस लौटने के लिए कुछ था, इसलिए इसे शूट करने में भी बहुत मजा आया। न केवल शो या किरदार के उस क्षेत्र में वापस आना, बल्कि आप इसमें गहराई तक जा रहे हैं, जो काफी अद्भुत अनुभव था। कोंकणा के साथ, 'मुंबई डायरीज 2' में श्रेया धनवंतरी, नताशा भारद्वाज, सत्यजीत दुबे और मृण्मयी देशपांडे प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

'कॉफी विद करण 8'
की रिलीज डेट से उठा पर्दा

मुंबई (आईएएनएस)। सबसे मसालेदार टॉक शो 'कॉफी विद करण' अपने 8वें सीजन के साथ लौट रहा है। नए सीजन के टीजर का बुधवार को अनावरण किया गया। टीजर में करण के दो वर्जन दिखाए गए हैं।एक करण जो टॉक शो होस्ट है । करण खुद को रोस्ट करते हुए नजर आ रहे हैं। इस बार, चैट अधिक तीखी, क्रेजी और स्पष्ट होगी जिससे बहुत सारे खुलासे होंगे। इस सीजन में बातचीत शादियों, एयरपोर्ट लुक्स, सोशल मीडिया पर होगी। नए सीज़न के बारे में बात करते हुए, निर्देशक और शो एंकर करण ने कहा, हम सभी जानते हैं कि आप 'कॉफी विद करण' के नए सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

जैकलीन पर तंज कसना
मीका सिंह को पड़ा भारी!

नई दिल्ली (आईएएनएस)। कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर ने जेल से भेजे गए एक पत्र में पॉप सिंगर मीका सिंह को चेतावनी जारी की है। दोनों शख्सियतों के बीच विवाद तब शुरू हुआ जब मीका सिंह ने हॉलीवुड स्टार जीन-क्लाउड वैन डेम के साथ जैकलीन फर्नांडीज की फोटो पर कमेंट किया, 'ये सुकेश चंद्रशेखर से बेहतर है।' एक्ट्रेस के इंस्टाग्राम पोस्ट पर मीका ने कमेंट किया था, आप बहुत खूबसूरत लग रही हो, यह सुकेश से कहीं बेहतर है। हालांकि सिंगर ने कुछ देर बाद अपने इस कमेंट को डिलीट कर दिया। इस कमेंट के जवाब में, दिल्ली के मंडोली जेल में बंद सुकेश ने अपने वकील अनंत मलिक द्वारा सार्वजनिक किए गए एक पत्र के जरिए चेतावनी भेजी है।

पत्र में, सुकेश ने मीका को एक बुरा आदमी कहा और जैकलिन के जीवन में उनके हस्तक्षेप की आलोचना की। सुकेश ने लिखा, मीका, मैं समझ गया कि आप क्या करने की कोशिश कर रहे हैं? सबसे पहले कहानी यह है, आप इस पर कमेंट करने में सक्षम नहीं हैं कि जैकलीन के लिए क्या अच्छा है, मुझे आपके कमेंट के बारे में पता चला, पहले अपने आप को देखें, आप अच्छे नहीं हैं... मेरे पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है, सब खुलेआम है, लेकिन आपके पास बहुत सारा कचरा है, खासकर महिलाओं के साथ आपके आचरण के बारे में। मीका, बेहतर होगा कि आप अपनी रिस्पेक्ट और डिग्निटी की रक्षा करें और दूसरे लोगों की लाइफ में अपनी नाक घुसेड़ना बंद करें। मेरे दोस्त, अगली बार तुम्हें ऐसी सलाह नहीं मिलेगी, तुम्हें इसके परिणाम भुगतने पड़ेंगे।

- जेल में बंद कॉनमैन सुकेश ने दी चेतावनी

मिलम ग्लेशियर
जाने के लिए अनुमति पत्र जरूरी नहीं

नैनीताल (वार्ता)। उत्तराखंड के मिलम ग्लेशियर की यात्रा पर जाने वाले पर्यटक और पर्वतारोहियों के लिए अच्छी खबर है। अब पर्वतारोही पिथौरागढ़ के मिलम ग्लेशियर तक बिना अनुमति पत्र के यात्रा कर सकेंगे। गृह मंत्रालय की ओर से इसकी अनुमति दी गई है।

भारत तिब्बत सीमा पुलिस के 14वीं वाहिनी के उप सेनानी रोविन कुमार की ओर से पिथौरागढ़ की जिलाधिकारी रीना जोशी को लिखे गए पत्र में गृह मंत्रालय के शासनादेश का हवाला देते हुए कहा गया कि मिलम गांव और मिलम ग्लेशियर तक की यात्रा के लिए अनुमति पत्र की आवश्यकता नहीं है। आगे कहा गया है कि इनर लाइन से आगे की यात्रा के लिए इनर लाइन परमिट की आवश्यकता होगी। पत्र में कहा गया है कि उक्त आदेश के अनुपालन के संबंध में भारत-चीन सीमा पर वाहिनी के एओआर में तैनात समवाय को जानकारी दे दी गई है।इससे पहले पर्यटकों और पर्वतारोहियों को मिलम गांव और मिलम ग्लेशियर तक की यात्रा के लिए शासनादेश के विपरीत अनुमति पत्र के बिना यात्रा की अनुमति नहीं थी। मुनस्यारी के उप जिलाधिकारी की ओर ग्रामीणों के विरोध के बाद एक पत्र लिखा गया था। पत्र में कहा गया कि इससे उच्च हिमालयी क्षेत्र में पर्यटन प्रभावित हो रहा है।

- पर्यटक और पर्वतारोही बिना अनुमति पत्र के कर सकेंगे यात्रा

मेहरीन पीरजादा
ने 60 के दशक का अपनाया लुक

मुंबई (आईएएनएस)। मिलन लुथरिया की अपकमिंग थ्रिलर 'सुल्तान ऑफ दिल्ली' में एक्ट्रेस मेहरीन पीरजादा ने सीरीज में पोल्का डॉट ड्रेस और सिल्क लॉन्ग स्कर्ट से लेकर बाउंसी बॉब हेयर-डॉस तक क्लासिक 60 के दशक का लुक अपनाया है। शो में अपने लुक और स्टाइल के बारे में बात करते हुए मेहरीन ने कहा, मुझे 'सुल्तान ऑफ दिल्ली' में मेरा लुक बहुत पसंद आया। मैं बालों के कलर को ध्यान में रखते हुए ब्लैक बालों का विग पहन रही थी क्योंकि उस समय बालों के कलर को लेकर ज्यादा क्रेज नहीं था।

'एफ3 : फन एंड फ्रस्ट्रेशन' की एक्ट्रेस ने कहा, 50 और 60 के दशक के आउटफिट्स इतना कूल लुक देते थे। यह ऑड्रे और मर्लिन मुनरो से प्रेरित था जो मेरे लिए बहुत दिलचस्प था क्योंकि मैंने उनका बहुत सारा काम देखा है। मेहरीन ने आगे साझा किया, मेरे कई लुक टेस्ट हुए क्योंकि मिलन सर लिप कलर या जूतों के प्रकार से खुश नहीं थे। पहले उन्होंने सोचा था कि संजना ब्राइट लिप कलर जैसे ज्यादातर रेड कलर पहने, लेकिन फिर उन्हें एहसास हुआ कि संजना जैसे किरदार के लिए जो बेहद मासूम है, न्यूट्रल कलर और नेचुरल मेकअप बेहतर रहेगा। तो बेस सिंपल लेकिन ट्रेंडी और फैशनेबल था।

इंग्लैंड को रौंद कीवियों ने 4 साल बाद लिया बदला

वर्ल्डकप के पहले मैच में हारा डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड, न्यूजीलैंड ने 9 विकेट से रौंदा, 2019 के फाइनल का हिसाब किया चुकता, डेवोन कॉन्वे और रचिन रवींद्र ने जड़े नाबाद शतक, दोनों के बीच हुई 273 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी

अहमदाबाद। डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड को आईसीसी वनडे वर्ल्डकप-2023 के पहले ही मुकाबले में न्यूजीलैंड से 9 विकेट की करारी हार झेलनी पड़ी। इस जीत के साथ ही न्यूजीलैंड ने 2019 वर्ल्डकप के फाइनल में इंग्लैंड से मिली दर्दनाक हार का बदला भी ले लिया। तब लॉर्ड्स के मैदान पर फाइनल और सुपर ओवर टाई हो जाने के बाद भी इंग्लैंड बाउंड्री-काउंट के आधार पर चैंपियन बना था।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर इंग्लैंड को बैटिंग के लिए बुलाया। इंग्लिश टीम ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 282 रन बनाए। 283 रनों का टारगेट न्यूजीलैंड के टॉप-3 बैटर्स ने 36.2 ओवर में अचीव कर लिया। टीम ने एक विकेट गंवाकर मैच जीता। डेवोन कॉन्वे और रचिन रवींद्र ने नाबाद शतक लगाए। दोनों के बीच 273 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी हुई।

स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड	रन	गेंद	4/6
जॉनी बेयरस्टो कै.मिचेल बो.सैंटनर	33	35	4/1
डाविड मलान कै.लेथम बो.हेनरी	14	24	2/0
जो रूट बो.फ्रिलिप्स	77	86	4/1
हैरी ब्रूक कै.कॉन्वे बो.रविंद्र	25	16	4/1
मोईन अली बो.फ्रिलिप्स	11	17	1/0
जॉस बटलर कै.लेथम बो.हेनरी	43	42	2/2
लियम लिविंगस्टन कै.हेनरी बो.बोल्ट	20	22	3/0
सैम करन कै.लेथम बो.हेनरी	14	19	0/0
क्रिस वोक्स कै.यंग बो.सैंटनर	11	12	1/0
आदिल रशीद नाबाद	15	13	0/1
मार्क वुड नाबाद	13	14	0/0

अतिरिक्त: 6, **कुल:** 50 ओवर में 282/9, **विकेट पतन:** 1-40, 2-64, 3-94, 4-118, 5-188, 6-221, 7-229, 8-250, 9-252, **गेंदबाजी:** ट्रेंट बोल्ट 10-1-48-1, मैट हेनरी 10-1-48-3, मिचेल सैंटनर 10-0-37-2, जिमी नीशम 7-0-56-0, रचिन रवींद्र 10-0-76-1, ग्लेन फ्रिलिप्स 3-0-17-2.

न्यूजीलैंड	रन	गेंद	4/6
डेवोन कॉन्वे नाबाद	152	121	19/3
विल यंग कै.बटलर बो.एस करन	0	1	0/0
रचिन रविंद्र नाबाद	123	96	11/5

अतिरिक्त: 8, **कुल:** 36.2 ओवर में 283/1, **विकेट पतन:** 1-10, **गेंदबाजी:** क्रिस वोक्स 6-0-45-0, सैम करन 6-2-47-1, मार्क वुड 5-0-55-0, मोईन अली 9.2-0-60-0, आदिल रशीद 7-0-47-0, लियम लिविंगस्टन 3-0-24-0.

ओपनिंग मैच में लगी रिकॉर्ड की झड़ी...

- इंग्लैंड के सभी 11 बल्लेबाजों ने इस मैच में डबल डिजिट स्कोर किया। वनडे क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ।
- डेवोन कॉन्वे और रचिन रवींद्र ने रन चेज में वर्ल्डकप इतिहास की सबसे बड़ी साझेदारी की। इस जोड़ी ने नाबाद 273 रन जोड़े। कीवी जोड़ी ने 2011 में बने तिलकरत्ने दिलशान और उपुल थरंगा का रिकॉर्ड तोड़ा। श्रीलंकाई जोड़ी ने 2011 के वर्ल्डकप में नाबाद 231 रन की पार्टनरशिप की थी।
- न्यूजीलैंड के ओपनर कॉन्वे और रवींद्र ने दूसरे विकेट के लिए 211 बॉल पर 273 रन की नाबाद साझेदारी की। टीम ने पहला विकेट 10 रन के टीम स्कोर पर गंवाया था। यह न्यूजीलैंड की ओर से वर्ल्डकप में सबसे बड़ी साझेदारी है।
- नंबर-3 पर उतरे रचिन रवींद्र ने न्यूजीलैंड की ओर से वर्ल्डकप में सबसे तेज सेंचुरी जमाई है। उन्होंने 82 बॉल पर शतक पूरा किया।
- रचिन रवींद्र वर्ल्डकप में शतक जमाने वाले न्यूजीलैंड के सबसे युवा खिलाड़ी बने।

सचिन वर्ल्डकप ट्रॉफी लेकर पहुंचे

गुजरात के अहमदाबाद में गुरुवार से क्रिकेट वर्ल्डकप शुरु हो चुका है। मैच शुरु होने के पहले भारत के लिजेंडरी बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर वर्ल्डकप की ट्रॉफी लेकर नरेंद्र मोदी स्टेडियम पहुंचे।

विश्वकप में पाक का सामना नई नवेली नीदरलैंड्स टीम से आज

अहमदाबाद। आईसीसी वनडे वर्ल्डकप-2023 में पाकिस्तानी टीम का सामना आज यानी शुक्रवार को नई नवेली नीदरलैंड्स की टीम से होगा। वहीं इधर, पाकिस्तान ने भारत सरकार से अपनी क्रिकेट टीम के लिए फुलप्रूफ सिक्योरिटी की मांग की है। पाक के फॉरेन ऑफिस की प्रवक्ता ने भारत सरकार को पाकिस्तानी क्रिकेट फैंस के वीजा अप्रुव करने की मांग भी की। वहीं पाकिस्तानी टीम ने हैदराबाद में प्रैक्टिस शुरु कर दी है। टीम आज अपना पहला मुकाबला नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलेगी।

नई ट्रेनिंग कीट में भगवा रंग में नजर आई टीम इंडिया

चेन्नई। भारतीय टीम की वर्ल्डकप के लिए ट्रेनिंग किट सामने आ गई है। विराट कोहली सहित भारतीय खिलाड़ी वर्ल्डकप के लिए टीम की ट्रेनिंग किट में नजर आए। कंधे पर तीन स्ट्रिप्स वाली ऑरेंज रंग की किट में भारतीय टीम अभ्यास करेगी। टीम पहले मैच के लिए चेन्नई पहुंच चुकी है। होटल के बाहर विराट ने अपने फैंस से मुलाकात की और ऑटोग्राफ भी दिए।

रेसलर खली को दी वर्ल्डकप टी-शर्ट

न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन और ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने रेसलर ग्रेट खली को वर्ल्डकप की स्पेशल टी-शर्ट दी। टी-शर्ट में वर्ल्डकप 2023 का लोगो बना हुआ है।

आर्चरी में डबल गोल्ड, स्क्वैश में भी मिला सोना और चांदी

एशियन गेम्स: 12वें दिन भारत को मिले 5 मेडल, रेसलिंग में ब्रॉन्ज, अब तक कुल 86

हांगझोऊ। होंगझोउ में चल रहे एशियन गेम्स के 12वें दिन भारत ने शानदार प्रदर्शन किया। 12वें दिन भारत ने कुल 5 मेडल जीते। इसमें 3 गोल्ड, 1 सिल्वर और एक ब्रॉन्ज शामिल है। भारत के अब कुल 86 मेडल हो गए हैं, जिसमें 21 गोल्ड शामिल है। भारत पहले ही अपने ऑल टाइम बेस्ट परफॉर्मेंस को पीछे छोड़ चुका है। 2018 एशियन

गेम्स में भारत ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 70 मेडल जीते थे, जिसमें 16 गोल्ड शामिल थे। दिन का पहला मेडल आर्चरी में आया। आर्चरी के कंपाउंड राउंड में ज्योति सुरेखा, अदिति गोपीचंद स्वामी और परनीत कौर की तिकड़ी ने भी सोना दिलाया। इसके बाद स्क्वैश में भारत की दीपिका पल्लीकल और हरिंदर पाल सिंह ने मिक्स्ड टीम में गोल्ड जीता। दिन का तीसरा गोल्ड ओजस प्रवीण, अभिषेक वर्मा और प्रथमेश समाधान की तिकड़ी ने आर्चरी के मेंस कंपाउंड इवेंट में दिलाया।

मुश्ताक अली ट्रॉफी में अपना जलवा दिखाएंगे भोपाल के आर्यन

भोपाल। बीसीसीआई द्वारा 16 से 27 अक्टूबर तक झारखंड में आयोजित सीनियर मुश्ताक अली ट्रॉफी में भोपाल के युवा क्रिकेटर आर्यन साहनी अपना जलवा बिखेरते नजर आएंगे, क्योंकि उनका चयन अरुणाचल प्रदेश की टीम में किया गया है। 16 वर्षीय आर्यन इस उम्र में मुश्ताक अली ट्रॉफी खेलने वाले भोपाल के पहले खिलाड़ी हैं। इससे पहले आर्यन अंडर-19 वीनू माकंड, कूच बिहार और अंडर-25 सीके नायडू टूर्नामेंट में भी खेल चुके हैं। मुश्ताक अली ट्रॉफी झारखंड के रांची अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। टूर्नामेंट में अरुणाचल प्रदेश का मैच गोवा, सौराष्ट्र, मणिपुर, गुजरात, रेलवे, आंध्रप्रदेश और पंजाब से होगा।

खेलो एमपी यूथ गेम्स में इंदौर ओवरऑल चैंपियन

जबलपुर दूसरे, भोपाल तीसरे और उज्जैन रहा चौथे स्थान पर

भोपाल

खेलो एमपी यूथ गेम्स-2023 में इंदौर ने धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैम्पियंस ट्रॉफी पर अपना कब्जा जमा लिया है। बता दें कि पहली बार आयोजित खेलो एमपी यूथ गेम्स में इंदौर 42 स्वर्ण, 32 रजत और 24 कांस्य सहित कुल 98 पदकों के साथ अव्वल रहा।

वहीं जबलपुर 24 स्वर्ण, 27 रजत और 35 कांस्य समेत कुल 86 पदक लेकर दूसरे और भोपाल 24 स्वर्ण, 27 रजत और 35 कांस्य समेत कुल 77 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। उज्जैन ने 9 स्वर्ण, 13 रजत और 17 कांस्य पदक सहित कुल 39 पदक जीतकर पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल किया।

अपर मुख्य सचिव गृह राजेश राजौरा ने बांटे खिलाड़ियों को पुरस्कार

राजधानी के तात्याटोपे स्टेडियम में गुरुवार को हुए समापन समारोह में अपर मुख्य सचिव गृह राजेश राजौरा ने खिलाड़ियों को ट्रॉफी प्रदान की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि ये बहुत ही गर्व का विषय है कि मध्यप्रदेश एक ऐसा राज्य बनकर उभरा है, जहां विकासखंड स्तर से लेकर जिला संभाग और राज्य स्तर पर खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिसमें लगभग एक लाख खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। खेलो इंडिया यूथ गेम्स और आईएसएसएफ वर्ल्डकप शूटिंग प्रतियोगिता की सफलता ने मध्यप्रदेश को एक नए मुकाम पर पहुंचा दिया है, जो प्रतिभा देखने का मौका मिला है, वो अद्भुत है। समाज में खेलों के प्रति जागरुकता बढ़ी है। मध्यप्रदेश खेलों के क्षेत्र में बाजी मार रहा है। एशियन गेम्स में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने एक नया इतिहास रच दिया है। खेलों एमपी यूथ गेम्स से ऐसे खिलाड़ी निश्चित तौर पर उभरकर आएंगे, जो भविष्य में अपना नाम अंतर्राष्ट्रीय मंच पर रोशन करेंगे। ग्रामीण अंचलों से नई प्रतिभाएं उभर कर आ रही हैं। अब हर वर्ष खेलो एमपी यूथ गेम्स का आयोजन होगा तथा भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन देखने मिलेंगे।

विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार राशि में बांटे 2 करोड़ रुपए

खेलो एमपी यूथ गेम्स में दलीय एवं व्यक्तिगत खेल के खिलाड़ियों को प्रथम पुरस्कार 31 हजार, द्वितीय पुरस्कार 21 हजार, तृतीय और चतुर्थ पुरस्कार पाने वाले खिलाड़ियों को 11 हजार रुपए से पुरस्कृत किया गया। एमपी यूथ गेम्स में कुल 2 करोड़ रुपए की राशि पुरस्कार के रूप में वितरित की गई।

सीएम शिवराज ने की थी इस गेम्स के आयोजन की घोषणा

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में पहली बार हुए खेलो इंडिया यूथ गेम्स की सफलता के बाद घोषणा की थी कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स की तर्ज पर मध्यप्रदेश में खेलो एमपी यूथ गेम्स का आयोजन भी किया जाएगा। इस कड़ी में 12 से 28 सितम्बर तक प्रदेश में विभिन्न चरणों में खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। खेलो एमपी यूथ गेम्स का आयोजन प्रदेश के सभी 52 जिलों के 313 विकासखंडों में किया गया। यूथ गेम्स 4 चरणों, ब्लॉक, जिला, संभाग एवं राज्य-स्तर पर किया गया। ब्लॉक-स्तरीय चयन स्पर्धा 12 से 14 सितंबर, जिला-स्तरीय प्रतियोगिता 16 से 18 सितंबर, संभाग-स्तरीय 20 से 23 सितंबर तथा राज्य-स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन एक से 5 अक्टूबर तक किया गया।

समापन समारोह में इंडियन आइडल फेम अभिजीत सावंत ने बिखेरा जलवा

समापन समारोह में इंडियन आइडल-1 के विजेता अभिजीत सावंत ने रंगारंग प्रस्तुति दी। इस अवसर पर सचिव खेल एवं युवा कल्याण पी नरहरि, संचालक खेल और युवा कल्याण रवि कुमार गुप्ता मौजूद थे। समारोह में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारी कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया।

सूडान में आरएसएफ का हमला, नौ लोगों की मौत

खार्तूम, (एजेंसी)। सूडान में रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) अर्द्धसैनिक समूह के सशस्त्र बलों द्वारा खार्तूम में एक चिकित्सा केंद्र पर किए गए हमले में नौ नागरिक मारे गए और 15 अन्य घायल हो गए हैं। सूडानी सशस्त्र बलों के प्रवक्ता नबील अब्दुल्ला ने कहा कि विघटित विद्रोही रैपिड सपोर्ट फोर्सेज ने बहरी में एक मस्जिद में एक चिकित्सा केंद्र पर बमबारी की है, जिसमें नौ नागरिकों की मौत व 15 अन्य घायल हो गए। अर्द्धसैनिक समूह ने अभी तक गोलाबारी पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया।

पंजाब के जिला तरनतारन में पाकिस्तानी ड्रोन बरामद

जालंधर, (एजेंसी)। सीमा सुरक्षा बल ने गुरुवार को पंजाब के जिला तरनतारन के गांव रसूलपुर से एक पाकिस्तानी ड्रोन बरामद किया है। बीएसएफ के प्रवक्ता ने बताया कि एक ड्रोन की विशेष सूचना पर गांव रसूलपुर के बाहरी इलाके में एक तलाशी अभियान शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि तलाशी के दौरान ग्राम रसूलपुर की नहर के किनारे एक खेत से एक ड्रोन टूटी हुई हालत में एक क्वाडकॉप्टर मॉडल - डीजेआई मैट्रिस, मेड इन चाइना ड्रोन बरामद हुआ।

जापान : इजू द्वीप में भूकंप के झटके महसूस किए

टोक्यो, (एजेंसी)। जापान के इजू द्वीप समूह में गुरुवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने कहा 0159 जीएमटी पर आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.1 मापी गई है। भूकंप का केंद्र, 29.96 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 139.95 डिग्री पूर्वी देशांतर पर 10 किलोमीटर की गहराई पर था। इसमें जनहानि की सूचना नहीं है।

फिलीपींस के राजधानी क्षेत्र में आग से 4 लोगों की मौत

मनीला, (एजेंसी)। फिलीपींस के राजधानी क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक घर में आग लग जाने से करीब चार लोगों की मौत हो गई। अग्नि सुरक्षा ब्यूरो ने यह जानकारी दी। ब्यूरो ने कहा कि उत्तर-पश्चिमी टैगुइग शहर के एक गांव में स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 4:00 बजे आग लग गई। ब्यूरो ने कहा कि संकरी गलियों के कारण अग्निशमन कर्मियों को गांव में प्रवेश करने में संघर्ष करना पड़ा। अग्निशमन कर्मियों ने 40 मिनट बाद आग पर काबू पा लिया। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

पश्चिम बंगाल के मंत्री घोष के घर ईडी ने की छापेमारी

कोलाकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री रथिन घोष के आवास और एक दर्जन अन्य स्थानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को राज्य भर के नागरिक निकायों में कथित नौकरी के बदले नकदी घोटाले के संबंध में छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने इसकी पुष्टि की है। ईडी अधिकारियों की टीमें सुबह करीब छह बजे उत्तर 24 परगना जिले सहित विभिन्न स्थानों पर पहुंचीं और केंद्रीय सशस्त्र बलों के सहयोग से आरोपी अधिकारियों के घरों और कार्यालयों पर छापेमारी शुरू कर दी।

ताइवान में तूफान कोइनु ने मचाई तबाही, 200 घायल

ताइपे, (एजेंसी)। ताइवान में तूफान कोइनु के कारण हुए हादसों में कम से कम 190 लोग घायल हो गए और बिजली खंभों और तारों के क्षतिग्रस्त होने से 60,000 से अधिक घरों और वाणिज्यिक इमारतों में अभी भी बिजली आपूर्ति बहाल नहीं की जा सकी है। ताइवान की सेंट्रल न्यूज एजेंसी (सीएनए) ने गुरुवार को बताया कि कोइनु तूफान स्थानीय समयानुसार लगभग 8:20 बजे द्वीप के दक्षिण में पिंगटुंग काउंटी के तट पर पहुंचा। तूफान की अधिकतम हवा की गति 48 मीटर प्रति सेकंड (106.8 मील प्रति घंटा) थी।

जेपी नड्डा बोले- भाजपा किसी के कंधे पर बैठकर चुनाव नहीं लड़ेगी

पटना में कहा- लालू परिवार महाभ्रष्ट, क्षेत्रीय पार्टियों का खत्म होना तय

पटना। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गुरुवार को पटना में कहा कि बिहार में एक ही परिवार के लालू, राबड़ी, तेजस्वी और मीसा भारती हैं। बाप, बेटा, मां और बेटी ये महाभ्रष्ट हैं। कल ही तो ये जमानत कराकर आए हैं। नड्डा ने बिहार सरकार के साथ-साथ लालू परिवार और इंडिया गठबंधन पर जमकर निशाना साधा। वे पटना के बापू सभागार में कैलाशपति मिश्र की 100वीं जयंती के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

जेपी नड्डा ने कहा कि इंडिया गठबंधन तीन आधार पर टिका है। पहला- परिवारवाद, दूसरा- भ्रष्टाचार और तीसरा- तुष्टीकरण। नड्डा ने कहा- बिहार सरकार लूट, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण में मस्त है। भाई को भाई से लड़ाने में मस्त है। अब ऐसी सरकारों को गुड बाय कहने का समय आ गया है और भारतीय जनता पार्टी को लाने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि आने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में बीजेपी बिना किसी के कंधे पर बैठे चुनाव लड़ेगी और राज्य में सरकार बनाएगी।

क्षेत्रीय पार्टियों का समाप्त होना जरूरी: उन्होंने इंडिया गठबंधन में शामिल सभी पार्टियों को गिनाया और कहा कि ये परिवारवादी पार्टियां हैं। पहले ये क्षेत्रीय पार्टी बनते हैं और फिर परिवार की पार्टी बन जाते हैं, लेकिन भारत का लोकतंत्र परिवारवाद को कभी भी प्रश्रय नहीं देगा, विचारधारा को प्रश्रय देगा, इसलिए परिवारवाद और क्षेत्रीय पार्टियों का समाप्त होना जरूरी है।

दरभंगा AIIMS के लिए जमीन मांगते-मांगते थक गया

नड्डा ने कहा कि दरभंगा में मोदी जी ने AIIMS दिया। मैं हेल्थ मिनिस्टर था। नीतीश जी से जमीन मांगते-मांगते थक गया। आज भी उसका पैसा रखा हुआ है। जैसे ही जमीन मिलेगी। काम शुरू हो जाएगा। भ्रष्टाचार से जो आकंठ डूबा हो और तुष्टीकरण करे, ऐसी सरकार को गुड बॉय कहने क समय आ गया है।

सबसे ज्यादा ओबीसी सांसद बीजेपी में

नड्डा ने ओबीसी मामले पर I.N.D.I.A गठबंधन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ओबीसी को संवैधानिक दर्जा देने का काम नरेंद्र मोदी जी ने किया। केंद्रीय योजनाओं का सबसे ज्यादा लाभ ओबीसी को मिल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि जितने कांग्रेस के सांसद हैं, उससे ज्यादा बीजेपी में ओबीसी के सांसद हैं। 27 ओबीसी मंत्री, 85 ओबीसी सांसद और 1000 से ज्यादा ओबीसी विधायक हैं।

नौ वर्ष में राजस्थान के विकास के कई प्रयास किए, परिणाम दिखाई दे रहा है : पीएम मोदी

जोधपुर में परियोजनाएं लोकार्पण व शिलान्यास

जोधपुर, (ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को लगभग पांच हजार करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर आयोजित शिलान्यास समारोह में श्री मोदी ने वीर दुर्गादास राठौड़ की इस वीर भूमि को नमन करते हुए कहा कि आज मारवाड़ की पवित्र धरती जोधपुर में कई बड़े विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है। गत नौ वर्षों में हमने राजस्थान के विकास के लिए जो निरंतर प्रयास किए हैं, उनके परिणाम आज हम सब अनुभव कर रहे हैं, देख रहे हैं।

उन्होंने इन विकास कार्यों के लिए जनता को बधाई देते हुए कहा कि राजस्थान वो राज्य है, जहां प्राचीन भारत के गौरव के दर्शन होते हैं। जिसमें भारत के शौर्य, समृद्धि और संस्कृति झलकती है। कुछ समय पहले जोधपुर में जी-20 की जो बैठक हुई, उसकी तारीफ दुनियाभर के मेहमानों ने की। चाहे हमारे देश के लोग हों, या विदेशी पर्यटक हों, हर किसी की इच्छा होती है कि वो एक बार सूर्य नगरी जोधपुर देखने के लिए जरूर आए। हर कोई रेतीले धोरों को, मेहरानगढ़ और जसवंत थड़ा को जरूर देखना चाहता है, यहाँ के हैंडीक्राफ़्ट को लेकर बहुत कुछ उसके लिए उत्कंठा रहती है। इसलिए, ये जरूरी है कि भारत के गौरवशाली अतीत का प्रतिनिधित्व करने वाला राजस्थान, भारत के भविष्य का भी प्रतिनिधित्व करे। ये तभी होगा, जब मेवाड़ से लेकर मारवाड़ तक, पूरा राजस्थान विकास की बुलंदियों को छूए, यहाँ आधुनिक इनफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण हो। उन्होंने कहा कि बीकानेर से बाड़मेर होते हुये जामनगर तक जाने वाला एक्सप्रेसवे कॉरिडोर, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, राजस्थान में आधुनिक और हाइटेक इनफ्रास्ट्रक्चर का उदाहरण है। भारत सरकार, आज राजस्थान में हर दिशा में, चहुं दिशा में रेल और रोड समेत हर क्षेत्र में तेज गति से काम कर रही है।

इसी साल रेलवे के विकास के लिए करीब साढ़े नौ हजार करोड़ रुपए का बजट राजस्थान को दिया गया है। यह बजट पिछली सरकार के सालाना औसत बजट से करीब 14 गुना ज्यादा है। और ये कोई मैं पॉलिटिकल स्टेटमेंट नहीं दे रहा हूं, फैक्चूअल जानकारी दे रहा हूं, वरना मीडिया वाले लिखेंगे, मोदी का बड़ा हमला।

यूएनएससी में भारत को मिले स्थायी सदस्यता, पुतिन का खुलकर समर्थन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में भारत की स्थायी सदस्यता के लिए खुलकर अपना समर्थन जताया है। राष्ट्रपति पुतिन ने कहा है कि भारत यूएनएसी का स्थायी सदस्य होना चाहिए। उन्होंने लगातार हो रहे भारत के मजबूत आर्थिक विकास की भी सराहना की है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर ने पश्चिमी देशों पर निशाना साधते हुए कहा कि यह हर उस देश को दुश्मन के रूप में पेश कर रहे हैं, जो आंख बंद करके इनके पीछे-पीछे चलने के लिए तैयार नहीं हैं। एक समय पर इन्होंने भारत के साथ भी ऐसा करने की कोशिश की थी। पुतिन ने आगे कहा कि हम सब समझते हैं। एशिया में हालात को हम देख और महसूस कर रहे हैं सब पूरी तरह साफ है।

मोदी की शान में पढ़े कसीदे

मालूम हो कि बीते दिनों रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक कार्यक्रम में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पीएम नरेंद्र मोदी को बुद्धिमान व्यक्ति बताया। पुतिन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकास में काफी अच्छी प्रगति कर रहा है।

क्या है यूएनएससी में स्थायी सदस्यता का अर्थ

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सदस्यता दो तरह से होती है। एक है स्थाई और एक अस्थाई। सिर्फ पांच देश ऐसे हैं, जो इस परिषद के स्थायी सदस्य हैं। उन देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, फ्रांस और चीन शामिल है। इसके अलावा यूएनएससी में 10 ऐसे देश सदस्य होते हैं, जो हर दो साल में बदल जाते हैं। भारत आठ बार यूएनएसी का अस्थायी सदस्य रह चुका है। भारत पिछले काफी समय से पक्की सदस्यता के लिए जोर लगा रहा है। भारत को कई देशों का समर्थन भी है। यूएनएससी में स्थायी सदस्य होने का काफी फायदा भी है। एक तरह से कह सकते हैं कि यह देश इस समूह के कर्ता-धर्ता होते हैं। यही देश तय करते हैं कि दो साल की अस्थायी मेंबरशिप के लिए किन देशों को बुलावा भेजा जाना चाहिए और किन्हें जगह नहीं मिलनी चाहिए।

शाह बोले- एनआईए, एटीएस, एसटीएफ सख्ती अपनाएं

आतंक विरोधी कॉन्फ्रेंस में कहा- आतंकवादी विरोधी एजेंसियों को लीक से हटकर काम करना होगा

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि सभी आतंकवाद विरोधी एजेंसियों को ऐसी सख्ती अपनानी चाहिए कि नए आतंकवादी समूह न बनें। हमें न केवल आतंकवाद बल्कि आतंकवादियों के पूरे ईको सिस्टम को नष्ट करना होगा।

इस दौरान गृहमंत्री शाह ने कहा कि एनआईए, एटीएस और एसटीएफ जांच तक ही सीमित न रहें, बल्कि उन्हें लीक से हटकर सोचना चाहिए। आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए नए कदम उठाने चाहिए। दिल्ली में एनआईए की दो दिन की आतंकवाद विरोधी कॉन्फ्रेंस में शाह ने कहा कि मोदी सरकार के सख्त फैसलों के कारण जम्मू-कश्मीर, नक्सल प्रभावित इलाकों और पूर्वोत्तर में हिंसा कम करने में बड़ी सफलता मिली है।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की घटनाएं 70 फीसद कम

गृहमंत्री शाह ने कहा कि भाजपा सरकार की आतंकवाद विरोधी नीति के कारण ही पिछले नौ सालों में जम्मू-कश्मीर में शांति आ सकी है। वहां पिछले 10 सालों की तुलना में आतंकवाद की घटनाओं में 70 फीसदी की गिरावट आई है। इन नौ सालों के दौरान नागरिकों की मौत में 81फीसदी और सुरक्षा कर्मियों की मौत में 48 फीसदी की गिरावट आई है।

दुनिया के देशों के साथ मिलकर काम करें

गृहमंत्री शाह ने कहा कि आतंक के खिलाफ लड़ाई में दुनिया के देशों से लेकर देश के अलग-अलग राज्यों को शामिल करने की जरूरत है। इसके लिए हमें पूरी सरकार और टीम इंडिया की भावना के साथ काम करना होगा। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार क्रिप्टो, हवाला, नार्को टेरर-फंडिंग से पैदा हुई चुनौतियों पर सख्त रुख अपना रही है। मोदी सरकार के कड़े फैसलों की वजह से जम्मू-कश्मीर, नक्सल प्रभावित इलाकों और पूर्वोत्तर में हिंसा में कमी लाने में बड़ी सफलता मिली है। इसके बहुत अच्छे नतीजे मिले हैं, लेकिन इस पर अभी और काम किया जाना बाकी है। केंद्र सरकार देश से आतंकवाद को जड़ से खत्म करने में लगी है। आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति के पीछे प्रधानमंत्री मोदी का विजन है।

मेक्सिको में बढ़े अप्रवासी, बाइडेन ने दी सीमा पर दीवार के नए खंड को मंजूरी

मेक्सिको। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन प्रशासन आप्रवासन के बढ़ते स्तर को रोकने के प्रयासों तहत दक्षिणी टेक्सास में सीमा पर दीवार के एक नए हिस्सा का निर्माण करेगा। मिली रिपोर्ट में बताया गया कि यह हिस्सा लगभग 32 किमी (20 मील) का होगा और इसका निर्माण मेक्सिको के साथ सटी सीमा पर स्टार काउंटी में किया जाएगा। यह वही हिस्सा है, जहां से अधिकारी अप्रवासियों को सीमा पार से इस पास बड़ी संख्या में घुसने की रिपोर्ट का दावा करते हैं।

सीमा पर दीवार बनाना राष्ट्रपति के तौर पर डोनाल्ड ट्रम्प की एक महत्वपूर्ण नीति थी और इसका डेमोक्रेट्स ने इसका कड़ा विरोध किया था। श्री बाइडेन ने 2020 में वादा किया कि यदि वह राष्ट्रपति चुने गए तो वह एक और फुट भी दीवार नहीं बनाएंगे, लेकिन अवैध सीमा पार करने वालों की बढ़ती संख्या ने इस मुद्दे को राष्ट्रपति को दोबारा सोचने का मजबूर कर दिया। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि इस साल दो लाख 45 हजार से अधिक लोग सीमा पार से आए और इस मामले में सितंबर महीना में रिकॉर्ड अप्रवासियों की सीमा पर से आई है। कई अमेरिकी शहरों का कहना है कि सीमा पर से इस तरह की घुसपैठ से वे दबाव महसूस कर रहे हैं। न्यूयॉर्क शहर के मेयर एरिक एडम्स ने भविष्यवाणी की है कि पिछले साल से 100,000 से अधिक नए लोगों के आवास की लागत अगले तीन वर्षों में बढ़कर 12 अरब डॉलर हो जाएगी। राष्ट्रपति बाइडेन के गृह सुरक्षा सचिव ने दीवार के नए खंड के निर्माण और गैरकानूनी प्रविष्टियों को रोकने के लिए तीव्र और तत्काल आवश्यकता का उल्लेख किया।

देवरिया हत्याकांड में सीएम योगी का 15 पर एक्शन

लखनऊ, (ब्यूरो)। यूपी के देवरिया में रुद्रपुर थाना क्षेत्र के फतेहपुर गांव में 2 अक्टूबर को सत्य प्रकाश दुबे के घर के पास प्रेमचंद यादव की हत्या हुई थी। इसके बाद प्रेमचंद के समर्थकों ने सत्य प्रकाश के घर में घुसकर मौजूद 6 लोगों पर जानलेवा हमला किया। इसमें सत्य प्रकाश, उनकी पत्नी, दो बेटियां और एक बेटे समेत पांच लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई थी। 8 साल के बेटे अनमोल की हालत नाजुक बनी हुई है। उसका इलाज चल रहा है, जिससे मिलने खुद सीएम योगी गए थे। गुरुवार को सीएम ने सख्त तेवर दिखाते हुए लापरवाह कर्मचारियों और अधिकारियों पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। एक हत्या के बदले 5 लोगों की हत्या की इस वारदात ने देवरिया ही नहीं पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया। अब इस मामले में इसमें उपजिलाधिकारी, 1 क्षेत्राधिकारी, दो तहसीलदार, तीन लेखपाल, 1 हेड कांस्टेबल, 4 कांस्टेबल, 2 हल्का प्रभारी और 1 थाना प्रभारी को निलंबित कर दिया गया है। हत्याकांड की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

मणिपुर : ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट के घर हमला बोलकर तोड़ा सामान

इंफाल। मणिपुर में गुरुवार शाम को भीड़ ने मानवाधिकार कार्यकर्ता (ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट) बबलू लिथोंगबम के घर पर हमला कर दिया। भीड़ ने उनके घर का सामान तोड़ दिया। हमले के दौरान बबलू घर पर मौजूद नहीं थे। बबलू खुद मैतेई हैं लेकिन मैतेई कट्टरपंथी संगठन मैतेई लिपुंस और अराम्बाई टेंगोल की आलोचना करते रहे हैं। वे ष्टरू बीरेन को भी कटघरे में खड़े करते रहे हैं। इसी वजह से हमलावर उनसे नाराज थे। बबलू ने 5 दिन पहले एक वार्ता में कहा था कि मुझे सिविल सोसाइटी समूहों से ऐसी जानकारी मिली है कि मैतेई लिपुंस और अराम्बाइ टेंगोल के लोग मेरे घर पर हमला करने की योजना बना रहे हैं। लेकिन स्थानीय लोग मेरे समर्थन में खड़े हैं, इसलिए ऐसा नहीं होगा। हालांकि गुरुवार को उनके घर पर हमला हो गया।

गत रोज मैतेई इलाके में आगजनी भी हुई

बुधवार यानी 04 अक्टूबर को देर रात हमलावरों ने मैतेई इलाके में घुसकर दो-तीन घरों में आग लगा दी। घटना इंफाल वेस्ट के कैथेलमांगबी के पत्सोई थाना क्षेत्र में हुई। सभी हमलावर हथियारों से लैस थे। पुलिस के मुताबिक, उपद्रवियों ने कई राउंड फायरिंग भी की। घटना के बाद हमलावर भाग गए। इसके बाद मैतेई समुदाय की महिलाओं का एक समूह घटनास्थल पर इकट्ठा हो गया। सुरक्षाबलों ने महिलाओं को आगे बढ़ने से रोका और शांति कायम करने की कोशिश की। पुलिस ने बाद में हालात काबू में होने का दावा किया। हालांकि गुरुवार सुबह तक फायरिंग की आवाज रुक-रुक कर आती रही। जुलाई से लापता दो स्टूडेंट्स की हत्या की बात सामने आने के बाद से ही मणिपुर में हिंसा हो रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने वोट के बदले नोट मामले में फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वोट के बदले नोट मामले में दिए अपने फैसले पर पुनर्विचार के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है। बता दें कि अदालत इस मामले पर विचार कर रही है कि सांसदों-विधायकों को सदन में दिए भाषण और वोट के बदले रिश्वत लेने के मामले में मुकदमे से छूट देना सही है या नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने साल 1998 के अपने एक फैसले में सांसदों-विधायकों को यह छूट दी थी। बुधवार को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर मामले से आपराधिकता जुड़ी होगी तो अदालत मुकदमा चलाने की मंजूरी देने पर विचार कर रही है। संविधान पीठ ने इस मामले में अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमानी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता सहित कई वरिष्ठ वकीलों को सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है। तुषार मेहता ने सुनवाई के दौरान कहा कि अदालत से संविधान के अनुच्छेद 105 के तहत छूट के पहलू पर नहीं जाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि रिश्वतखोरी का अपराध तब पूरा होता है जब रिश्वत दी जाती है और दूसरे पक्ष द्वारा उसे स्वीकार किया जाता है। इससे भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम से निपटा जा सकता है।

संविधान पीठ ने इन मुद्दों पर किया विचार: वोट के बदले नोट मामले में सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की संविधान पीठ ने सुनवाई पूरी की। बुधवार को सुनवाई के दौरान पीठ में शामिल मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने टिप्पणी करते हुए कहा था कि किसी सांसद-विधायक के आपराधिक कृत्य में भी क्या सदन में मिला विशेषाधिकार उन्हें मुकदमे से बचा सकता है? क्या कानून के दुरुपयोग की आशंका पर राजनीतिक भ्रष्टाचार को छूट देनी चाहिए?

आज का इतिहास

- **1499:** फ्रांस के राजा लुईस ने मिलान पर कब्जा किया।
- **1723:** बेंजामिन फ्रेंकलिन 17 साल की उम्र में फिलाडेल्फिया पहुंचे।
- **1762:** ब्रिटिश सैनिकों ने फिलीपींस के मनीला पर कब्जा किया।
- **1862:** भारतीय दंड संहिता कानून पारित व एक जनवरी से लागू हुआ।
- **1919:** तांबुलीस्की बुल्गारिया के प्रधानमंत्री बने।
- **1935:** भारत में 32 साल के सबसे लंबे समय तक अंपायरिंग करने वाले जीवन डी घोष का बंगाल में जन्म।
- **1946:** हिन्दी फिल्म अभिनेता विनोद खन्ना का जन्म।
- **1957:** सोवियत संघ ने नोवाया जेमल्या में परमाणु परीक्षण किया।

Filmi तड़का

विनोद खन्ना ने अभिनय से दर्शकों में बनाई अपनी पहचान

मुंबई। बॉलीवुड में बतौर खलनायक अपने अभिनय जीवन की शुरुआत करने वाले नायक विनोद खन्ना का जन्म 06 अक्टूबर 1946 को पाकिस्तान के पेशावर में हुआ। उन्होंने स्नातक की शिक्षा मुंबई से ग्रहण की। इसी दौरान उन्हें एक पार्टी के दौरान निर्माता-निर्देशक सुनील दत्त से मिलने का अवसर मिला। सुनील दत्त उन दिनों अपनी फिल्म 'मन का मीत' के लिए नए चेहरों की तलाश कर रहे थे। उन्होंने फिल्म में विनोद खन्ना से बतौर सहनायक काम करने की पेशकश की जिसे विनोद खन्ना ने सहर्ष स्वीकार कर लिया। घर पहुंचने पर विनोद खन्ना को अपने पिता से काफी डांट भी सुननी पड़ी। विनोद खन्ना ने जब अपने पिता से फिल्म में काम करने के बारे में कहा तो उनके पिता ने उन पर बंदूक तान दी और कहा यदि तुम फिल्मों में गये तो तुम्हें गोली मार दूंगा। बाद में विनोद खन्ना की मां के समझाने पर उनके पिता ने विनोद खन्ना को फिल्मों में दो वर्ष तक काम करने की इजाजत देते हुये कहा यदि फिल्म इंडस्ट्री में सफल नहीं होते हो तो घर के व्यवसाय में हाथ बंटाना होगा। वर्ष 1968 में प्रदर्शित फिल्म मन का मीत टिकट खिड़की पर हिट साबित हुई। फिल्म की सफलता के बाद विनोद खन्ना को आन मिलो सजना, मेरा गांव मेरा देश, सच्चा झूठा, जैसी फिल्मों में खलनायक की भूमिकाएं निभाने का अवसर मिला लेकिन इन फिल्म की सफलता के बावजूद विनोद खन्ना को कोई खास फायदा नहीं पहुंचा। विनोद खन्ना को प्रारंभिक सफलता गुलजार की फिल्म मेरे अपने से मिली। यह भी संयोग ही कहा जाएगा कि गुलजार ने बतौर निर्देशक करियर की शुरूआत की थी।

आलिया भट्ट ने शुरू की फिल्म 'जिगरा' की शूटिंग

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने अपनी आने वाली फिल्म 'जिगरा' की शूटिंग शुरू कर दी है। करण जौहर के प्रोडक्शल हाउस धर्मा प्रोडक्शंस के तले फिल्म जिगरा बनाई जा रही है। फिल्म जिगरा का निर्देशन वासन बाला कर रहे हैं। आलिया इस फिल्म से बतौर सह-निर्माता भी जुड़ी हैं। आलिया ने फिल्म जिगरा की शूटिंग शुरू कर दी है। आलिया भट्ट ने फिल्म जिगरा के सेट से तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं। शूटिंग से तस्वीरें साझा करते हुए, आलिया भट्ट ने लिखा, और हम आगे बढ़ रहे हैं। हमारे जिगरा को जीवंत करने का पहला दिन... देखते रहिए क्योंकि हम आपके लिए अपने दिल का एक टुकड़ा लेकर आ रहे हैं... आगे के सफर के लिए फिंगर्स क्रॉस्ड...लव टीम जिगरा। जिगरा 27 सितंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायडू की न्यायिक हिरासत 19 अक्टूबर तक बढ़ाई गई

कौशल विकास निगम घोटाले में हुई पेशी

विजयवाड़ा। विजयवाड़ा एसीबी कोर्ट ने गुरुवार को कथित कौशल विकास निगम घोटाले में पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की न्यायिक हिरासत 19 अक्टूबर तक बढ़ा दी। नायडू की हिरासत समाप्त होने के साथ, उन्हें राजमुंदरी सेंट्रल जेल से न्यायाधीश के सामने वर्चुअली पेश किया गया। न्यायाधीश ने हिरासत की अवधि दो सप्ताह के लिए बढ़ा दी। अदालत ने नायडू की जमानत याचिका के साथ-साथ उनकी हिरासत के लिए सीआईडी याचिका पर सुनवाई भी शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दी। सीआईडी ने नायडू को 9 सितंबर को गिरफ्तार किया था।

कथित घोटाला उस समय हुआ था जब वह मुख्यमंत्री थे। अगले दिन विजयवाड़ा एसीबी कोर्ट ने उन्हें 22 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। बाद में उन्हें राजमुंदरी सेंट्रल जेल में स्थानांतरित कर दिया गया। बाद में अदालत ने नायडू की न्यायिक हिरासत 24 सितंबर तक बढ़ा दी थी। उसी दिन अदालत ने उन्हें दो दिन की सीआईडी हिरासत में भेज दिया था। 24 सितंबर को कोर्ट ने उनकी न्यायिक हिरासत 5 अक्टूबर तक बढ़ा दी थी। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने नायडू पर दर्ज प्राथमिकी को रद्द कर न्यायिक हिरासत को रद्द करने की याचिका खारिज की थी। उन्होंने इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक दिवस पर वंदे मातरम् और स्वावलंबन पुस्तक का हुआ वाराणसी में विमोचन

प्रखर वाराणसी। आजादी का अमृत महोत्सव अंतर्गत मेरी माटी मेरा देश थीम पर आधारित वंदे मातरम पुस्तक जिसमे आजादी के क्रांतिकारियों, महानायकों की वीरगाथा , देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर देने वाले महापुरुषों की प्रेरणादायक कहानियों को समावेशित करती हुई वंदे मातरम् पुस्तक, जिसमे प्रदेश के 63 शिक्षकों ने अपने विचार व्यक्त किए हैं। इसी क्रम में स्वावलंबन (द्वितीय संस्करण) शैक्षिक शोध संग्रह के रूप में यह पुस्तक, जिसमे प्रदेश के 20 शोधार्थी द्वारा विभिन्न शैक्षिक समस्याओं जैसे विषयों पर अपने शोध लेख प्रस्तुत किए हैं।इन दोनों पुस्तकों का विमोचन एवं शिक्षक सम्मान समारोह कार्यक्रम 5 अक्टूबर 2023 को सारनाथ वाराणसी में अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो० वशिष्ठ द्विवेदी 'अनूप ', शिक्षा संकाय के विभागाध्यक्ष प्रो० अंजली वाजपेयी , वरिष्ठ रिटायर्ड आईएएस श्री रविशंकर एवं डा. प्रदीप जायसवाल, शोध प्रवक्ता राज्य हिंदी संस्थान वाराणसी की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि रवि शंकर ने लेखकों से कहा कि अध्यापक को भरे हुए बादल के रूप में होना चाहिए जो कक्षाओं में जाए और बरस जाए उसे पूर्ण तैयारी के साथ कक्षाओं में जाना चाहिए, हम जिस विधा में अच्छा कर सकते हैं उस चीज में अच्छा करना चाहिए। आप यदि कुछ अच्छा करते हैं, तो देर- सवेर उसका मूल्यांकन जरूर होता है। विशिष्ट अतिथि प्रो० वशिष्ठ द्विवेदी ने आजादी की चर्चा करते हुए बताया की आजादी की लड़ाई में जिन्होंने अपनी जान की कुबार्नी दी उनको याद करना सबसे पवित्र काम है इस पुस्तक की कहानियों को जब हमारे बच्चे पढ़ेंगे तो वे आजादी की कीमत पहचानेंगे इन कहानियों से भविष्य का निर्माण होगा। कुछ याद उन्हें भी कर लो जो लौट के घर ना आए इन पंक्तियों के माध्यम से आजादी के महान नायकों को श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। डॉ प्रदीप जायसवाल द्वारा कहा गया कि, इस कार्यक्रम से प्रदेश के शिक्षकों में शोध कार्य और लेखन कार्य को बढ़ावा मिलेगा तथा इस कार्यक्रम की सराहना की। प्रो० अंजली वाजपेयी ने कार्यक्रम कि सराहना की तथा सभी अतिथि द्वारा सभी को स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र दिया। इन दोनों पुस्तकों के संपादक एवं कार्यक्रम के संयोजक राज्य अध्यापक पुरस्कार प्राप्त शिक्षक मनीष देव, अयोध्या ने बताया कि इस पुस्तक पर विगत 6 माह से काम चल रहा था, जो पूर्ण हो चुका है। इस पुस्तक के माध्यम से हम जनमानस, बच्चों, शिक्षकों आदि के अंदर देश प्रेम, मेरी माटी मेरा देश को और गति देने तथा जनमानस के अंदर एक नव चेतना व ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। वंदे मातरम् पुस्तक के इस प्रथम भाग में 56 महापुरुषों की वीर गाथा को संकलित किया गया है। इसके दूसरे भाग में छूटे हुए अन्य महापुरुषों एवं क्रांतिकारियों की वीरगाथा को संकलित किया जाएगा। पुस्तक में ऐसे कई नाम है, जिन्हे हम विस्मृत कर चुके हैं, लेकिन इस पुस्तक के माध्यम से हम उन्हें फिर से याद करेंगे। स्वावलंबन पुस्तक का यह द्वितीय संस्करण है। प्रत्येक वर्ष यह जारी होगा। हिंदी विषय पर नई पुस्तक के लिए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर इसी वर्ष से ही कार्य शुरू हो चुका है, जिसमे देश के कई राज्यों से शिक्षक जुड़ चुके हैं। इसके माध्यम से प्रदेश के शिक्षकों मे शोध कार्य एवं लेखन को बढ़ावा देने का प्रयास दिया जा रहा है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अयोध्या से डा. अनामिका मिश्रा, शिप्रा श्रीवास्तव, विद्या यादव, रीना गुप्ता, पंकज आर्या, इस वर्ष राज्य अध्यापक पुरस्कार शिक्षक श्री प्रकाश पाठक तथा प्रदेश के कई अन्य शिक्षकों ने इस कार्यक्रम में अपना सराहनीय योगदान दिया।

सावधान! दुल्लहपुर में मोबाइल चोर सक्रिय, बहुतों की मोबाइल गायब

प्रखर दुल्लहपुर गाजीपुर। तेजी से बदलते आज के परिवेश में स्मार्ट फोन जिंदगी का वह अटूट हिस्सा बन चुका है जिसको चाहकर भी छोड़ा नहीं जा सकता। बेशकीमती स्मार्टफोन पास रखने की शौकिया नशा तो युवाओं पर इस कदर हावी है की मत पूछिए। कान से चिपकाए बहुतेरों को देखा जा सकता है। स्मार्ट फोन की ख्वाहिश पूरी करने के वास्ते किसी भी हद तक युवा वर्ग जाने को तैयार हैं। जैसे पारिवारिक रजामंदी से,खुद की मेहनत की कमाई से,या फिर हाथ की सफाई से मोबाइल हथियाने की सनक आम जन को बेचैन कर दिया है।इन दिनों दुल्लहपुर बाजार स्मार्टफोन चोरी की घटनाओं से दहशत में है । बाजार के दिन ठसमठस भीड़भाड़ का फायदा उठाते हुए चोर उचक्के लोगों की मोबाइल आसानी से गायब कर दे रहे हैं। खास तौर से बाजार की उक्त आबोहवा से अंजान बाजार में खरीदारी करने जाने वाले लोग उचक्कों के शिकार हो रहे हैं। मायूस उपभोक्ताओं ने स्थानीय पुलिस पर शिथिलता और निष्क्रियता का भी आरोप लगाया है।बहरहाल जो भी हो जैसा भी हो मायूस उपभोक्ताओं ने चोरी हुए अपने स्मार्टफोन की सूचना स्थानीय थाना पर दर्ज कराया है। थाना कार्यालय ने भी इसकी तस्दीक की है। गौरतलब हो कि क्षेत्र में आए दिन हो रही मोबाइल चोरी की घटनाओं को लेकर लोग चिंतित हैं। लेकिन मोबाइल चोरी रुकने का नाम नहीं ले रही है। बीते दो अक्टूबर सोमवार को गांधी जयंती के दिन स्थानीय बाजार में सब्जी की खरीद रहे एक व्यक्ति से मोबाइल की चोरी का वीडियो वायरल हुआ है। जिसमें लगभग आठ वर्षीय लड़के द्वारा कितनी सफाई से मोबाईल फोन चोरी करते हुए पूरा विडियो सीसी कैमरे में कैद हुआ है।वायरल वीडियो में दिखाया गया कि किस तरह से एक व्यक्ति सब्जी की दुकान पर झुक कर सब्जी खरीद रहा है। तभी पीछे से आए लगभग 8 साल के बच्चे ने सब्जी खरीद रहे व्यक्ति के आगे प्लास्टिक का थैला लटका कर उसका मोबाइल उसके पॉकेट से निकाल कर चल दिया पीड़ित को भनक तक नहीं लगी उचक्के बालक के साथ में ही सब्जी खरीदने का बहाना बनाकर आया एक युवक भी मोबाइल चोरी के बाद वहां से बगैर सब्जी खरीदे लौट गया। स्थानीय थाना पर पूछताछ में पता चला कि महीने में लगभग एक दर्जन मोबाइल फोन गुम होने की तहरीर मिलती है। कुछ पीड़ितो ने बताया कि बाजार करते समय आए दिन मोबाइल चोरी की घटना से लोग काफी खौफजदा है।

श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह का प्रसंग

प्रखर जलालपुर जौनपुर। क्षेत्र के त्रिलोचन महादेव निवासी फिल्म अभिनेता चन्दन सेठ के पैतृक निवास स्थान पर चल रही श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन गुरूवार को श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह का प्रसंग सुनाया गया। कथा से पहले कथा की शुरूआत इन्द्रभान सिंह इन्दु प्रांतीय उपाध्यक्ष/ जिलाध्यक्ष उद्योग व्यापार मंडल प्रतिनिधि, रत्नाकर चौबे वरिष्ठ सपा नेता, डा. जय प्रकाश सिंह सुभासपा राष्ट्रीय महासचिव ने संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्जवलित कर किया। छठे दिन व्यास पीठ पर विराजमान कथावाचक बाल ब्यास शशिकान्त महराज (श्रीकाशी) ने रास पांच अध्याय का वर्णन किया। श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह का प्रसंग सुनाया गया। कहा कि महारास में पांच अध्याय हैं। उनमें गाये जाने वाले पंच गीत भागवत के पंच प्राण हैं जो भी ठाकुरजी के इन पांच गीतों को भाव से गाता है वह भव पार हो जाता है। उन्हें वृंदावन की भक्ति सहज प्राप्त हो जाती है।कथा में भगवान का मथुरा प्रस्थान,कंस का वध,महर्षि संदीपनी के आश्रम में विद्या ग्रहण करना, कालयवन का वध, उधव गोपी संवाद, ऊधव द्वारा गोपियों को अपना गुरु बनाना, द्वारका की स्थापना एवं रुक्मणी विवाह के प्रसंग का संगीतमय भावपूर्ण पाठ किया गया। कथा के दौरान कथावाचक शशिकान्त महराज ने कहा कि महारास में भगवान श्रीकृष्ण ने बांसुरी बजाकर गोपियों का आह्वान किया और महारास लीला के द्वारा ही जीवात्मा परमात्मा का ही मिलन हुआ। जीव और ब्रह्म के मिलने को ही महारास कहते है। इस अवसर पर डा. अवधनाथ पाल (सपा जिलाध्यक्ष जौनपुर), राजेश यादव नवागत थानाध्यक्ष जलालपुर, विनोद सेठ समाजसेवी, संजय सिंह कोर्री, गायक चिन्टू सरगम, गुलाब राही, मनीष दुबे मंजुल, जिग्नेश मौर्य भ्रमण, प्रदीप सिंह, अनुराग वर्मा, नागेन्द्र सेठ, अरविन्द विश्वकर्मा, विनय वर्मा, सुदर्शन मिश्रा, हरिशंकर मिश्रा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

अस्सी घाट पर डालिया मुखर्जी ने दादरा एवं देवी स्तुति ने मोहा मन

प्रखर वाराणसी। काशी सांसद महोत्सव के विशेष चरण के अंतर्गत सायंकाल अस्सी घाट पर सुबह ए बनारस आनंद कानन के संयोजन में वाराणसी के कलाकार डालिया मुखर्जी ने पूरिया कल्याण से शुभारंभ किया समापन दादरा एवम देवी स्तुति प्रस्तुत करके दर्शक गण के हृदय को मंत्रमुग्ध किया। सहगायन एवम तानपुरा पर जुलिया मुखर्जी, तबला पर डॉ जयदेव मुखर्जी,हारमोनियम पर श्रीमती शुचिस्मिता मुखर्जी उपस्थित रहे।संयोजन सुबह ए बनारस के सचिव एवं संस्थापक डॉ रत्नेश वर्मा ने किया। सीमा केसरी ने सारगर्भित संचालन कर महोत्सव की महत्ता से अवगत कराया। धन्यवाद ज्ञापन श्री श्याम कुमार केसरी ने दिया। इस अवसर पर भारी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

कथाकार पवन कुमार वर्मा का अमृत लाल नागर बाल कथा सम्मान के चयन से हर्ष

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शुक्रवार को अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के कार्यकर्ताओं ने महासभा के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव के चंदन नगर स्थित आवास पर बैठक कर बाल कथाकार पवन कुमार वर्मा को उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान द्वारा "अमृतलाल नागर बाल कथा सम्मान 2022" के लिए चयनित किये जाने पर हर्ष व्यक्त किया। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव ने इस सम्मान के लिए उन्हें बधाई दी और कहा कि आज भी कायस्थ समाज में प्रतिभाओं की कमी नहीं। जरूरत है समाज के होनहार प्रतिभाओं को संसाधन उपलब्ध कराने और उनकी हौंसला अफजाई करने की । उन्होंने कहा कि आज समाज के बच्चों में प्रतिस्पर्धा की भावना कम हुई है। आज फिर से जरूरत है उनके अंदर प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा करने की । बैठक में जिलाध्यक्ष ने उन्हें शीघ्र कायस्थ महासभा के द्वारा सम्मानित करने की भी घोषणा किया। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि पवन कुमार वर्मा जी सकलेनाबाद के निवासी हैं जो अब बनारस में रहते हैं। वह शहर के मशहूर अधिवक्ता रहे स्व.चिनगी बाबू के बेटे हैं। इस बैठक में मुख्य रूप से मुक्तेश्वर प्रसाद श्रीवास्तव, मोहनलाल, शैल श्रीवास्तव, राजेश कुमार श्रीवास्तव,अमर सिंह राठौर, विपुल,गौरव,अजय कुमार श्रीवास्तव, अमरनाथ श्रीवास्तव, सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, पियूष श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे। जबकि साहित्य चेतना समाज की एक बैठक वरिष्ठ साहित्यकार एवं ख्यातिलब्ध मंच संचालक हरिनारायण हरीश के नगर के तिलक नगर कॉलोनी स्थित आवास पर हुई।बैठक में संस्था के पूर्व प्रतिभागी बाल कथाकार पवन कुमार वर्मा को 'अमृत लाल नागर बाल कथा सम्मान' के लिए चयनित होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई दी गई। साहित्य चेतना समाज के संस्थापक अमरनाथ तिवारी अमर ने बताया कि पवन कुमार वर्मा अपने विद्यार्थी जीवन में संस्था की ओर से आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में कई बार चयनित व पुरस्कृत हो चुके हैं।कई साहित्यिक सम्मान प्राप्त कर चुके पवन कुमार वर्मा के कई बाल कथा संग्रह प्रकाशित हैं जिनमें जंगल की एकता,अनोखी दोस्ती,सपनों की दुनिया,हम सब साथ-साथ हैं,मिट्ठू चाचा,दादाजी का मौन व्रत,मटके वाली कुल्फी,अक्ल बड़ी या भैंस प्रमुख हैं।इनकी बाल कहानियां विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होती रहतीं हैं।आकाशवाणी से भी इनकी बाल कहानियों का प्रसारण हो चुका है। बैठक की अध्यक्षता हरिनारायण हरीश एवं संचालन संगठन सचिव प्रभाकर त्रिपाठी ने किया।बैठक में प्रमुख रूप से डॉ.रविनन्दन वर्मा, हीरा राम गुप्ता, विन्ध्याचल यादव, संजीव गुप्त, दिग्विजय उपाध्याय, अमर आदि उपस्थित रहे।

बाबा नागार्जुन प्रगतिवाद के प्रमुख हत्ताक्षरो में एक हैं : रंजू यादव

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पी०जी० कालेज गाजीपुर में पूर्व शोध प्रबन्ध प्रस्तुत संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी महाविद्यालय के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ तथा विभागीय शोध समिति के तत्वावधान में महाविद्यालय के सेमिनार हाल में सम्पन्न हुई, जिसमें महाविद्यालय के प्राध्यापक, शोधार्थी व छात्र- छात्राएं उपस्थित रहे। उक्त संगोष्ठी मे भाषा संकाय के हिंदी विषय की शोधार्थिनी रंजू यादव ने अपने शोध शीर्षक "प्रगतिवाद के परिप्रेक्ष्य में नागार्जुन का कथा साहित्य" नामक विषय पर शोध प्रबन्ध व उसकी विषय वस्तु प्रस्तुत करते हुए कहा कि बाबा नागार्जुन प्रगतिवाद के प्रमुख हस्ताक्षरों में से एक हैं। उनका रचनात्मक संसार अत्यंत विपुल और विराट है। युगधारा, सतरंगें पंखों वाली, प्यासी पथराई आंखें, तालाब की मछलियां, हजार-हजार बाँहों वाली, भस्मांकुर, रतिनाथ की चाची, बलचनमा, नयी पौध, बाबा बटेसरनाथ, वरुण के बेटे, चित्रा, पत्रहीन नग्न गाछ, पका है कटहल, आदि उनकी प्रमुख रचनायें है। बाबा नागार्जुन जीवन भर शोषण, अत्याचार के खिलाफ अपनी साहित्यिक लड़ाई लड़ते रहे बलचनमा, बाबा बटेसरनाथ वरुण के बेटे, रतिनाथ की चाची इनकी कालजयी औपन्यासिक कृतियाँ हैं। हरिजन गाथा नागर्जुन की कालजयी रचनाओं में से एक है, यह सवर्णों द्वारा दलितों के खिलाफ शोषण और अत्याचार के खिलाफ प्रामाणिक दस्तावेज है। नागार्जुन भारतीय राजनीति के चेतना सम्पन्न कवि थे और आजाद भारत के राजनेताओं की कड़ी आलोचना करते हैं। उन्हें आधुनिक युग का कबीर भी कहा जाता है। नागार्जुन ने बौद्ध धर्म की दीक्षा लेकर काफी प्रचार प्रसार किया।

अंतिम समय मे इन्होंने मार्क्सवाद को स्वीकार कर लिया था। प्रस्तुतिकरण के बाद विभागीय शोध समिति, अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ व प्राध्यापकों तथा शोध छात्र-छात्राओं द्वारा शोध पर विभिन्न प्रकार के प्रश्न पूछे गए जिनका शोधार्थिनी रंजू यादव ने संतुष्टिपूर्ण एवं उचित उत्तर दिया। तत्पश्चात समिति एवं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ० राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने शोध प्रबंध को विश्वविद्यालय में जमा करने की संस्तुति प्रदान किया। इस संगोष्ठी में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ० राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय, अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ के संयोजक प्रोफे० डॉ० जी० सिंह, शोध निर्देशक डॉ० संजय कुमार सुमन एवं हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ०विनय कुमार दूबे, डॉ० सुनील कुमार, डॉ० अरुण कुमार यादव, डॉ० कृष्ण कुमार पटेल, डॉ० राम दुलारे, डॉ० योगेश कुमार, डॉ० हरेन्द्र सिंह, डॉ० धर्मेंद्र निषाद, डॉ० मनोज कुमार मिश्र, डॉ० अतुल कुमार सिंह एवं महाविद्यालय के प्राध्यापकगण तथा शोध छात्र- छात्राएं आदि उपस्थित रहे। अंत में प्रोफेसर डॉ० विनय कुमार दुबे ने सभी का आभार व्यक्त किया। संचालन अनुसंधान एवं विकास प्रोकोष्ठ के संयोजक प्रोफेसर डॉ० जी० सिंह ने किया।

प्रो0 अमृतांशु शुक्ल ने जन्मदिन पर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

प्रखर कुशीनगर। नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु चलाये जा रहे पौधरोपण संग जन्मोत्सव अभियान के क्रम में शुक्रवार को बुद्ध पीजी कॉलेज कुशीनगर के पूर्व प्राचार्य प्रो0 अमृतांशु शुक्ल ने जन्मदिन के अवसर पर महाविद्यालय परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए जन्मदिन मनाया और पौधे के संरक्षण का संकल्प लिया। प्रो0 शुक्ल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के निमित्त नयी दिशा द्वारा जन्मदिन पर लोगों से पौधरोपण कराने के अभियान की जितनी सराहना की जाय कम है। वर्तमान में पर्यावरणीय असंतुलन से उत्पन्न संकट का सामना सम्पूर्ण दुनिया कर रही। इस संकट के निवारण में पौधों की भूमिका महत्वपूर्ण है। अतः हम सब को अधिकाधिक पौधरोपण करते हुए इसे जन अभियान बनाने की जरूरत है। पौधरोपण में प्रो0 राम भूषण मिश्र, डॉ0 निगम मौर्य, डॉ0 सत्य प्रकाश, डॉ0 विशेषता मिश्रा, डॉ0 वीरेंद्र साहू, डॉ0 राजेश सिंह, डॉ0 सत्येंद्र गौतम, डॉ0 राघवेंद्र मिश्र, नयी दिशा अध्यक्ष प्रो0 सीमा त्रिपाठी, उपाध्यक्ष इंद्र कुमार मिश्र, सचिव डॉ0 हरिओम मिश्र, राज किशोर इत्यादि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

वन्य जीवों के संरक्षण के लिए किया गया जागरूक

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा विकास खण्ड के प्राथमिक विद्यालय जमापुर के प्रांगण में शुक्रवार को सामाजिक वानिकी वन प्रभाग वाराणसी के तत्वावधान में बाबतपुर रेंज द्वारा वन्य प्राणी सप्ताह के तहत छात्रों के बीच जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को वन्य जीवों के रहन -सहन, खान पान के बाबत विस्तृत जानकारी देने के साथ उन्हें आसपास मिलने वाले वन प्राणियों के जानकरी दी गई और उन्हें वन्य प्राणियों को बचाने व उनके संरक्षण के तरीकों को बताया गया। इन दौरान मौखिक प्रश्नोत्तरी हुई। जिसमें छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। प्रश्न पूछने वालों में नैंसी वर्मा, सृष्टि सोनी, मेहंदी वर्मा, अभय वर्मा, पवन यादव, अली हमजा, आलिया खान, महक खान व आयशा वर्मा , सूरज वर्मा ने प्रश्नों का उत्तर दिया। संचालन संजय गुप्ता ने किया। इस दौरान बाबतपुर रेंज के वन दरोगा नवनीत कुमार मिश्रा,वन रक्षक रमाशंकर यादव, डॉ राजीव गौतम, अरविंद वर्मा, तेजबहादुर समेत अनेक शिक्षक रहे।

रामनगर से पंचवटी लंका कटरिया मार्ग की दुर्दशा कैसे होगी रामलीला

संजय पान्डेय

प्रखर रामनगर वाराणसी। भारी वाहनों के चलने वाले इस मार्ग पर गड्ढों के बनने से छोटे वाहनों का चलना मोहाल हो गया है,इस दौरान हुई बरसात ने गड्ढों में पानी भरने से आवागमन ठहर सा गया है,पानी के चलते सड़क से आने जाने वाले अंदाज नहीं लगा पाते और अक्सर इन गड्ढों गिरकर चोटिल हो जाते है,वहीं अब रामनगर शहरी क्षेत्र में सुबह नो एंट्री चालू हो जाने के बाद भारी वाहनों को पीएसी से मोड़कर दुर्गा मंदिर पंचवटी और लंका होते होते हुए विश्वसुंदरी पुल और औद्योगिक क्षेत्र की तरफ निकाल दिया जाता है बिहार से छोटे बड़े वाहन इसी रास्ते आती है लगता है लंबा जाम।दरअसल मार्ग क्षतिग्रस्त होने से आये दिन दुर्घटनाएं होती रहती है और हर समय दुर्घटना होने की की संभावना बनी रहती है व छोटी गाड़ी अक्सर पलट जाया करते है,जिससे आवागमन बाधित हो जाता है। दो दिन बाद रामनगर की विश्व प्रसिद्ध रामलीला पंचवटी एवं लंका मैदान तरफ शुरू होने वाली है। सुपर्णखा नक्कटैया से लेकर श्रीराम के अयोध्या वापसी तक की लीला का मंचन इसी क्षेत्र में होता है। लीला देखने प्रतिदिन भारी भीड़ जुटती है। यहीं हाल रहा तो क्षतिग्रस्त सड़क लोगों को भारी सिरदर्द दे सकती है। एक महीना पहले खबर चलने के बाद रोड पर गिट्टी डालकर कोरमा पूरा कर दिया गया था फिर वही हाल हो गया सड़क और धस गई।

गैंग बनाकर मार-पीट व लूट का अपराध कारित करने वाले गिरोह के 02 अपराधियों के विरुद्ध गैंगेस्टर एक्ट के तहत की गयी कार्यवाही

प्रखर सहजनवां,गोरखपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद गोरखपुर द्वारा संगठित अपराधों पर अंकुश लगाने एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक उत्तरी के मार्गदर्शन में, क्षेत्राधिकारी कैम्पियरगंज के पर्यवेक्षण में,थानाध्यक्ष सहजनवां द्वारा गैंग लीडर रंजीत चौहान पुत्र विरेन्द्र चौहान निवासी मोहल्ला बनकटवा वार्ड नम्बर 43 थाना गोरखनाथ जनपद गोरखपुर व गैंग के 01 अन्य सदस्य (सहअभियुक्त) अंगद निषाद पुत्र दिलीप निषाद निवासी लच्छीपुर थाना गोरखनाथ जनपद गोरखपुर, जिनका एक विधि विरुद्ध गैंग है,के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्यवाही की गयी है । उक्त गैंग का लीडर रंजीत चौहान स्वयं है व अपने गिरोह के अन्य सदस्य के साथ आर्थिक, भौतिक, दुनियाबी व अन्य लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से सामूहिक रूप से एक संगठित गिरोह बनाकर मार-पीट व लूट के अपराध कारित करते रहते हैं । गैंग के सरगना एवं अन्य सदस्यों का सामान्यतः जन मानस में भय एवं आतंक व्याप्त है, जिसके कारण इनको स्वतंत्र विचरण करने से रोकने एवं आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु जिला मजिस्ट्रेट गोरखपुर द्वारा अनुमोदित गैंग चार्ट प्राप्त कर गैंगेस्टर एक्ट के तहत प्रभावी कार्यवाही करते हुए गैंग लीडर रंजीत चौहान व गिरोह के 01 अन्य सदस्य उपरोक्त के विरूद्ध थाना सहजनवां पर गैंगेस्टर एक्ट के तहत मु0अ0सं0 499/2023 धारा 3(1) उ0प्र0 गिरोह बन्द एवं समाज विरोधी क्रिया कलाप निवारण अधि0-1986 पंजीकृत किया गया है।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं